नई दिल्ली। शनिवार, 22 अगस्त, 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष दशमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 227/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल ‘अभी हम रुकने वाले नहीं है’, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड... | @ विचार लोककथाओं से संस्कारित होती थी नई पीढ़ी... | @ व्यापार भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद, मेटल और...

डिग्री मिली पर नौकरी नहीं नीति आयोग की नई रिपोर्ट

दिखा शिक्षा और रोजगार के बीच का अंतर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में उच्च शिक्षा का दायरा लगातार बढ़ रहा है और हर साल बड़ी संख्या में युवा डिग्री लेकर निकल रहे हैं, लेकिन डिग्री और रोजगार के बीच की कड़ी कमजोर बनी हुई है।

इसका एक संकेत यह है कि आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में सामने आए आंकड़ों के अनुसार, केवल 8.25 प्रतिशत ग्रेजुएट ही ऐसे काम में हैं जो उनके शिक्षा स्तर के अनुरूप है। आधे से अधिक ग्रेजुएट इससे कम कौशल वाले काम कर रहे हैं। 18 अगस्त को जारी नीति आयोग की नई रिपोर्ट ‘रीइमैजिनिंग स्किलिंग फार विकसित भारतञ्च2047’ इस समस्या की एक और परत सामने रखती है। रिपोर्ट के मुताबिक, समस्या सिर्फ बेरोजगारी की नहीं है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में मिलने वाली पढ़ाई, वास्तविक काम के लिए जरूरी कौशल और उद्योग की जरूरतों के बीच तालमेल की कमी की है। नीति आयोग ने कमजोर प्रैक्टिकल लर्निंग, उद्योग से कम जुड़ाव, सतही इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप तथा करियर गाइडेंस की कमी को प्रमुख चुनौतियों में गिना है।डिग्री है, लेकिन नौकरी के

लिए जरूरी कौशल नहींनीति आयोग के अनुसार, उच्च शिक्षा में बड़ी संख्या में छात्र सामान्य यानी जेनेरिक डिग्री कार्यक्रमों में दाखिला लेते हैं।

3.4 करोड़ अंडरग्रेजुएट छात्रों में 1.13 करोड़ अकेले बीए कर रहे हैं, जबकि बीए, बीएससी और बीकाम में कुल दाखिला दो करोड़ से अधिक है। रिपोर्ट का कहना है कि इन डिग्रियों का नौकरी से सीधा जुड़ाव कमजोर है। कई छात्र इन डिग्रियों को इसलिए भी चुनते हैं क्योंकि इनके जरिए सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने की पात्रता मिल जाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सामान्य बीए, बीकाम और बीएससी की डिग्रियां अपने आप सीधे रोजगार में नहीं बदलतीं। कई एंट्री-लेवल नौकरियों में भी टैली या आफिस एप्लीकेशन जैसे कार्यस्थल कौशल की जरूरत पड़ती है। यही वजह है कि सिर्फ डिग्री हासिल कर लेना और नौकरी के लिए तैयार होना दो अलग-अलग बातें बन गई हैं। इसका असर छात्र खुद भी महसूस कर रहे हैं।

नीति आयोग के अध्ययन में 80 प्रतिशत उच्च शिक्षा के छात्रों ने प्रैक्टिकल अनुभव और इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी को बड़ी समस्या बताया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कई इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप वास्तविक काम सीखने के बजाय केवल औपचारिकता बनकर रह जाती हैं। छात्र कंपनियों में जाते तो हैं, लेकिन उन्हें स्पष्ट काम, मार्गदर्शन और सीखने का अवसर नहीं मिलता।यही वह कड़ी है जो कालेज और नौकरी के बीच गायब है। मसलन, अर्थशास्त्र पढ़ने वाला छात्र आर्थिक सिद्धांतों को अच्छी तरह समझ सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि उसे किसी कंपनी के वित्तीय आंकड़ों का विश्लेषण करना आता हो। बीकाम का छात्र अकाउंटिंग पढ़ सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि उसे कार्यस्थल पर इस्तेमाल होने वाले साफ्टवेयर की जानकारी हो। इसी तरह राजनीतिक विज्ञान का छात्र राजनीतिक सिद्धांत जानता हो, लेकिन जरूरी नहीं कि उसे रिसर्च, पालिसी एनालिसिस या पब्लिक अफेयर्स का व्यावहारिक अनुभव मिला हो।

राष्ट्रपति भवन : ‘चेंज ऑफ गार्ड’ सेरेमनी को रद्द करने का आदेश वापस

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रपति भवन ने अपना फैसला बदलते हुए कुछ ही घंटों में वह आदेश वापस ले लिया, जिसके तहत बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के औपचारिक स्वागत की फुल रिहर्सल के लिए शनिवार को फोरकोर्ट में होने वाली ‘गार्ड बदलने की रस्म’ को रद्द कर दिया गया था।

राष्ट्रपति भवन के बयान वापस लेने को प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नई दिल्ली यात्रा को लेकर अनिश्चितता के तौर पर देखा जा रहा है। समारोह को रोकने की घोषणा के बाद, राष्ट्रपति भवन ने दोपहर में एक नया बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि शुक्रवार को ‘इस शनिवार को गार्ड बदलने का समारोह नहीं होगा’ विषय पर जारी प्रेस विज्ञप्ति को वापस ले लिया गया है। आमतौर पर, राष्ट्रपति भवन के फोरकोर्ट में 30 मिनट का गार्ड बदलने का समारोह हर शनिवार सुबह आयोजित किया जाता है। अगर शनिवार को कोई सरकारी छुट्टी हो या राष्ट्रपति भवन द्वारा ऐसा सूचित किया जाए, तो यह समारोह आयोजित नहीं किया जाता है।

राष्ट्रपति भवन के अनुसार, गार्ड बदलने का समारोह एक सैन्य परंपरा है। इसके तहत फोर्ट, पैलेस और रक्षा प्रतिष्ठानों पर गार्ड और संतरी समय-समय पर बदलते रहते हैं ताकि सैनिकों की एक नई टुकड़ी कार्यभार संभाल सके। राष्ट्रपति भवन में, सेरेमोनियल आर्मी गार्ड बटालियन भारत के राष्ट्रपति के लिए औपचारिक गार्ड और संतरी उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार है। समारोह को और अधिक आकर्षक और जनता के अनुकूल बनाने के लिए इसमें बदलाव किए गए हैं और इसका स्थान भी बदला गया है। इसमें राष्ट्रपति के बॉडीगार्ड्स (पीबीजी) द्वारा अपनी औपचारिक पोशाक में घुड़सवारी का प्रदर्शन शामिल किया गया है। साथ ही, समारोह स्थल को राष्ट्रपति भवन के फोरकोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया है, जहां जनता की पहुंच आसान है। समारोह की शुरुआत पीबीजी सैनिकों द्वारा होती है, जो अपने सजे-धजे घोड़ों पर सवार होकर जयपुर कॉलम के पीछे से आगे बढ़ते हैं। इस दौरान आर्मी ब्रास बैंड धुन बजाता है।

इसके बाद, परेड कमांडर मार्च करते हुए आते हैं और उनके ‘कमांड’ पर गार्ड मार्च करते हैं। निरीक्षण के बाद, नया गार्ड पुराने गार्ड के साथ अपनी जगह लेता है और दोनों गार्ड राष्ट्रीय सलामी का आदान-प्रदान करते हैं।

सक्षिप्त खबर

अंतरिक्ष में दबदबा बनाए रखने की तैयारी में ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2030 तक अमेरिका की धरती से हर साल एक हजार से ज्यादा स्पेस लॉन्च और री-एंट्री कराने का अभियान शुरू किया है। इसका मकसद अमेरिका की कमर्शियल स्पेस अर्थव्यवस्था को बढ़ाना और अंतरिक्ष में उसकी बढ़त को चुनौती देने वाले देशों का मुकाबला करना है। ट्रंप ने एक नेशनल सिक्योरिटी प्रेसिडेंशियल मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत व्हाइट हाउस के अनुसार पुरानी हो चुकी अंतरिक्ष परिवहन नीति को बदलकर एक ‘अमेरिका फर्स्ट’ नीति लागू की गई है।

समुद्री लुटेरों के कब्जे वाले दो जहाजों में 22 भारतीय नाविक सवार

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के अनुसार यमन और सोमालिया तट के पास समुद्री लुटेरों के कब्जे में लिए गए दो वाणिज्यिक जहाजों में सवार सभी 22 भारतीय सुरक्षित हैं। शुक्रवार को प्रेस वार्ता में मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी दी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ‘दो जहाज हैं; दोनों पर विदेशी झंडे लगे हैं और उन पर भारतीय नाविक सवार हैं। इनमें कुल 22 (एक जहाज पर 16 और दूसरे पर छह) भारतीय हैं।

एथेनॉल उत्पादन से चीनी कीमतों में बढ़ोतरी को केंद्र ने किया खारिज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि चीनी की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी का कारण एथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी का इस्तेमाल करना बताना गलत है।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि एथेनॉल उत्पादन के लिए उपयोग हो रही चीनी का शेयर 2025-26 में कम होकर करीब 9 प्रतिशत हो गया है, जो कि 2022-23 में करीब 12 प्रतिशत था।

साथ ही, कहा कि मौजूदा समय में देश में एथेनॉल के उत्पादन के लिए मक्के का उपयोग हो रहा है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया कि चीनी की कीमतों में मौजूदा बढ़ोतरी कई वजहों से हो रही है, जिनमें उम्मीद से कम घरेलू उत्पादन, त्योहारों के मौसम से पहले बढ़ी हुई मांग, मौसम की वजह से गन्ने की फसल को हुआ नुकसान, दुनिया भर में चीनी की सप्लाई में कमी और इंडस्ट्री के कुछ हिस्सों की तरफ से सट्टेबाजी और जमाखोरी शामिल हैं।

मौजूदा सीजन में चीनी का उत्पादन लगभग 306 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) रहने का अनुमान है, जबकि गन्ना उगाने वाले राज्यों का शुरुआती अनुमान लगभग 343 एलएमटी था।

गन्ने में रेड रॉट और टॉप बोरर जैसी बीमारियों के साथ-साथ ज्यादा बारिश की वजह से जलभराव से भी उत्पादन पर असर पड़ा है। अनुमान से कम उत्पादन के बावजूद, अक्टूबर में नया क्रशिंग सीजन शुरू होने तक घरेलू मांग को पूरा करने के लिए देश में चीनी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। सरकार ने बताया कि वर्तमान में चीनी की आपूर्ति में कमी एक ग्लोबल समस्या है और यह सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। 2026-27 के लिए दुनिया भर में चीनी की कमी का अनुमान लगभग 33 एलएमटी लगाया गया है। मौसम के हालात को लेकर चिंता ने भी ग्लोबल आउटलुक पर असर डाला है। नतीजतन, चीनी की इंटरनेशनल कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। 30 जून 2026 को ये 474 डॉलर प्रति टन थीं, जो 20 अगस्त 2026 को बढ़कर 552 डॉलर प्रति टन हो गई हैं, जो कि दो महीने से भी कम समय में 16 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी को दिखाता है।

मंत्रालय के मुताबिक, भारत में आम तौर पर हर साल लगभग 320-340 एलएमटी चीनी का उत्पादन होता है, जबकि देश में इसकी खपत लगभग 280-290 एलएमटी होती है। जब उत्पादन जरूरत से ज्यादा होता है, तो अतिरिक्त स्टॉक के कारण चीनी मिलों का पैसा फंस जाता है और गन्ना किसानों को भुगतान में देरी हो सकती है।

इंदिरा गांधी कृविवि पेपर लीक मामला : तेलीबांधा पुलिस थाने में एफआईआर

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की बीएससी कृषि द्वितीय वर्ष की कीटशास्त्र परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में तेलीबांधा पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। विश्वविद्यालय के यूजी परीक्षा प्रभारी डॉ. एन.आर. रंगारे की रिपोर्ट पर पुलिस ने छत्तीसगढ़ सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम की संबंधित धाराओं के साथ बीएनएस की धारा 316 के तहत मामला दर्ज किया है। विश्वविद्यालय की आंतरिक जांच समिति के अनुसार गुरुवार को बीएससी कृषि द्वितीय वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर के विषय AENT-221 (कीटशास्त्र) की परीक्षा आयोजित होनी थी। परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र लीक होने की सूचना सामने आने के बाद विश्वविद्यालय में हड़कंप मच गया।

राहुल गांधी के 5 घंटे धरने बाद पैलेट गन पर प्राथमिकी दर्ज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को दिल्ली के संसद मार्ग थाने पहुंचे। वे जंतर-मंतर पर सीजेपी के आंदोलनों के दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल की जानकारी लेने डीसीपी ऑफिस पहुंचे थे। इस दौरान हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि 20 जुलाई को कनॉट प्लेस में पैलेट गन का प्रयोग किया गया था। 200 छर्रे इनके (साहिल) शरीर पर लगे। तीन छर्रे इनकी आंख में लगे। एम्स की रिपोर्ट में साफ लिखा है कि इनके शरीर में 200 से ज्यादा छर्रे हैं, आंख में तीन छर्रे हैं। इनकी आंख बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है और उस आंख से नहीं देख पाएंगे। इनके बिल्कुल दिल के पास छर्रे हैं, जिनको छुआ नहीं जा सकता है।

राहुल गांधी ने कहा कि दिल्ली पुलिस की ओर से कहा गया कि हमारी ओर से छर्रे नहीं चलाए गए। तो एक ही सवाल है, अगर आपने नहीं चलाए तो किसी ने तो ये छर्रे चलाए होंगे। शायद किसी और ने इन पर छर्रे चला दिए। हम सिर्फ यह कह रहे हैं कि एफआईआर दर्ज कीजिए। अंदर से हमें बताया जा रहा है कि ऊपर से ऑर्डर आया है कि एफआईआर दर्ज नहीं हो सकती है। जब तक एफआईआर नहीं होगा, तब तक हम यहां से नहीं हिलने वाले हैं। इस देश में लाखों लोगों के साथ अन्याय होता है। हमारी एक मांग है कि एफआईआर, डीडीआर और जांच अधिकारी का नाम बता दीजिए। हम सिर्फ इस परिवार के लिए न्याय मांग रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि इनको एक पुलिस स्टेशन से दूसरे पुलिस स्टेशन भेजा जा रहा है। शुक्रवार सुबह हम एक पुलिस स्टेशन गए, हमें बताया गया कि यहां नहीं हो सकता और आप दूसरे पुलिस स्टेशन जाइए। साहिल के वकील ने कहा कि एलओपी राहुल गांधी के आने के बाद शिकायत पर ठप्पा लगा है, रिसीविंग मिली है। एफआईआर अभी भी दर्ज नहीं की जा रही है। इस मामले को लेकर राहुल गांधी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट में लिखा गया, ‘आज साहिल लोचब के साथ उनके साथ हुई पुलिस बर्बरता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने संसद मार्ग के डीसीपी कार्यालय पहुंचा।

तीर तेवर — सागर कुमार

पेपर लीक, ई-20, स्कूलों की बदहाल स्थिति पर पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने उठाए सवाल

संवाददाता ■ रायपुर

दिल्ली से लौटे छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरकार पर कई मुद्दों को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने IGKV पेपर लीक, वंदेमातरम, अयोध्या मामले, ई-20 पेट्रोल और स्कूली छात्रों को दी जा रही साइकिलों सहित कई मुद्दों पर सरकार को घेरा।

आईजीकेवी पेपर लीक पर जिम्मेदारी तय करने की मांग

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (IGKV) में पेपर लीक मामले को लेकर भूपेश बघेल ने सरकार से जिम्मेदारी तय करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पेपर लीक की जिम्मेदारी किसकी है, यह सरकार को तय करना चाहिए।

बघेल ने कहा कि पुलिस भर्ती, PWD, PSC और कृषि विभाग से जुड़ी परीक्षाओं में भी गड़बड़ी के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को इन मामलों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और दोषियों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

वंदेमातरम को लेकर सीएम साय के बयान पर चुनौती

वंदेमातरम के दो पद गाने के कांग्रेस के निर्णय और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के बयान पर भूपेश बघेल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अमित शाह पूरा वंदेमातरम गीत गाकर सुना दें।

बघेल ने भाजपा और RSS पर सवाल उठाते हुए कहा कि वंदेमातरम गाते हुए किस भाजपा नेता ने लाठियां या गोलियां खाईं, इसका उदाहरण बताया जाए। उन्होंने RSS को भी चुनौती देते हुए कहा कि अगर वह वंदेमातरम को लेकर गंभीर है तो ‘नमस्ते सदा वत्सले’ की जगह वंदेमातरम गाना शुरू करे। बघेल ने कहा कि वंदेमातरम कौन गाता था और आजादी के आंदोलन में लाठियां कौन खाता था और जेल कौन जाता था, यह इतिहास में दर्ज है।

अयोध्या मामले पर जांच की मांग

भूपेश बघेल ने अयोध्या मामले को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने शिला पूजन से लेकर चढ़ावे की कथित चोरी तक की जांच की मांग की। बघेल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अयोध्या का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अयोध्या का मामला केवल राज्य का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय मुद्दा है। बघेल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लोकसभा में इस मुद्दे पर चर्चा से डर रही है।

अरुणाचल प्रदेश में घुसपैठ के मुद्दे को भी उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला बताया।

ई-20 पेट्रोल पर सरकार को घेरा

ई-20 पेट्रोल को लेकर भूपेश बघेल ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार खुद मिलावट कर रही है और इसका असर जनता की जेब पर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि श्व20 के नाम पर जनता पर आर्थिक बोझ डाला जा रहा है।

स्कूलों में साइकिल और मिड-डे मील की गुणवत्ता पर सवाल

भूपेश बघेल ने साय सरकार पर स्कूली छात्रों को घटिया गुणवत्ता की साइकिलें देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि स्कूलों में मिलने वाले मिड-डे मील की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

बघेल ने दावा किया कि छत्तीसगढ़ में लगातार स्कूल बंद किए जा रहे हैं और साय सरकार के कार्यकाल में करीब 10 हजार स्कूल बंद होने का आरोप लगाया।

सरकार पर राजनीतिक तंज

बघेल ने अपने बयान में सरकार और भाजपा नेताओं पर राजनीतिक तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि ‘जैन जी और जैन अल्फा के बीच लड़ाई चल रही है’ और आरोप लगाया कि इनके सपने में भी वही आ रहे हैं।

प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली सरकार सख्त, नियमों का उल्लंघन करने वाली 106 औद्योगिक इकाइयों पर कार्रवाई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी के लोगों को स्वच्छ और स्वस्थ हवा उपलब्ध कराने के लिए प्रदूषण के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर रही है। सरकार ने औद्योगिक इकाइयों से होने वाले वायु प्रदूषण की निगरानी बढ़ा दी है और पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत, जनवरी से जुलाई, 2026 के बीच 2,011 औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निरीक्षण के दौरान 106 इकाइयां निर्धारित पर्यावरण मानकों का पालन करती नहीं पाई गईं, जबकि 78 इकाइयां दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) से 'संचालन की वैध सहमति' (सीटीओ) के बिना चल रही थीं। इन निरीक्षणों के बाद नियमों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के खिलाफ सरकार ने कार्रवाई भी की है। 44 मामलों में पर्यावरण जुर्माना लगाया गया है, जबकि नियमों का पालन नहीं करने वाली 33 औद्योगिक इकाइयों को बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। अन्य मामलों में भी संबंधित पर्यावरण कानूनों और नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ हवा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। सरकार पर्यावरण नियमों का पालन करने वाले उद्योगों को हर संभव सहयोग देगी, लेकिन नियमों का उल्लंघन करने वाली या दिल्ली की हवा को प्रदूषित करने वाली इकाइयों के प्रति कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। हमारा उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि प्रदूषण के स्रोत पर ही प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करना है। सरकार का अभियान केवल औद्योगिक प्रदूषण तक सीमित नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण के अन्य प्रमुख स्रोतों के खिलाफ भी कार्रवाई की

जा रही है, जिनमें सड़क की धूल, वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियां, कचरा जलाना और अन्य प्रदूषणकारी गतिविधियां शामिल हैं। साथ ही, औद्योगिक उत्सर्जन की नियमित और जमीनी स्तर पर निगरानी को मजबूत किया गया है ताकि प्रदूषणकारी गतिविधियों की समय पर पहचान करके कार्रवाई की जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। इस मुहिम में दिल्ली के नागरिक भी अहम भागीदार हैं। अगर लोगों को कहीं औद्योगिक प्रदूषण, कचरा या दूसरी चीजें खुले में जलाने, धूल से होने वाले प्रदूषण, कचरा गैर-कानूनी तरीके से फेंकने या पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी गतिविधि के बारे में पता चले, तो उन्हें इसकी जानकारी सरकार को देनी चाहिए। किसी नागरिक की एक जिम्मेदार रिपोर्ट प्रदूषण फैलाने वालों की तेजी से पहचान करने और समय पर कार्रवाई करने में मदद कर सकती है।

नागरिक ऐसी गतिविधियों की रिपोर्ट 'ग्रीन दिल्ली' ऐप या 'एमसीडी 311' ऐप के जरिए कर सकते हैं। सरकार का मानना ??है कि नागरिकों से मिलने वाली सही और भरोसेमंद जानकारी प्रदूषण से जुड़े नियमों के उल्लंघन की पहचान करने और उनके खिलाफ तेजी से कार्रवाई करने में अहम भूमिका निभा सकती है। दिल्ली सरकार अपने प्रदूषण की निगरानी और नियमों को लागू करने के सिस्टम को और बेहतर बनाने के लिए निरीक्षण के तरीकों, टेक्नोलॉजी-आधारित निगरानी, अलग-अलग सरकारी एजेंसियों के बीच तालमेल और नागरिकों की भागीदारी को मजबूत कर रही है। इसका मकसद यह पक्का करना है कि पर्यावरण से जुड़े नियमों के उल्लंघन की पहचान होते ही संबंधित एजेंसियां ??तेजी से कार्रवाई कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में साफ हवा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की कोशिशें जारी रहेंगी। हमारा संदेश साफ है कि जो उद्योग पर्यावरण से जुड़े नियमों का पालन करेंगे, उन्हें मदद और सुविधा मिलेगी, लेकिन जो उद्योग दिल्ली की हवा को प्रदूषित करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। दिल्ली सरकार साफ हवा के लिए चल रही लड़ाई को एक जन-आंदोलन बनाना चाहती है, जिसमें सरकार, उद्योग और नागरिक मिलकर काम करें। सामूहिक प्रयासों से दिल्ली एक साफ, स्वस्थ और हरी-भरी राजधानी बनने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

पाकिस्तान के अमेरिकी डिप्लोमैट को तलब करने पर भारतीय विदेश मंत्रालय बोला- पाक की बौखलाहट पर टिप्पणी की जरूरत नहीं

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर के दौरे पर ऐसा बयान दिया, जिससे पाकिस्तान की बौखलाहट बढ़ गई। गोर ने श्रीनगर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की और जम्मू-कश्मीर को भारत का हिस्सा बताया।

सर्जियो गोर के जम्मू-कश्मीर वाले बयान के तुरंत बाद पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में अमेरिकी डिप्लोमैट को तलब किया। इसे लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, 'मुझे पाकिस्तान की निराशा पर टिप्पणी करने की कोई वजह नहीं दिखती। मुझे यही कहना है।

हाल ही में भारतीय सचिव श्रीप्रिया रंगनाथन ने फिलिस्तीन का तीन दिवसीय दौरा किया। इस दौरे को लेकर विदेश मंत्रालय के

प्रवक्ता ने कहा, 'हमारी सचिव के फिलिस्तीन दौरे के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि हम इस खास दौरे पर संदेश, रिलीज और बयान जारी कर रहे हैं। वह 18 से 20 अगस्त तक फिलिस्तीन गईं, इसलिए यह तीन दिन का दौरा था। वह दूसरे अधिकारियों के साथ रामल्लाह गईं और फिलिस्तीन के प्रधानमंत्री से मिलीं। उन्होंने फिलिस्तीन के विदेश मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, श्रम मंत्री और शिक्षा मंत्री के साथ उच्च स्तरीय बैठकें भी कीं। 'इसके अलावा, विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि यमन और सोमालिया में समुद्री डाकुओं ने दो जहाजों को हाईजैक कर लिया है, जिनमें भारतीय नागरिक सवार हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा, 'ये दो जहाज हैं, जिन पर दूसरे देश का झंडा लगा है। जहाज पर 22 भारतीय नागरिक हैं, एक जहाज पर 16 और दूसरे पर 6। उन्होंने आगे कहा कि हमें अब तक जो पता चला है, वह यह है कि जहाज पर सवार हमारे सभी 22 नागरिक सुरक्षित हैं। हम इस मामले में संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं ताकि हम अपने लोगों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित कर सकें।

अरिहा मामले को लेकर उन्होंने कहा, 'अरिहा शाह केस पर, मेरे पास इस खास मामले पर कोई अपडेट नहीं है, लेकिन मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि हम उनकी कॉन्सुलर जरूरतों का ध्यान रख रहे हैं और दूतावास इस खास मामले पर उनके और जर्मन अधिकारियों के संपर्क में है।

कर्नाटक : अपार्टमेंट मालिकों और निवासियों के अधिकारों की सुरक्षा की पहल, विधानसभा में नया विधेयक पेश

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों के हितों की रक्षा और उन्हें स्पष्ट कानूनी अधिकार देने के उद्देश्य से कर्नाटक अपार्टमेंट (स्वामित्व एवं प्रबंधन) विधेयक, 2026 विधानसभा में पेश किया है। यह जानकारी बेंगलुरु विकास मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने शुक्रवार को दी।

विधानसभा में विधेयक पेश करते हुए मंत्री ने कहा कि यह कानून कर्नाटक में तेजी से बढ़ रही अपार्टमेंट संस्कृति से जुड़ी समस्याओं जैसे निवासियों के बीच विवाद, प्रशासनिक भ्रम और बिल्डरों से जुड़े विवादित मामलों का समाधान करने के लिए लाया गया है।

उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे शहरों का विस्तार हो रहा है, जमीन सीमित और मूल्यवान संसाधन बनती जा रही है। इसी कारण बड़ी संख्या में लोग अपार्टमेंट में रहना पसंद कर रहे हैं। लेकिन, 1972-73 के पुराने कानूनों और रेरा के तहत मौजूदा व्यवस्था आज की जरूरतों के अनुसार उभर रही जटिल समस्याओं का समाधान करने में पर्याप्त नहीं रही है। मंत्री ने कहा कि स्पष्ट और व्यापक कानूनी ढांचे की कमी के कारण कई समस्याएं बार-बार सामने आती रही हैं। कई अपार्टमेंट परिसरों में दो या तीन अलग-अलग एसोसिएशन पंजीकृत हैं, जिससे निवासियों के बीच विवाद पैदा होते हैं। इसके अलावा, सामान्य उपयोग वाले क्षेत्रों, सड़कों और परिसर की दीवारों के स्वामित्व और नियंत्रण को लेकर बिल्डरों और निवासियों के बीच लगातार विवाद बने रहते हैं। पुराने और जर्जर अपार्टमेंट भवनों के पुनर्विकास के लिए भी कोई स्पष्ट कानूनी व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस विधेयक का मसौदा अपार्टमेंट निवासियों और अन्य संबंधित पक्षों से व्यापक चर्चा के बाद तैयार किया गया है। जब डीके शिवकुमार उपमुख्यमंत्री थे, तब अपार्टमेंट निवासियों के साथ पहली बैठक हुई थी। इसके बाद करीब दो महीने पहले एक और बैठक आयोजित की गई। निवासियों के सुझावों और प्रतिक्रियाओं को मसौदे में शामिल किया गया और फिर इसे सार्वजनिक सुझावों के लिए भी जारी किया गया।

उन्होंने कहा, 'जनता से मिले सुझावों पर विचार करने के बाद अब एक व्यापक और परिपक्व विधेयक तैयार कर विधानसभा में पेश किया गया है।

प्रत्येक अपार्टमेंट प्रोजेक्ट में केवल एक पंजीकृत रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन होगी। एक ही अपार्टमेंट प्रोजेक्ट के लिए अन्य कानूनों के तहत अलग-अलग एसोसिएशन बनाने की अनुमति नहीं होगी। बिल्डर अपार्टमेंट प्रोजेक्ट के सामान्य क्षेत्रों, सड़कों और खुले स्थानों को निजी तौर पर बेच, हस्तांतरित या उनमें बदलाव नहीं कर सकेंगे। इन साझा क्षेत्रों का प्रबंधन और रखरखाव निवासी एसोसिएशन को सौंपना अनिवार्य होगा।

छात्रों के लिए शुरू होगी कैरियर काउंसलिंग हेल्प डेस्क: शिवराज सिंह चौहान

विश्व केसरी ■

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के विदिशा संसदीय क्षेत्र से सांसद शिवराज सिंह चौहान ने ऐलान किया है कि छात्रों की कैरियर काउंसलिंग के लिए हेल्प डेस्क शुरू की जाएगी । विदिशा संसदीय क्षेत्र के बुधनी विधानसभा क्षेत्र के शाहगंज में प्रेम-सुंदर फाउंडेशन द्वारा आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में शिवराज सिंह चौहान ने 10वीं के टॉपर्स और 12वीं में सभी विषयों के टॉपर्स सहित कुल 30 मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप प्रदान कर सम्मानित किया।

सम्मानित होने वालों में एमपी बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड के विद्यार्थी शामिल रहे। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि पढ़ाई के रास्ते में आने वाली छोटी-बड़ी बाधाओं को दूर करने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। 12वीं के बाद बच्चों के सामने अक्सर यह सवाल होता है कि कौन सा कोर्स करें और किस क्षेत्र में कैरियर बनाएं। इसके लिए क्षेत्र में कैरियर काउंसलिंग की व्यवस्था शुरू करने का विचार है, ताकि बच्चों को ढंग से सलाह दी जा सके, इसकी भी शुरुआत करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कॉलेज में प्रवेश लेने वाले

विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति को लेकर भी अहम घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों से 10वीं और 12वीं की पढ़ाई पूरी कर पहली बार कॉलेज के प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाली छात्राओं की मदद के लिए हेल्प डेस्क शुरू की जाएगी। हेल्प डेस्क पर कंप्यूटर और लैपटॉप की व्यवस्था रहेगी, जहां विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन भरने में मदद की जाएगी। हम स्कॉलरशिप के लिए आपसे आवेदन भरवाएंगे।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पढ़ाई में फीस, किताबों, आवागमन और अन्य छोटी-बड़ी जरूरतों के कारण किसी प्रतिभावान बच्चे की शिक्षा प्रभावित न हो, इसके लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को प्रदेश में लोग मामा कहकर पुकारते हैं और उसका जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनके लिए 'मामा' केवल एक संबोधन नहीं, बल्कि बच्चों के प्रति जिम्मेदारी, स्नेह और हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहने का भाव है। चौहान ने कहा, बेटा-बेटियों मामा तुम्हारे साथ है। मामा मतलब मां का आंचल और पिता का कंधा। दोस्तों जैसा साथी और जरूरत पड़े तो रास्ता दिखाने वाला शिक्षक भी। मामा यानी जो धूप में शीतल छांव बनकर खड़ा हो जाए।

मामा यानी बचपन की वो जिद, जिसे बिना किसी शर्त के पूरा करने की कोशिश की जाए। मामा यानी वो भरोसा कि जब कोई साथ न हो, तब भी एक कंधा हमेशा तुम्हारे साथ खड़ा रहे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महत्व बताते हुए कहा कि, आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और रोबोटिक्स जैसे विषय तेजी से भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं। मेरी कोशिश है कि इन नए विषयों की पढ़ाई हमारे अपने क्षेत्र में शुरू हो, ताकि हमारे बच्चों को बाहर भटकना न पड़े और वे यहीं पढ़-लिखकर भविष्य की नई तकनीकों में आगे बढ़ सकें।

जम्मू-कश्मीर की जामा मस्जिद का ऐतिहासिक मिंबर हमेशा लोगों के साथ खड़ा रहा है : मीरवाइज उमर फारूक

विश्व केसरी ■

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ धार्मिक नेता और मुख्य धर्मगुरु, मीरवाइज उमर फारूक ने श्रीनगर की जामा मस्जिद में जुमे का खुतबा (शुक्रवार का उपदेश) दिया।

उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक मिंबर (मस्जिद का ऊंचा मंच) हमेशा लोगों के अधिकारों के लिए खड़ा रहा है। मीरवाइज फारूक ने कहा कि लगभग दो हफ्ते की पाबंदियों के बाद एक बार फिर लोगों के बीच थे। पाबंदी के दौरान उन्हें जामा मस्जिद में जुमे का खुतबा देने से 'रोका' गया और नक्शबंद साहिब में 'ख्वाजा दिगर' की सभा

को संबोधित करने का मौका भी नहीं दिया गया था।

उन्होंने कहा कि लोगों के बीच रहने के हर मौके को वे 'अल्लाह की नेमत' मानते हैं, क्योंकि पाबंदियां और 'मिंबर की आवाज दबाने की कोशिशें, दुर्भाग्य से, अभी राज्य की नीति का हिस्सा' लगती हैं। यह समय धैर्य रखने और जैसे भी हो सके, अच्छे काम जारी रखने का है। मीरवाइज ने कहा कि पीढ़ियों से इस मिंबर ने लोगों को शिक्षित करने और समाज को धार्मिक और नैतिक आधार पर ढालने में अहम भूमिका निभाई है। इसने लोगों में न केवल उनके अधिकारों, बल्कि उनके कर्तव्यों के प्रति भी जागरूकता और समझ पैदा करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि जब भी जरूरत पड़ी, यह उनकी मजबूत आवाज बना, उनकी चिंताओं को सामने रखा और उनकी आकांक्षाओं की वकालत की। इसने समुदायों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा दिया है और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए मजबूती से आवाज उठाई है।

मीरवाइज ने कहा कि गतिविधियां हमेशा इस्लामी शिक्षाओं के अनुरूप शांतिपूर्ण, सिद्धांतों पर आधारित और गरिमापूर्ण रही हैं। टकराव के बजाय बातचीत और व्यक्तिगत मुद्दों के बजाय असल मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाली। उन्होंने कहा, 'इंशाअल्लाह, जब भी मौका मिलेगा, यह ऐसा ही करता रहेगा। यह मेरे पूर्वजों की विरासत है और जम्मू-कश्मीर के लोगों की साझा धरोहर है।

दिल्ली के करोल बाग में दो मंजिला इमारत गिरी, मलबे में दबकर मजदूर की मौत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली के करोल बाग इलाके में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ। रेगरपुरा में एक दो-मंजिला इमारत को अवैध तरीके से गिराए जाने के दौरान पूरा ढांचा अचानक ढह गया। इस हादसे में मलबे में दबकर एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह लगभग 11:15 बजे, बिल्डिंग नंबर 3512, प्यारे लाल रोड, रेगरपुरा, करोल बाग, दिल्ली की है। करोल बाग के रेगरपुरा इलाके में प्यारे लाल रोड पर स्थित इस पुरानी इमारत को गिराने का काम चल रहा था, तभी अचानक यह भरभराकर गिर गई।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि इमारत को मालिकों द्वारा नियुक्त एक प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर गिरा रहा था। पुलिस के मुताबिक संबंधित एजेंसी से इसे गिराने के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। बिना किसी सुरक्षा उपाय और बिना अनुमति के तोड़-फोड़ का काम किया जा रहा था।

इमारत गिराने का काम चल रहा था, तभी अचानक इमारत ढही और वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में फंस गए। सूचना मिलते ही करोल बाग पुलिस स्टेशन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। फायर सर्विस को भी बुलाया गया। इस घटना में कुल चार मजदूर प्रभावित हुए हैं। एक मजदूर शेख शमशाद की चोट के कारण मौत हो गई। उसका शव एलएचएमसी अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया गया है। दूसरा मजदूर मो. अयूब गंभीर रूप से घायल है। उसे सिर में गंभीर चोट और दाहिने हाथ में फ्रैक्चर आया है। उसे डॉ. आरएमएल अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। तीसरे मजदूर शेख सैदुल का इलाज जीवन माला अस्पताल में चल रहा है। चौथे मजदूर रफीक-उल को मामूली चोट आई और प्राथमिक उपचार के बाद वह अपने घर चला गया। पुलिस ने इस मामले में इमारत के मालिकों और कॉन्ट्रैक्टर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि तथ्यों की पुष्टि और इमारत गिरने की परिस्थितियों का आकलन करने के बाद उचित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /...34674..../ न. पा. नि. जोन क्रं - 2/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34674

वार्ड का नाम -14 - रमण मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR220F00297** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **LILAVATI / PRATAP KUMAR** पिता / पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **श्री प्रताप कुमार** मंथानी पिता / पति श्री श्रीमती **स्व. गोविन्द** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । पंजीकृत वसीयत नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे..

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर) जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /...34683..../ न. पा. नि. जोन क्रं - 2/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34683

वार्ड का नाम -14 - रमण मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR221A00402** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **GEETA CHAUHAN W/O JAYANTI LAL, AL, HITESH KUMAR, SATISH KUMAR S/O LATE. JAYANTI LAL CHAUHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **एकता जैन** पिता / पति श्री/श्रीमती **श्री मनोज जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे..

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर) जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /...34673..../ न. पा. नि. जोन क्रं - 2/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34673

वार्ड का नाम -वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR222A00304** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **MRS. RUKHMANI SHUKLA** पिता/ पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **1. श्री जितेन्द्र तिवारी** पिता **श्री रामप्रताप तिवारी** 2. **श्रीमती आभा तिवारी** पति श्री **जितेन्द्र तिवारी** पिता/पति श्री श्रीमती... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत वसीयत नामा वंशानुक्रम । अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति। संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा। आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे..

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर) जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /...34688..../ न. पा. नि. जोन क्रं - 2/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34688

वार्ड का नाम -13 राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR223A00086** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **AAYAL DAS** पिता / पति श्री / श्रीमती **ROCHAL DAS LALWANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री । श्रीमती श्री **दर्शन लाल लालवानी** पिता / पति श्री श्रीमती **स्व. श्री आयल दास लालवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत हक़ त्याग विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे..

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर) जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : : -
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /...34409..../ न. पा. नि. जोन क्रं - 7/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34409

वार्ड का नाम -23 शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR812D00276** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती PRABHAT SHARMA पिता / पति श्री श्रीमती LT. SHRI KRISHNA SHARMA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. **अजीजुर रहमान** पिता **अब्दुल अजीज** 2. **अब्दुल अतीकुर्र** पिता **अब्दुल अजीज** 3. **सफिकुर रहमान** पिता **अब्दुल अजीज** 4. **हफिजुर रहमान** पिता **अब्दुल अजीज** पिता / पति श्री श्रीमती...ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे..

(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : : -
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /...34646..../ न. पा. नि. जोन क्रं - 7/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34646

वार्ड का नाम -23 - शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR812F00641** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RAVISH AGRAWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **J.P. AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **ऋचा अग्रवाल** पिता/पति श्री/श्रीमती **विनय अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे..

(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : : -
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /...34638..../ न. पा. नि. जोन क्रं - 7/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34638

वार्ड का नाम -38 स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR715E00075** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **VYAS NARAYAN CHOUBEY** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE. JANAKI PRASAD CHOUBEY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **1. पार्थ चौबे पिता विजय चौबे 2. अनुषा चौबे पिता दीपक चौबे** पिता / पति श्री/श्रीमती....ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मृत्यु प्रमाण पत्र / वसीयत नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे..

(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : : -
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /...34651..../ न. पा. नि. जोन क्रं - 7/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34651

वार्ड का नाम -38 स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR15C00161** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SARASWATI DEVI BAGDI** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE MANGAL CHAND BAGDI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. **अनिरुद्ध बागड़ी** पिता **नंदकिशोर बागड़ी** 2. गौरव बागडी पिता **गिरिराज बागड़ी** पिता / पति श्री/श्रीमती ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । सपथ पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे..

(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

‘उचित कार्रवाई’; पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर अवैध ढांचों को गिराए जाने के बाद विदेश मंत्रालय

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को कहा कि नई दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर बने अनधिकृत ढांचों को गिराकर सरकार ने ‘उचित कार्रवाई’ की है। यह कदम तब उठाया गया जब पाकिस्तान ने भारत के अनुरोध को नहीं माना और इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के सामने पार्किंग के लिए बनाए गए ढांचों को हटा दिया।

नई दिल्ली में हर दो सप्ताह में होने वाली मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इसके जवाब में, भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तानी हाई कमीशन वाली गली में बने अस्थायी ढांचों को हटाकर ‘उचित कार्रवाई’ की।

जायसवाल ने कहा, ‘पाकिस्तान में, भारतीय हाई कमीशन के सामने पार्किंग के लिए बनाए गए कुछ ढांचों को हटा दिया गया था। हमारे मना करने के बावजूद, उन्होंने ऐसा किया। इसके जवाब में, हमने एक तरह से उचित कार्रवाई की। यहां पाकिस्तानी हाई कमीशन वाली गली में कुछ अस्थायी ढांचे थे, और हमने उन्हें हटा दिया... ‘

अधिकारियों ने बताया कि यह बयान तब आया जब अधिकारियों ने नई दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर बने ढांचों के एक हिस्से को गिरा दिया, क्योंकि वे मिशन की मंजूर सीमा से बाहर बने हुए थे।

संबंधित एजेंसियों ने जेसीबी मशीन की मदद से परिसर के बाहर गली में बने ढांचों और बैरिकेड्स को हटा दिया। इसमें वीजा सेक्शन के पास लाइन को व्यवस्थित करने के लिए लगाए गए इंतजामों को हटाना भी शामिल था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अधिकारियों ने पाकिस्तान हाई कमीशन के चारों ओर लगे ट्रैफिक बोलार्ड और बैरिकेड्स भी हटा दिए, जिससे मिशन के आस-पास की बाहरी सुरक्षा घेराबंदी प्रभावी रूप से खत्म हो गई।

यह कार्रवाई इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के बाहर लगी सुरक्षा बैरिकेडिंग को पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा हटाए जाने के तीन दिन बाद की गई।

यह कदम बुधवार को भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की जम्मू-कश्मीर की पहली यात्रा के दौरान उठाया गया, जिसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका केंद्र शासित प्रदेश की यात्रा के बारे में अपनी सलाह पर फिर से विचार करेगा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को ‘भारत का एक अहम हिस्सा’ भी बताया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद अमेरिकी राजदूत ने कहा, ‘यहां आकर खुशी हुई। अमेरिका जम्मू-कश्मीर की यात्रा के बारे में अपनी सलाह पर फिर से विचार करेगा। यह भारत का एक अहम हिस्सा है।’

बॉम्बे प्रेसीडेंसी रेडियो क्लब का फूड लाइसेंस निलंबित

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने गंभीर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी अनियमितताएं पाए जाने के बाद दक्षिण मुंबई के कोलाबा स्थित द बॉम्बे प्रेसीडेंसी रेडियो क्लब लिमिटेड का फूड बिजनेस लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

एफडीए की यह कार्रवाई महाराष्ट्र के खाद्य सुरक्षा आयुक्त तुकाराम मुंढे (आईएएस) के मार्गदर्शन में की गई। 19 अगस्त 2026 को किए गए निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक नियम एवं विनियम, 2011 (शेड्यूल-4) के अनेक गंभीर उल्लंघन पाए गए। एफडीए के अनुसार, रसोईघर के विभिन्न हिस्सों में मक्खियों का व्यापक प्रकोप पाया गया। इसके अलावा एक मृत कॉकरोच मिला और बर्तन धोने वाले क्षेत्र के पास खुले में कॉकरोच ट्रैप रखे हुए पाए गए, जिससे खाद्य पदार्थों के दूषित होने का खतरा था।

मोहन भागवत अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा का करेंगे दौरा

विश्व केसरी

विशाखापत्तनम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत का अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम का प्रस्तावित दौरा भारत, हिंदुओं और संघ के बारे में फैले दुष्प्रचार और गलतफहमियों का जवाब देने के लिए है। आरएसएस के एक वरिष्ठ नेता ने शुक्रवार को यह बात कही।

आरएसएस के संयुक्त महासचिव सी.आर. मुकुंद ने विशाखापत्तनम के पास गुदिलोवा में शुक्रवार को खत्म हुई आरएसएस और उससे जुड़े संगठनों की तीन दिन की अखिल भारतीय समन्वय बैठक के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए भागवत के दौरों के बारे में बताया।

यह दौरा आरएसएस के शताब्दी वर्ष में उसके वैश्विक स्तर पर पहुंचने की कोशिशों का हिस्सा है। सी.आर. मुकुंद ने कहा कि वे अलग-अलग देशों के समाजों तक पहुंच रहे हैं और भारत, हिंदुओं और आरएसएस के बारे में सकारात्मक बातें फैला रहे हैं। आरएसएस प्रमुख के तीन देशों के दौरे के तीन मुख्य उद्देश्य हैं। पहला उद्देश्य भारत, हिंदू समाज और आरएसएस के बारे में दुनिया भर में फैली गलतफहमियों

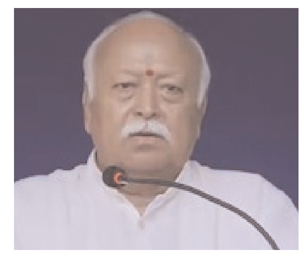

और दुष्प्रचार के बीच एक तथ्यात्मक और सकारात्मक नजरिया पेश करना है। दूसरा उद्देश्य दुनिया भर के अलग-अलग समाजों तक ‘वसुधैव कुटुंबकम’ और वैश्विक एकता का संदेश पहुंचाना है, जिसे भारत के प्राचीन ऋषियों ने बताया था। वहीं, तीसरा उद्देश्य अलग-अलग देशों में रहने वाले हिंदुओं और भारतीय मूल के लोगों के हितों और अधिकारों के बारे में वहां के मुख्यधारा के समाजों के साथ बातचीत को बढ़ावा देना है।

मोहन भागवत न्यूयॉर्क में ‘यूनिवर्सल वननेस’ (वैश्विक एकता) कार्यक्रम के साथ-साथ टोरंटो और लंदन में सामुदायिक नेतृत्व कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे।

वहीं, अखिल भारतीय समन्वय बैठक में आरएसएस प्रमुख भागवत, आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और संघ और उससे प्रेरित संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए। यह बैठक हर साल होती है। बुलाए गए 326 प्रतिनिधियों में से 306 (जिनमें 49 महिलाएं शामिल थीं) ने इस तीन दिन के कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

मुकुंद ने बताया कि देश और समाज की मौजूदा स्थिति, अलग-अलग संगठनों द्वारा किए जा रहे काम, उनके अनुभव, भविष्य की चुनौतियों और आने वाली कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान किए गए सामुदायिक सेवा और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की गई। असम में आई भीषण बाढ़ के दौरान राष्ट्रीय सेवा भारती, भारतीय किसान संघ, नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन (एनएमओ), आरोग्य भारती और भाजपा जैसे विभिन्न संगठनों और कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए राहत और पुनर्वास कार्यों के बारे में जानकारी साझा की गई। बैठक में भारतीय नजरिए पर आधारित विकास मॉडल पर भी चर्चा की गई। आर्थिक क्षेत्र में काम करने वाले संगठनों के अनुभवों पर चर्चा की गई ताकि यह पक्का किया जा सके कि विकास आत्मनिर्भर, पर्यावरण के अनुकूल और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाला हो।

सरकार जेनजी की आवाज और छात्र आंदोलन से भयभीत : नाना पटोले

विश्व केसरी

नागपुर। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने राहुल गांधी के राजनीतिक कार्यक्रमों, पुणे के कार्यक्रम और पंजाब में पार्टी की एकता की कोशिशों और वंदे मातरम पर चल रहे विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की। उन्होंने कहा कि भाजपा और मोदी सरकार जेनजी की आवाज और छात्र आंदोलन से भयभीत है।

पुणे में राहुल गांधी के प्रस्तावित 22 अगस्त को ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम को लेकर महाराष्ट्र के सीएम ने कहा है कि कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बच्चों को प्रवेश दिया जा रहा है। इस पर कांग्रेस नेता नाना पटोले ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, ‘मुझे लगता है कि देवेंद्र

फडणवीस असल में राहुल गांधी के ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम में मदद कर रहे हैं, जो कल पुणे में होने वाला है। उन्हें लगता है कि वहां सिर्फ कांग्रेस की विचारधारा वाले स्कूलों और कॉलेजों के छात्र ही आएंगे, लेकिन वे गलतफहमी में हैं। वहां मैदान की क्षमता से दस गुना ज्यादा छात्र आने वाले हैं। अभी छात्रों में राहुल गांधी के प्रति बहुत आकर्षण है, और बड़ी संख्या में लोग छात्रों के बारे में राहुल गांधी के विचार सुनने आएंगे।

हिमंता बिस्व सरमा ने प्रह्लाद जोशी से की मुलाकात

विश्व केसरी

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के साथ बैठक की और राज्य से संबंधित विकास के कई प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की, जिनमें शिक्षा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और नवीकरणीय ऊर्जा शामिल हैं।

मुख्यमंत्री सरमा ने जोशी के साथ हुई बैठक को ‘बेहद फलदायी’ बताया और कहा कि चर्चा में असम के लिए कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं को शामिल किया गया।

एक्स पर एक पोस्ट में असम के मुख्यमंत्री ने राज्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और निरंतर समर्थन के लिए केंद्रीय मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री सरमा ने पोस्ट में कहा, ‘केंद्रीय

मंत्री प्रह्लाद जोशी के साथ बहुत ही सार्थक बैठक हुई।’ उन्होंने बताया कि चर्चा में असम के लिए शिक्षा, खाद्य और नागरिक आपूर्ति के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।

यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि असम विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवा वितरण को मजबूत करने के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम करना जारी रखे हुए है।

शिक्षा राज्य के लिए एक प्रमुख फोकस क्षेत्र बना हुआ है, विशेष रूप से छात्रों और युवाओं के लिए शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और अवसरों में सुधार करने के संदर्भ में। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसमें नागरिकों को आवश्यक वस्तुओं और कल्याणकारी सेवाओं की आपूर्ति शामिल है। इस क्षेत्र में होने वाली चर्चाओं से आपूर्ति प्रणालियों को सुदृढ़ करने और योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के प्रयासों को समर्थन मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान चर्चा किए गए प्रमुख विषयों में नवीकरणीय ऊर्जा को भी एक महत्वपूर्ण विषय के रूप में उजागर किया। असम अपनी बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करते हुए स्वच्छ ऊर्जा क्षमता का विस्तार करने और सतत विकास को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री सरमा की टिप्पणियों से विकास प्राथमिकताओं पर केंद्र सरकार के साथ निरंतर समन्वय को राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाले महत्व का पता चलता है।

‘शिक्षा का राजनीतिकरण ठीक नहीं’ एनसीईआरटी विवाद पर पूर्व अधिकारी वेद प्रकाश

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कक्षा 11वीं और 12वीं की पॉलिटिकल साइंस की एनसीईआरटी टेक्स्ट बुक टीम के पुनर्गठन को लेकर उठ रहे राजनीतिक सवालों के बीच एनसीईआरटी के पूर्व अधिकारी वेद प्रकाश ने शिक्षा के कथित राजनीतिकरण पर अपनी राय रखी है। टीम के कुछ सदस्यों के आरएसएस और एबीवीपी से कथित जुड़ाव को लेकर उठ रहे सवालों पर वेद प्रकाश ने कहा कि किसी विशेषज्ञ की पहचान उसके राजनीतिक या वैचारिक जुड़ाव से नहीं, बल्कि संबंधित विषय में उसके शोध, अनुभव और योगदान से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पाठ्यपुस्तक तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन सीधे तौर पर नहीं होता, बल्कि इसके पीछे एक निर्धारित

प्रक्रिया होती है। ऐसे में केवल किसी सदस्य के किसी संगठन से जुड़े होने के आधार पर पूरी समिति या उसके तैयार किए जाने वाले कंटेंट पर सवाल उठाना उचित नहीं है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप कक्षा 3 से 12वीं तक की किताबों के क्रियान्वयन के लिए एक उच्चस्तरीय समिति बनाई गई है। इसके परामर्श के बाद एनसीईआरटी का संबंधित विभाग, जैसे सोशल साइंस विभाग, विशेषज्ञों से सलाह लेकर समूह तैयार करता है।

टीकमगढ़ के जिला पंजीयक निलंबित, लापरवाही का आरोप

विश्व केसरी

टीकमगढ़। मध्य प्रदेश में योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने और आम लोगों की समस्या को करीब से समझने के लिए शुरू किए गए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में कई खामियां सामने आ रही है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने टीकमगढ़ प्रवास के दौरान लापरवाही सामने आने पर सहकारिता विभाग के जिला पंजीयक को निलंबित कर दिया है। राज्य में हर शुक्रवार को मुख्यमंत्री सहित मंत्री और अधिकारी विभिन्न इलाकों का दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव टीकमगढ़ पहुंचे। मुख्यमंत्री यादव ने

जन विश्वास अभियान के अंतर्गत टीकमगढ़ में सीएम हेल्पलाइन के शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कार्य में लापरवाही बरतने पर जिला पंजीयक सहकारिता एसके कौशिक को निलंबित करने के निर्देश दिए। दयाराम लोधी की मां रानीबाई की मृत्यु होने पर सहकारी बैंक की मवई शाखा द्वारा नॉमिनी के खाते में राशि अंतरित नहीं किये जाने की शिकायत पर उक्त कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा है कि सभी विभागीय अधिकारी सतत रूप से फील्ड भ्रमण कर विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लें। स्थानीय स्तर पर जनता की शिकायतों का समय सीमा में प्रभावी निराकरण किया जाये। क्षेत्र विशेष में मिलने वाली शिकायतों का भी समुचित निराकरण सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री यादव ने शिकायतकर्ता महेश प्रसाद लोधी, कमलेश नामूलिया, दयाराम लोधी, कालीचरण सिंह राजपूत और हरिराम विश्वकर्मा से संवाद किया और उनके प्रकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

बृजभूषण सिंह ने मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री की आलोचना की

विश्व केसरी

गोंडा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने नकली घी और तेल समेत मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री की आलोचना की और सरकार से इनके कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

दरअसल, बृजभूषण शरण सिंह महाराष्ट्र में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर अन्न एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की पुणे में बड़ी कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ जब्त किए जाने पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। भाजपा नेता और पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान, ‘अगर मिलावटी खाद्य पदार्थों के

खिलाफ कार्रवाई की जाती है और अगर सच में कार्रवाई होती है तो पूरे देश में हंगामा मच जाएगा, क्योंकि शुद्धता के नाम पर अब शायद ही कुछ बचा है। ’ भाजपा नेता ने देश में दूध उत्पादन पर तंज कसते हुए कहा कि जहां तक दूध की बात है, आज हमारे देश के भीतर उतना ही दूध है कि दो चम्मच बड़े बेटे और एक चम्मच छोटे बेटे के हिस्से में आएगा।

ओडिशा में छह आईपीएस अधिकारियों का तबादला हिमांशु लाल बने ईओडब्ल्यू और एसटीएफ के आईजी

विश्व केसरी

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए छह आईपीएस अधिकारियों के तबादले और नई पोस्टिंग का आदेश जारी किया है। गृह विभाग द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, राज्य के कई महत्वपूर्ण रेंज और विभागों में नई नियुक्तियां की गई हैं।

जारी आदेश के मुताबिक, हिमांशु कुमार लाल, जो अब तक आईजी पुलिस, नॉर्दर्न रेंज, संबलपुर के पद पर तैनात थे, उन्हें अब आईजी पुलिस, इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), भुवनेश्वर के पद पर नियुक्त किया गया है। ईओडब्ल्यू

और एसटीएफ राज्य के दो सबसे अहम जांच विंग माने जाते हैं, जहां आर्थिक अपराध और संगठित अपराध से जुड़े मामलों की जांच होती है। इसी तरह सत्यब्रत भोई, जो आईजी पुलिस, नॉर्थ सेंट्रल रेंज, तालचेर के साथ-साथ पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज (पीटीसी), अंगुल के प्रिंसिपल का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे, उन्हें अब आईजी पुलिस, इंटेलिजेंस के पद पर नियुक्त किया गया है। इंटेलिजेंस विंग राज्य की आंतरिक सुरक्षा और खुफिया जानकारी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। जय नारायण पंकज, जो अब तक आईजी पुलिस, इंटेलिजेंस, भुवनेश्वर के पद पर थे, उनका तबादला कर उन्हें आईजी पुलिस, सदर्न रेंज, ब्रह्मपुर के पद पर तैनात किया गया है। वहीं नीति शेखर, जो सदर्न रेंज, ब्रह्मपुर के आईजी थे, अब आईजी पुलिस (प्रोविजनिंग), एसपी मुख्यालय के तौर पर काम संभालेंगे। प्रोविजनिंग विंग पुलिस के लॉजिस्टिक्स और संसाधनों की आपूर्ति से जुड़ा होता है। इसके अलावा चरण सिंह मीणा, जो डीआईजी पुलिस, प्रोविजनिंग के पद पर थे, उन्हें प्रमोशन के साथ डीआईजी पुलिस, नॉर्दर्न रेंज, संबलपुर के पद पर तैनात किया गया है।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने किया नमो भारत कॉरिडोर का दौरा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के राज्य मंत्री अजय टम्टा ने शुक्रवार को दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने देश की आधुनिक क्षेत्रीय परिवहन व्यवस्था का अनुभव लेने के साथ यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, विभिन्न परिवहन साधनों के बीच कनेक्टिविटी और संचालन में इस्तेमाल की जा रही अत्याधुनिक तकनीकों का जायजा लिया।

उन्होंने नमो भारत कॉरिडोर को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, सुगम यातायात और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। मंत्री का दौरा सराय काले खां नमो भारत स्टेशन से शुरू हुआ। यहां एनसीआरटीसी के

डायरेक्टर (वर्क्स) के नेतृत्व में अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने उनका स्वागत किया।

अधिकारियों ने उन्हें 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर की विशेषताओं, उन्नत तकनीक, स्टेशन सुविधाओं, टिकटिंग के विभिन्न विकल्पों और इंटरऑपरेबिलिटी मॉडल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सराय काले खां स्टेशन पर मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट इंटीग्रेशन की व्यवस्था भी दिखाई गई। अधिकारियों ने बताया कि स्टेशन को अलग-अलग सार्वजनिक परिवहन साधनों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि यात्रियों को एक माध्यम से दूसरे माध्यम तक पहुंचने में आसानी हो। इसके अलावा, सराय काले खां नमो भारत स्टेशन को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से जोड़ने वाले फुट ओवरब्रिज की जानकारी भी मंत्री को दी गई। यात्रियों की सुविधा के लिए इस फुट ओवरब्रिज पर ट्रैवलेटर की व्यवस्था की गई है, जिससे दोनों स्टेशनों के बीच इंटरचेंज अधिक सुविधाजनक हो गया है।

इसके बाद अजय टम्टा ने भारत की पहली नमो भारत ट्रेन में सराय काले खां से मुरादनगर तक यात्रा की। यात्रा के दौरान उन्होंने ट्रेन में उपलब्ध आधुनिक यात्री सुविधाओं का अनुभव लिया और यात्रियों से सीधे बातचीत भी की। बातचीत के दौरान कॉलेज छात्रों ने बताया कि नमो भारत ट्रेन से उनका रोजाना का सफर पहले की तुलना में तेज और सुविधाजनक हुआ है। यात्रा के समय में भी काफी बचत हो रही है। यात्रियों ने भविष्य में विकसित होने वाले नमो भारत कॉरिडोर को लेकर भी अपनी रुचि जाहिर की।

भारत-इजरायल संबंधों का आधार छह साझा मूल्य ये बेहद खास : इजरायली राजदूत रूवेन अजार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने छह ऐसे मूल्यों का जिक्र किया है जो दोनों देशों के संबंधों को नया आयाम देते हैं और इन्हें और करीब लेकर आते हैं। ग्रीस में नवनियुक्त इजरायली राजदूत पनिनत यानाय की भारतीय समकक्ष रवि शंकर से हुई शिष्टाचार मुलाकात की पोस्ट को री शेयर करते हुए इजरायली राजदूत ने विशेष और अनूठे मूल्यों/स्तंभों का जिक्र किया।

एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, ‘भारत और इजरायल के बीच संबंध बेहद विशेष और अनूठे हैं। जब मैंने विचार किया कि आखिर इस रिश्ते को इतना असाधारण क्या बनाता है, तो मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा

कि यह छह मूलभूत साझा मूल्यों पर आधारित है।’ उनके मुताबिक पहला मूल्य सभ्यतागत दृढ़ता और राष्ट्रीय पुनर्जागरण का है। रूवेन ने कहा, ‘सदियों तक हमारी सभ्यताओं को विदेशी शक्तियों के हमलों का सामना करना पड़ा। हमारी पहचान को निशाना बनाया गया और इतिहास के विभिन्न दौर में हमें हमारी पहचान से वंचित करने के प्रयास किए गए। लेकिन हजारों वर्षों में झेली गई तमाम कठिनाइयों के बावजूद हम जीवित रहे और हमारी पहचान भी कायम रही। यह ऐसी बात है जो भारत और इजरायल को एक-दूसरे से जोड़ती है। हम दोनों आधुनिक राष्ट्र हैं, जो अपनी व्यक्तिगत और राष्ट्रीय पहचान को पुनर्जीवित तथा मजबूत कर रहे हैं।’ इजरायली दूत ने फिर उस मूल्य की बात की जो दोनों देशों को आतंकवाद के खिलाफ डटे रहने की हिम्मत देता है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में उग्रवाद की एक लहर का सामना करना पड़ रहा है, विशेष रूप से कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद का, जो हमारे देशों के लिए खतरा है और इजरायल के मामले में तो उसके अस्तित्व के लिए ही चुनौती है।

संपादकीय

छात्रों का आन्दोलन और तंत्र

मनोज सिंह, बस्ती

झारखंड में जे पी एस सी और अन्य महत्वपूर्ण परीक्षाओं की धाधली और भ्रष्टाचार को लेकर चल रहे आंदोलन में तमाम छात्रों को तकलीफों का सामना भूख हड़ताल , धूप और बारिश की परेशानी तथा लाठीचार्ज और आंसू गैस, वाटर कैनन के दौर से गुजर कर कई दिनों की कठिन तपस्या के बाद सीआईडी की जांच के लिए झारखंड सरकार को ना चाहते हुए आंदोलनकारी छात्रों की मांगों को मनाना पड़ा इस कदम से जहां एक तरफ भ्रष्टाचार की बलि चढ़ने वाले छात्रों को न्याय की उम्मीद जगी वही आम जनमानस को भी सुकून मिला भ्रष्टाचार के मामले पर निष्पक्ष जांच होकर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले अच्छी बात है

झारखंड सरकार पहले तो छात्रों की जायज मांग को भी नहीं मान रही थी ऐसा तानाशाही सभी सरकारें करती हैं इसका उदाहरण दिल्ली के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और निष्पक्ष जांच केंद्र सरकार ने तब माना जब पानी उनके सर के ऊपर बहाने की स्थिति आ गई सरकारे जब जन आंदोलन के दबाव में आती हैं तो जायज के साथ नाजायज मांगों को भी मान लेती है इसका उदाहरण तत्कालीन झारखंड सरकार द्वारा पूर्व में नियुक्त छात्रों की नियुक्तियों को बिना निष्पक्ष जांच करायें सभी की नियुक्तियों को झारखंड सरकार ने निरस्त कर दिया यह कहां तक उचित है ?

इस बात से इनकार भी नहीं किया जा सकता की झारखंड में जेपीएससी की परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर धाधली हुआ लेकिन इसका यह मतलब नहीं है की सभी छात्र भ्रष्टाचार के ही रास्ते महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचे हैं

झारखंड में बहुत से प्रतिभावान छात्र जो किसी अन्य साधारण पद पर प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करके अपना दायित्व निभा रहे थे साथ ही देश की अन्य महत्वपूर्ण पदों के लिए अपनी प्रतिभा के बल पर एक तरफ सरकारी सेवा में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे या प्राइवेट अपना काम कर रहे थे साथ में कठिन परिश्रम करके अपने व्यस्ततम समय में तैयारी भी कर रहे थे जिसका प्रतिफल बहुत से छात्रों को मिला और वह कठिन परीक्षाओं को पास करके महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचे वही कुछ छात्र भ्रष्टाचारियो की नाव में बैठकर उस पद तक पहुंच गए ऐसे में सभी छात्रों की नियुक्तियों को रद्द कर देना कहां तक उचित है ?

झारखंड में भ्रष्टाचार के चलते यदि महत्वपूर्ण पदों में शुद्ध दूध में पानी की मिलावट हो गई है तो इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता लेकिन पूरे दूध को ही जमीन पर फेंक दिया जाए यह कहां तक उचित है ?

वर्तमान समय में नियुक्तियों को रद्द करने के कारण होनहार छात्रों के भविष्य को अगर कोई बचा सकता है तो वह हाई कोर्ट है हाई कोर्ट को अपनी निगरानी में पुन: केवल उन्हीं छात्रों की कड़े देखरेख में परीक्षा कराई जाए जो पहले से प्रदेश सरकार के महत्वपूर्ण सरकारी पदों पर नियुक्त थे, ऐसे में भ्रष्टाचार के रास्ते आए हुए आरोग्य छात्र उस परीक्षा को पास नहीं कर पाएंगे और बाहर हो जाएंगे यह उसी तरह होगा यदि शुद्ध दूध में पानी की मिलावट हो गई है तो उसको पुन: जांच के आंच की कसौटी पर कसकर उन योग्य छात्रों और छात्राओं को उनका पद मिलना चाहिए जो परिश्रम से उसे पद को पाए हैं

राजनीतिक दलों और राजनेताओं से युवाओं के भविष्य की उम्मीद समाप्त होती जा रही है क्योंकि अगर हमारे देश के राजनीतिक दलों और राजनेताओं में राष्ट्र के युवाओं के प्रति लगाव होता तो आज प्राइमरी विद्यालय की दुर्दशा और देश के होनहार , प्रतिभावान छात्रों के हितों पर उनकी आंखों के सामने डंका ना डाला जाता और घंटों सदाचार की बातें करने वाले मौन ना रहते।

लोककथाओं से संस्कारित होती थी नई पीढ़ी

आचार्य ललित मुनि

हमारे समाज में शिक्षा की परिकल्पना कभी केवल अक्षर ज्ञान तक सीमित नहीं रही। जिस समय विद्यालय, पाठ्यपुस्तकें और औपचारिक परीक्षाएं अस्तित्व में भी नहीं थीं, उस समय भी हर घर में एक जीवंत पाठशाला चलती थी। यह पाठशाला थी दादी नानी की कहानियों की, संध्या के समय आंगन में जलते दीये की रोशनी में बुनी जाने वाली लोककथाओं की।

इन लोककथाओं के माध्यम से बालक को नीति, धर्म, सामाजिक व्यवहार, प्रकृति के रहस्य और जीवन के व्यावहारिक सत्य सहज ही सिखाए जाते थे। यह प्रक्रिया इतनी स्वाभाविक थी कि बालक को कभी यह अनुभव ही नहीं होता था कि वह कुछ सीख रहा है, वह तो केवल आनंद ले रहा होता था। यही लोककथाओं की सबसे बड़ी शक्ति थी, आनंद के माध्यम से संस्कार का सृजन।

हमारी ज्ञान परंपरा मूलत: श्रुति परंपरा रही है। वेदों का ज्ञान भी गुरु से शिष्य तक मौखिक रूप से ही प्रवाहित होता था। यही परंपरा आगे चलकर पुराणों, इतिहासों और लोककथाओं के रूप में सामान्य जनमानस तक पहुंची। नैमिषारण्य में सूत जी द्वारा ऋषियों को पुराण कथाएं सुनाई जाना इसी परंपरा का प्रमाण है, जहां जटिल दार्शनिक सत्यों को भी कथा के सरल माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

यह पद्धति इसलिए सफल रही क्योंकि कथा मस्तिष्क में केवल सूचना के रूप में नहीं, बल्कि अनुभव और भावना के रूप में अंकित होती है। बालक जब हितोपदेश की सियार, कौवे और कछुए की कहानियां सुनता था, तब वह केवल मनोरंजन नहीं कर रहा होता था, अपितु मित्रता, विश्वासघात, बुद्धिमत्ता और सावधानी जैसे जीवन मूल्यों को अपने भीतर आत्मसात कर रहा होता था।

आचार्य विष्णु शर्मा द्वारा रचित पंचतंत्र इसका सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है। कथा के अनुसार महिलारोप्य नगर के राजा अमरशक्ति के तीन मूर्ख पुत्रों को नीतिशास्त्र सिखाने के लिए आचार्य विष्णु शर्मा ने शास्त्रीय उपदेश के स्थान पर पशु पक्षियों की कथाओं का सहारा लिया। इसी ग्रंथ में एक प्रसिद्ध श्लोक आता है, जो जीवन जीने की कला को अत्यंत संक्षेप में प्रस्तुत करता है:

अजरामरवत् प्राज्ञो विद्यामर्थं च चिन्तयेत्। गृहीत इव केशेषु मृत्युना धर्ममाचरेत्।।

अर्थात बुद्धिमान मनुष्य को विद्या और धन के अर्जन के प्रति ऐसे प्रयत्नशील रहना चाहिए मानो वह कभी बूढ़ा या मृत्यु को प्राप्त होने वाला ही नहीं है, परंतु धर्म का आचरण उसे ऐसे करना चाहिए मानो मृत्यु ने उसके बालों को पकड़ ही लिया हो। यह श्लोक बालक के मन में समय के महत्व और कर्तव्य की गंभीरता दोनों को एक साथ स्थापित करता है, वह भी बिना किसी उबाऊ उपदेश के, केवल एक रोचक कथा के माध्यम से।

नारायण पंडित द्वारा रचित हितोपदेश में भी बालकों के लिए नीति और ज्ञान का महत्व अत्यंत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इसका एक प्रसिद्ध श्लोक है:

न चौरहार्यं न च राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि। व्यये कृते वर्धत एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।।

अर्थात विद्या रूपी धन को न तो चोर चुरा सकता है, न राजा छीन सकता है, न भाई बांट सकते हैं और न ही यह किसी पर भार बनता है। इसके विपरीत, इसे जितना बांटा जाए यह उतना ही बढ़ता जाता है। इसलिए समस्त धनों में विद्या धन ही सर्वश्रेष्ठ है। इस प्रकार के श्लोकों को कथा के भीतर पिरोकर बालकों तक पहुंचाया जाता था, जिससे गहन दार्शनिक सत्य भी उनकी समझ में सहज रूप से उतर जाते थे।

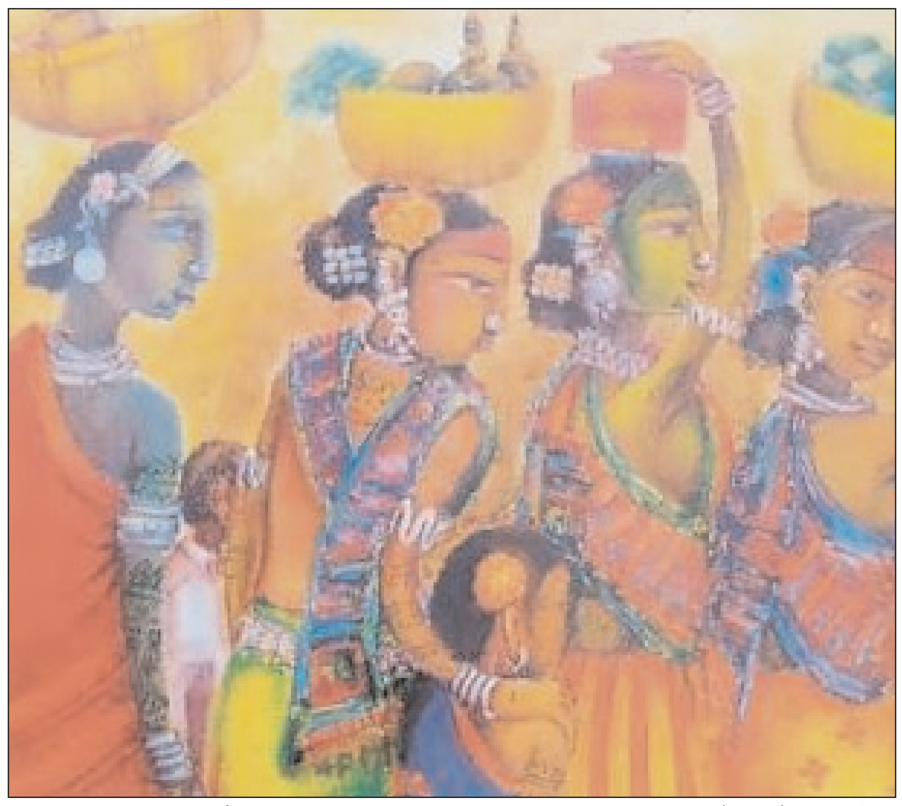

आधुनिक मनोविज्ञान भी अब इस प्राचीन पद्धति की वैज्ञानिकता को स्वीकार करने लगा है। प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक ब्रूनो बेटलहाइम ने अपनी पुस्तक द यूजेज ऑफ एनचांटमेंट में विस्तार से बताया है कि परीकथाएं और लोककथाएं बालक के अवचेतन मन में उठने वाले भय, ईर्ष्या, असुरक्षा जैसे भावों को प्रतीकात्मक रूप में व्यक्त करने और उनसे उबरने का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

इसी प्रकार शिक्षाशास्त्री जेरोम ब्रूनर ने अपने अध्ययन में स्पष्ट किया कि मानव मस्तिष्क जानकारी को तार्किक विवरण की अपेक्षा कथा के रूप में कहीं अधिक प्रभावी ढंग से ग्रहण करता है, क्योंकि कथा में घटनाक्रम, पात्र और परिणाम होते हैं, जिनसे बालक स्वयं को जोड़ पाता है। यही कारण है कि सैकड़ों वर्ष पूर्व की पंचतंत्र और जातक कथाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक प्रतीत होती हैं जितनी वे रची गई थीं।

बौद्ध परंपरा में भी जातक कथाओं के माध्यम से करुणा, त्याग और अहिंसा जैसे मूल्यों को बालकों तक पहुंचाया जाता रहा है। बुद्ध के पूर्व जन्मों की पांच सौ से अधिक कथाएं इस बात का प्रमाण हैं कि उच्चतम आध्यात्मिक सत्यों को भी सरल पशु पक्षी और मनुष्य पात्रों की कथाओं के माध्यम से जन जन तक पहुंचाया जा सकता है। इसी परंपरा में कथासरित्सागर जैसे ग्रंथ भी आते हैं, जहां कथा के भीतर कथा बुनकर मनोरंजन के साथ साथ जीवन दर्शन भी प्रस्तुत किया गया।

आज के समय में यह पारंपरिक पद्धति संकट में है। संयुक्त परिवारों के विघटन, दादा दादी के साथ बालकों के सीमित समय, और स्क्रीन आधारित मनोरंजन के प्रभुत्व ने इस मौखिक कथा परंपरा को कमजोर किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा में इस बात पर पुन: बल दिया गया है कि प्रारंभिक शिक्षा में कहानी सुनाने और खेल आधारित पद्धति को प्रमुखता दी जाए, क्योंकि विशेषज्ञ मानते हैं कि छोटे बालकों के लिए भाषा विकास, नैतिक समझ और भावनात्मक बुद्धि के विकास में कथा से बेहतर कोई माध्यम नहीं है। अनेक शिक्षाविद अब विद्यालयों में पुन: कहानी सुनाने के सत्र, कठपुतली नाट्य और लोककथा आधारित गतिविधियां आरंभ करने पर बल दे रहे हैं।

लोककथाएं केवल मनोरंजन का साधन कभी नहीं रहीं, वे हमारे समाज की वह अदृश्य पाठशाला रही हैं जिसने पीढ़ी दर पीढ़ी संस्कार, नीति और जीवन मूल्यों का हस्तांतरण किया। पंचतंत्र और हितोपदेश के श्लोकों से लेकर जातक कथाओं तक, इन सबका उद्देश्य एक ही रहा है, बालक के कोमल मन में अच्छे और बुरे की पहचान, धैर्य, साहस और करुणा जैसे गुणों का सहज रोपण करना।

आधुनिक मनोविज्ञान और शिक्षाशास्त्र भी अब इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि जो शिक्षा कथा के माध्यम से मिलती है, वह पुस्तकीय उपदेश से कहीं अधिक गहरी और स्थायी होती है। ऐसे में आवश्यकता इस बात की है कि हम इस प्राचीन परंपरा को केवल नास्टेल्जिया के रूप में न देखें, बल्कि इसे आधुनिक शिक्षा पद्धति के साथ जोड़कर नई पीढ़ी तक पुन: पहुंचाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी उसी संस्कारशीलता से लाभान्वित हो सकें जो कभी दादी नानी की कहानियों से हमें प्राप्त होती थी।

सदा बनी रहे भावनाओं की मधुरता

– सुश्री सरोज कंसारी

मिट जाए हृदयों से ईर्ष्या,
महक उठे हर एक जीवन।
खिल जाए संसार का उपवन,
जब मुस्कुराए यहाँ का हर मन।''

जीवन की इस भीड़ में मन की थकान से बचने के लिए भावनाओं की सुंदरता ज़रूरी है। जीवन को जीने लायक बनाने के लिए सिर्फ भौतिक सुविधा ही नहीं, मानसिक सुख पहली आवश्यकता है। प्रसन्न और स्वस्थ मन से जीवन का हर पल बेहद हसीन बनता है। एहसास का सुखद स्पर्श हृदय की हर पीड़ा दूर करने में सहायक है। गमगीन मन से हम जीवन को सिर्फ काटते हैं, लेकिन सुंदर भावों से हम खुद को जीने की नई उम्मीद देकर औरों को खुशी देने की कला सीखते हैं। भावनाओं को मधुर बनाकर हम खुद को मजबूत करके जीवन की चुनौतियों का सामना सहजता पूर्वक कर सकते हैं। भावनाओं के इस उमड़ते प्रवाह में मिठास घोलने का निरंतर प्रयास ज़रूरी है।

परिस्थिति अच्छी-बुरी हो सकती है, पर व्यवहार हमेशा मधुर रखिए। रिश्ते सिर्फ शब्दों के मोहताज नहीं हैं। शुद्ध भावनाएं और सच्चा निस्वार्थ प्रेम हृदय की टूटी हर तार को जोड़ती हैं। बनावटी बातों से किसी रिश्ते का मज़ाक मत बनाइए। दिल में लगी चोट ज़िंदगी को ज़ख्मी कर देती है। भाव मधुर रखिए, जिसमें आपसी समझ, प्रेम, स्नेह, करुणा, दया, सहयोग से जीवन का हर लम्हा आनंदित बन सके। नफरत, ईर्ष्या, घृणा, क्रोध से दूर रहिए, तभी सुकून के पल ढूंढ पाएंगे। शब्दों से किसी को तोड़िए मत, मीठा बोलकर दिल में रहिए। जीवन के सफर में चलते हुए कभी-कभी आपसी मनमुटाव, नाराज़गी हो जाती है, लेकिन किसी से बदले का भाव मत रखिए। माफ कर दीजिए और मन को शुद्ध रखिए। दर्द का बोझ मत रखिए। हर कठिन पल में हौसला रखिए। भरोसा नहीं कल का, कब साँसें आखिरी हों. ? धन-दौलत, रंग-रूप, जोश-जवानी, पद-प्रतिष्ठा का घमंड मत कीजिए। एक पल में नष्ट हो जाएगा। जब तक हैं, मुस्कुराकर बातें कीजिए हर किसी से। भूल जाइए अगर कभी किसी ने आपसे गलत किया। समय एक जैसा नहीं रहता। सभी से नादानी होती है, भूल होती है और एक समय के बाद अपने गलत कर्म पर पछतावा होता है।

भावनाओं में सुंदरता, सरलता और स्नेह होने से हम अनावश्यक विवाद, झगड़े और तनाव से बच जाते हैं। भावनाएं शुद्ध होती हैं और जब सभी के प्रति शुभ सोच रखते हैं तब मानसिक शांति की प्राप्ति होती है। शिकायतें कम कीजिए, बस मधुर व्यवहार रखिए। कड़वाहट से दूरी और बढ़ती है, लेकिन प्रेमपूर्ण मधुर व्यवहार से हम दिल के करीब होते हैं। मुश्किल वक्त में भी व्यवहार सही रखिए, वक्त बीत जाता है लेकिन लोग बर्ताव नहीं भूल पाते। कुछ भी कठोर शब्द कहने से पहले सुनना सीखिए। किसके मन में क्या है इसे जाने बिना कुछ मत कहिए। जितना अधिक हम सुनेंगे उतनी ही लोगों को समझने की क्षमता विकसित होगी। मिलनसार, विनम्र, हंसमुख स्वभाव हर किसी को पसंद है। लोगों को हम अपने स्वभाव से जो देते हैं वही हमारी पहचान बन जाती है।

दुखी मन को खुशी की उम्मीद, भयभीत मन को हिम्मत और टूटे दिल को प्रेम का स्पर्श दीजिए। आपके मधुर व्यवहार से अगर किसी का बिखरा जीवन संवर जाए तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। हृदय को साहस का संबल और भयभीत मन को हिम्मत दीजिए। सेवा, संस्कार और पवित्र भाव से हर मन को जीत सकते हैं। खुद को सुखद एहसास दीजिए अच्छी सोच और कार्य से। अपनी भावनाओं को समझिए। खुद के दर्द को सुनिए और कठिन वक्त में अपना साथ दीजिए। नाज़ुक भावनाओं को संभालिए। मानसिक और शारीरिक मजबूती पर ध्यान दीजिए। अपनी हर छोटी-बड़ी ज़रूरत का ध्यान रखिए। सिर्फ काल्पनिक मत रहिए, हकीकत में अपनी पसंद की ज़िंदगी जीने की कोशिश करते रहिए।

शब्दों में शक्ति है,
व्यवहार में सुंदरता रहे,
कोशिश यही हो कि
भावों में निर्मलता बहे।

हमारे शब्दों और व्यवहार में ही शक्ति, हिम्मत और सुंदरता है,इसलिए हमें अपने भावों को हमेशा सुंदर और निर्मल रखने की कोशिश करनी चाहिए। वास्तविकता यह है कि जब तक ईर्ष्या रखने वाले मनुष्यों के भीतर द्वेष की भावना जीवित है, और वे दूसरों के प्रति असंवेदनशील हैं, तब तक समाज खुशहाल नहीं हो सकता।

बोध कथा

ईमानदार लकड़हारा

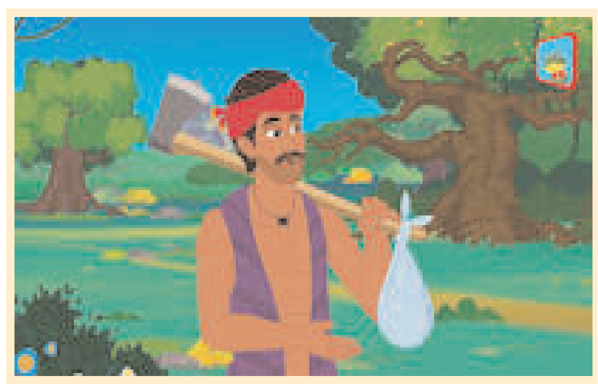

एक गाँव में रामू नाम का एक गरीब लकड़हारा रहता था। वह रोज जंगल में जाकर लकड़ियाँ काटता और उन्हें बाजार में बेचकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। एक दिन वह नदी के किनारे पेड़ काट रहा था। अचानक उसकी कुल्हाड़ी हाथ से छूटकर नदी में गिर गई। रामू बहुत दुखी हुआ और नदी के किनारे बैठकर रोने लगा।

तभी नदी से एक देवदूत प्रकट हुआ। उसने रामू से पूछा, 'तुम क्यों रो रहे हो?' रामू ने सारी बात सच-सच बता दी। देवदूत नदी में गया और सोने की कुल्हाड़ी लेकर आया। उसने पूछा, 'क्या यह तुम्हारी कुल्हाड़ी है?' रामू ने कहा, 'नहीं, मेरी कुल्हाड़ी लोहे की थी।

इसके बाद देवदूत चाँदी की कुल्हाड़ी लेकर आया। रामू ने उसे भी लेने से मना कर दिया। अंत में देवदूत उसकी लोहे की कुल्हाड़ी लेकर आया। रामू ने खुशी से कहा, 'हाँ, यही मेरी कुल्हाड़ी है।

रामू की ईमानदारी से देवदूत बहुत प्रसन्न हुआ। उसने रामू को तीनों कुल्हाड़ियाँ इनाम में दे दीं। रामू खुशी-खुशी घर लौट आया।

सीख: हमें हमेशा ईमानदार रहना चाहिए। ईमानदारी का फल हमेशा मीठा होता है।

कविता

दिमागी नक्सली

डॉ. सत्यवान सौरभ

छिपे, पहने कई
लिबास।
बात-बात पर देश
का, करते हैं
उपहास॥

राष्ट्रहितों को
भूलकर, करते अपना
काम।
शब्दों से विष घोलते,
करें देश बदनाम।
भारत की माटी कहे,
रखिए मन में आस—
दिमागी नक्सली छिपे,
पहने कई लिबास॥

झूठी बातों के तले,
भ्रम फैलाएँ खूब।
सच्चाई के सामने,
जाएँ अक्सर डूब।
राष्ट्रप्रेम की राह पर,
बढ़े जन-विश्वास—
बात-बात पर देश का, करते हैं
उपहास॥

लड़े विचारों से उचित, हिंसा का न
हो स्थान।
लोकतंत्र की राह में, रखें सत्य का
मान।
मतभेदों में भी रहे, मर्यादा का
वास—
दिमागी नक्सली छिपे, पहने कई
लिबास॥

देश-विरोधी सोच से, बचकर रहें
जवान।
ज्ञान-विवेक की रोशनी, रखे देश की
शान।
इकजुट भारत के लिए, जन-जन करें
प्रयास—
बात-बात पर देश का, करते हैं
उपहास॥

व्यंग्य केसरी

कमाई का नया फंडा!

रविंद्र गिन्नोरे

आजकल एक नया फैशन ट्रेंड चल निकला है वह है आदमी का इंसान बनना छोड कुत्ता बनने की होड़। महज आत्म खोज नहीं, बल्कि कैरियर विकल्प बन रहा है।

'कुत्ता बनो, करोड़ों कमाओ '।

अब गली के किसी युवा का सपना डॉक्टर, इंजीनियर बनना नहीं, बल्कि एकदम रॉयल पपी की पोशाक पहन कुत्ता बनना।

कुत्ते का कास्ट्यूम पहनकर लोग बड़ी शान से स्टेज पर खड़े होने लगे हैं, जैसे पुरस्कार मिलना बाकी हो। लाखों का सूट, चमकदार पिल्लीदार पोशाक और भीतर से सॉफ्टवेयर-अपडेटेड।

शो रुम सज उठे तरह तरह के कुत्ते की ड्रेस लिए। जिन पर टैग लगा है 'लिमिटेड एडिशन: असल कुत्ता जैसा अनुभव '। लोग अपने फोन पर सेल्फी लेते हुए लिखते हैं — 'आज मैंने सबसे असली कुत्ता बनने की यात्रा शुरू की '।

सोशल मीडिया पर ऐसे नवाचार की धूम मची हुई है। कुत्ते का कास्ट्यूम पहनकर आदमी कुत्ता बना। कुत्ते जैसे अहसास का अनुभव करने की होड़ मची हुई है। ऐसे कास्ट्यूम को किराए पर लेने आनलाइन लोग लगे हैं।

प्रकृति ने तो कुत्तों को चौपाया बनाया था, पर आदमी ने इसे ब्रांडिंग दी। कुत्तों को अब औकात नहीं, ओहदा मिलने लगा है। मल्टीनेशनल पार्किंग स्पॉट्स में कुत्तों की बैठक हैं। महंगी कारों की मखमली सीट पर सोते हैं। हीरोइन की गोद में लदे पोज़ देते हैं। जैसे वे किसी विज्ञापन के सीन के हीरो हों।

सुबह की सैर अब परिवारिक धर्म नहीं, फैशन शेड्यूल हो गया है। लोग अपने अपने कुत्तों के साथ चलते हैं जब तक वह हाजत से निपट नहीं ले .. इंतजार करते रहते हैं

उसके लुक को इन्स्टाग्राम पर चमकाते हैं '। पूँछ की हर झपक को हर एंगल से शूट किया जाता है। खुद के संस्कारों को मोबाइल से रिप्लेस कर लिया गया है। बूढ़े मां-बाप की सेवा टहल के लिए समय कैसे निकालें इस समस्या का समाधान वृद्धाश्रम ने आसान कर दिया है।

कुत्ता प्रेम का यह तेज़ी से बढ़ता इलाज- नुमा जुनून बताता है कि अब मनुष्य के मूल्य कहीं बैठे हैं, और कुत्तों की असल या नकली अहमियत सोशल-प्रूफ से तय होती है।

पर ध्यान दीजिए यह परिवर्तन केवल वाइब्स का नहीं, व्यवहार का भी है। कुत्ते अब इंसानों जैसी शरारतें कर रहे हैं। नोचना, खसोटना, मंच पर छलांग लगाना और कभी-कभी सीधे इंसान पर टूट पड़ना। मौका मिला तो वे इंसानों की खाल खींचने में कंजूसी नहीं करते। हमें लगता है कि वे 'प्राकृतिक' हैं, जबकि यह सब हमारे बनाए डिजिटल दर्पण के कारण है। वंशवाद इंसानों से हटकर अब कुत्तों में देखा जाने लगा है जो उसे और मूल्यवान बनाते हैं।

अगर कलयुग ने हमें कुछ नया सिखाया है, तो वह यह कि आदमी अपने असली चेहरे को बदलने में महारत हासिल कर चुका हैं। और अब वह नया चेहरा चार पैरों और चमकदार कॉलर के साथ उभरकर सामने आ रहा है।

इतिहास

1851: ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में सोने की खोज की आधिकारिक घोषणा हुई।

1910: जापान ने कोरिया के विलय की संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसके बाद कोरिया जापानी शासन के अधीन आ गया।

1962: फ्रांस के राष्ट्रपति चार्ल्स द गॉल की हत्या की कोशिश की गई, लेकिन वे बच गए।

1991: सोवियत संघ में असफल तख्तापलट के बाद मॉस्को में बोरिस येल्तसिन का प्रभाव तेजी से बढ़ा।

2006: कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण शोध में बताया कि पृथ्वी के शुरुआती वातावरण के बारे में नई जानकारी मिली है।

महत्व: 22 अगस्त का दिन राजनीतिक, वैज्ञानिक और अंतरराष्ट्रीय इतिहास की कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा हुआ है।

मुख्य मार्ग के गड्ढों से आवाजाही प्रभावित, शीघ्र मरम्मत की मांग

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। नगर छुरा के बजरंग चौक स्थित मुख्य मार्ग पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो जाने से राहगीरों एवं वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण इन गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क की स्थिति और भी खराब हो गई है। पानी भरे होने के कारण गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के साथ दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क पर बने गड्ढों के कारण कई बार राहगीर एवं वाहन चालक असंतुलित होकर गिर चुके हैं और चोटिल भी हुए हैं। विशेषकर बारिश के दौरान स्थिति अधिक गंभीर हो जाती है। सड़क पर पानी और कीचड़ जमा होने से पैदल चलने वाले लोगों को भी आवागमन में परेशानी होती है। विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने के दौरान इन गड्ढों से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे उनके लिए भी दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

बजरंग चौक से होकर जाने वाला यह मार्ग नगर के कई शासकीय एवं विभागीय कार्यालयों, शासकीय विद्यालयों तथा आसपास के अनेक गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। प्रतिदिन इस मार्ग से बड़ी संख्या में नागरिक, विद्यार्थी, कर्मचारी, व्यापारी एवं ग्रामीण आवागमन करते हैं। ऐसे में मुख्य मार्ग की बदहाल स्थिति लोगों के लिए लगातार परेशानी का कारण बनी हुई है।

समाजसेवी शीतल ध्रुव ने इस समस्या को जनहित से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए नगर पंचायत छुरा, लोक निर्माण विभाग एवं जिला प्रशासन से शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में सड़क के गड्ढों में पानी भरने से दुर्घटना की संभावना और बढ़ जाती है। संबंधित विभाग को मौके का निरीक्षण कर तत्काल गड्ढों में मुरुम एवं गिट्टी डालकर उन्हें भरना चाहिए तथा आवश्यकता के अनुसार सड़क की स्थायी मरम्मत करानी चाहिए।

शीतल ध्रुव ने कहा कि मुख्य मार्ग की खराब स्थिति का असर आम नागरिकों के साथ विद्यार्थियों और कर्मचारियों पर भी पड़ रहा है। यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने तथा भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए गुणवत्तापूर्ण स्थायी निर्माण कराने की मांग की है।

स्थानीय नागरिकों ने भी संबंधित विभागों से सड़क की स्थिति का तत्काल जायजा लेकर गड्ढों को भरने और मार्ग को आवागमन योग्य बनाने की मांग की है, ताकि बारिश के दौरान होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके और नगरवासियों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

आईटीआई अंतागढ़ में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला

पुलिस ने छात्रों को बताए बचाव के तरीके

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) अंतागढ़ परिसर में 21 अगस्त को साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्रों एवं संस्थान के कर्मचारियों को साइबर अपराधों से बचने तथा ऑनलाइन सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यशाला में पुलिस विभाग की टीम ने महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के प्रकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। फिशिंग, ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, मैलवेयर अटैक तथा यूपीआई से जुड़ी धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताए गए।

पीएसआई नकलू पैकरा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल युग में थोड़ी सी असावधानी आर्थिक और मानसिक नुकसान का कारण बन सकती है। उन्होंने छात्रों को अपनी व्यक्तिगत जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड और बैंक संबंधी विवरण किसी के साथ साझा नहीं करने की सख्त सलाह दी। साथ ही अनजान व्यक्ति के साथ फोन या चैट पर ओटीपी व पासवर्ड साझा नहीं करने, अनजान नंबर अथवा ई-मेल से प्राप्त संदिग्ध लिंक और फाइलों पर क्लिक करने से बचने की बात कही। उन्होंने सोशल मीडिया एवं महत्वपूर्ण मोबाइल एप्लीकेशन में टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2स्न) चालू रखने की सलाह दी। किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल इसकी सूचना देने और राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करने की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में पीएसआई नकलू पैकरा, हेड कांस्टेबल अजय नरेटी, आरक्षक हरिशंकर मंडावी एवं आरक्षक टिकेश्वर डोंगरे उपस्थित रहे। कार्यशाला के अंत में आईटीआई अंतागढ़ के प्राचार्य अनिल कुमार टेम्भेकर, स्टाफ एवं छात्रों ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया। कार्यक्रम में संस्थान के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भृत्य से सहायक ग्रेड-03 पदोन्नति नियम में शिथिलीकरण की मांग

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। भृत्य से सहायक ग्रेड-03 के पद पर पदोन्नति के लिए जारी नवीन नियमों को लेकर चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों में आक्रोश एवं असंतोष व्याप्त है। कर्मचारियों का कहना है कि पूर्व में भृत्य से लिपिक/सहायक ग्रेड-03 पद पर पदोन्नति के लिए हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण योग्यता के आधार पर पदोन्नति का अवसर मिलता रहा है, जबकि वर्तमान में जारी नियमों में योग्यता संबंधी प्रावधानों में परिवर्तन किए जाने से लंबे समय से सेवा दे रहे कर्मचारी पदोन्नति के अवसर से वंचित हो रहे हैं।

इसी मांग को लेकर चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री कुलेश कुंजाम सहित अन्य कर्मचारियों ने छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ब्लॉक शाखा नगरी के ब्लॉक संयोजक डोमार सिंह ध्रुव को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों ने मांग की कि पदोन्नति संबंधी नियमों में आवश्यक शिथिलीकरण प्रदान किया जाए तथा पूर्व में लागू हायर सेकेंडरी योग्यता को ध्यान में रखते हुए पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति का अवसर दिया जाए। कर्मचारियों ने यह भी मांग की कि लंबे समय से नियमित रूप से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए पदोन्नति प्रक्रिया में उन्हें न्याय दिलाने हेतु संगठन द्वारा शासन स्तर पर प्रभावी पहल की जाए। चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ अध्यक्ष कुलेश कुंजाम ने कहा कि अनेक कर्मचारी वर्षों से ईमानदारीपूर्वक सेवा करते हुए अब सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच चुके हैं।

पीएम श्री स्कूल अंतागढ़ में विश्व मच्छर दिवस पर जागरूकता अभियान, छात्राओं को दी गई जानकारी

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल अंतागढ़ में 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस एवं HPV टीकाकरण जागरूकता कार्यक्रम के तहत जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मलेरिया के लक्षण, कारण एवं बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को मलेरिया के प्रमुख लक्षणों, इसके कारणों और बचाव के उपायों की जानकारी दी। मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचने के लिए आसपास स्वच्छता बनाए रखने, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने तथा मच्छरदानी का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

बालिकाओं को HPV टीकाकरण के प्रति किया जागरूक*

कार्यक्रम में 14 वर्ष की बालिकाओं को HPV टीकाकरण के संबंध में जानकारी दी गई। स्वास्थ्य कर्मियों ने HPV संक्रमण से बचाव में टीकाकरण की भूमिका समझाते हुए पात्र बालिकाओं को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित किया तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. बीके रामटेके, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक नोमेत गावड़े, प्रभारी बीईटीओ केके सिन्हा, मलेरिया निरीक्षक बीएम राय, मलेरिया टेक्निशियन सुपरवाइजर योगेश नागराज, आरएचओ अनिल कुमार तारम, स्कूल के प्राचार्य गौतम सिन्हा सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मलेरिया से बचाव एवं HPV टीकाकरण के प्रति जागरूक कर स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना रहा।

सटोरियों के खिलाफ पुलिस का अभियान, दो गिरफ्तार

विश्व केसरी

सक्ती। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर (भा.पु.से.) द्वारा जिले में अवैध जुआ, सट्टा एवं नशीले पदार्थों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर प्रभावी एवं कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सट्टा खेलने एवं खिलाने वाले व्यक्तियों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखते हुए ऐसे तत्वों का परेड लेकर उनकी गतिविधियों की जानकारी संकलित करने तथा उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल (रा.पु.से.) एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सक्ती डॉ. भुनेश्वरी पैकरा के मार्गदर्शन में थाना सक्ती पुलिस द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय कर अवैध जुआ एवं सट्टा गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है।

जिला पंचायत सीईओ ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर दिए आवश्यक निर्देश

विश्व केसरी

सक्ती। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशन मे जिला पंचायत सक्ती मुख्य कार्यपालन अधिकारी वासु जैन ने जिला पंचायत सभाकक्ष में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में संचालित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं एवं अन्य गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने शिक्षा विभाग के सभी जिला स्तरीय और विकास खंड स्तरीय अधिकारियों से विभागीय योजनाओं और कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपार आईडी, एमबीयू अपडेशन, जाति प्रमाण पत्र एवं इंस्पायर अवार्ड की प्रगति की समीक्षा की। जिला पंचायत सीईओ ने इन कार्यों को शिविर आयोजित कर निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्यालयों में प्रतिदिन अंशकालीन सफाईकर्मी के माध्यम से विद्यालय परिसर, कक्षाओं एवं शौचालयों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को अत्यधिक आवश्यकता वाले विद्यालयों को चिन्हित कर अतिरिक्त कक्ष एवं शौचालय निर्माण के लिए मांग पत्र एवं प्राक्कलन शीघ्र जमा करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ जैन ने आगामी माह में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित करने तथा विद्यार्थियों से सीधे संवाद के लिए कार्ययोजना तैयार करने की बात कही। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. कुमुदिनी वाघ द्विवेदी ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को जिला पंचायत सीईओ द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने तथा जिले में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सतत प्रयास करने के निर्देश दिए।

बैठक में बीईओ सक्ती दिलीप कुमार पटेल, बीईओ मालखरौदा एम.एल. प्रधान, बीईओ डभरा लक्ष्मी चौहान, बीईओ जैजैपुर रामकुमार साहू, एबीईओ नीलिमा बड़गे, चंद्रिका आर्मो, मनीष शर्मा, सेजेस नोडल अरुण कुमार जायसवाल, जिला नोडल स्थानीय परीक्षा सुरेश कुमार जायसवाल तथा आशुतोष शर्मा सहित शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु मंदिर नगरी के छात्रा का एकलव्य विद्यालय में चयन

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। सरस्वती शिशु मंदिर नगरी के मेधावी छात्रा हेमांशी नेताम ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासित अध्ययन के बल पर एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए एकलव्य आवासीय विद्यालय पत्थरीडीही , नगरी में कक्षा 9वीं के लिए चयनित होकर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

ग्राम नगरी निवासी , हेमांशी नेताम पिता श्री गेंदलाल नेताम, की इस सफलता से परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। छात्र की इस उपलब्धि पर माता-पिता, गुरुजनों तथा शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने कहा कि हेमांशी की सफलता यह साबित करती है कि दृढ़ संकल्प, नियमित अध्ययन और कठिन परिश्रम से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हेमांशी की उपलब्धि विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

विद्यालय के शिक्षकों ने विश्वास जताया कि हेमांशी नेताम भविष्य में भी अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर नई ऊंचाइयों को छुएंगे तथा विद्यालय, अपने परिवार और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

बोल बम कांवरियों की सेवा में छुरा नगर

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। पवित्र सावन मास में भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य छुरा नगर में देखने को मिल रहा है। उड़ीसा, महासमुंद, बागबाहरा, गरियाबंद, मैनपुर, नगरी, धमतरी, नवापारा, राजिम, फिंगेश्वर, मगरलोड, आरंग एवं रायपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों से शिवभक्त एवं कांवरिए प्रतिदिन जल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने पहुंच रहे हैं। भूतेश्वर नाथ, पतोरा बांध महादेव, चंपारण, कुलेश्वर महादेव,कोपेश्वर महादेव, फगेश्वर महादेव, जतमई ,घटारानी सोनी टोनहीडबरी, नरसिंह नाथ, सिंगी ऋषि आदि जगह पर जल चढ़ाया जा रहा है शिवभक्तों की सेवा एवं सुविधा के लिए छुरा नगर की बोल बम समिति और नगर के श्रद्धालुओं द्वारा सेवा भाव से उनका स्वागत किया जा रहा है। कांवरियों के लिए भोजन-प्रसादी, ठहरने एवं आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्थानगर के हृदय स्थल राम जानकी मंदिर छुरा में प्रतिदिन की जा रही है। प्रतिवर्ष की भांति यह सेवा कार्य हमारी आस्था, श्रद्धा, सेवा और अतिथि सत्कार की परंपरा को दर्शाता है। भगवान भोलेनाथ के भक्तों की सेवा करना स्वयं भगवान की सेवा के समान है बोल बम कांवरियों की सेवा में छुरा नगर भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य छुरा नगर में देखने को मिल रहा है इन सभी भक्तों की सेवा एवं सुविधा के लिए छुरा नगर के बोल बम समिति और नगर के श्रद्धालुओं हिंदू सनातनियों द्वारा सेवा भाव से उनका स्वागत किया जा रहा है, यह सेवा कार्य हमारी आस्था श्रद्धा सेवा और अतिथि सत्कार के परंपरा को दर्शाता है भगवान भोलेनाथ के भक्तों की सेवा करना स्वयं भगवान की सेवा के समान है।

प्रमुख रूप से विक्कू चंद्राकर, सुनील सचदेव, मोनू सेन, समीर सचदेव, सुजल कोठारी, कुलेश्वर निर्मलकर, शैलेंद्र दीक्षित ,प्रतीक शर्मा दीपक ध्रुव, हेमेंद्र शाह, मुक्कू ध्रुव, महेश सचदेव, नरेन्द्र पटेल, विकास देवांगन, गज्जूपटेल, आदित्य तिवारी, दीनू कोठारी, किशोर कोठारी, रमेश अग्रवाल, सफर सचदेव, भोला पांडेय, पुजारी पंडित यज्ञेशप्रसाद पांडे आदि।

बिरकोल विद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती मनाई गई

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। सरायपाली विकास खण्ड अन्तर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरकोल में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राजीव गांधी अक्टूबर 1984 से दिसंबर 1989 तक प्रधानमंत्री रहे। राजीव गांधी की राष?ट्र के प्रति सेवा और सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान को याद किया गया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरकोल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती तिरीथ कुमारी मानिकपुरी प्रदेश समन्वयक ओबीसी कांग्रेस एवं प्रदेश सचिव महिला कांग्रेस ने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती हर साल 20 अगस्त को मनाई जाती है। 20 अगस्त 1944 को मुंबई में जन्म हुआ था। वे 31 अक्टूबर 1984 से 2 दिसंबर 1989 तक भारत के सातवें और सबसे कम उम्र (40 वर्ष की आयु) के प्रधानमंत्री रहे। उनकी जयंती को देश भर में राष्ट्रीय एकता, शांति और सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए 'सद्भावना दिवस' के रूप में मनाया जाता है। कांग्रेस नेत्री तिरिथ कुमारी मानिकपुरी ने आगे कहा कि उन्हें भारत में कंप्यूटर और आधुनिक दूरसंचार (टेलीकॉम) क्रांति का अग्रदूत माना जाता है। उन्होंने 1988 में 61वें संविधान संशोधन के जरिए मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की। जिससे युवाओं को लोकतंत्र में बड़ी हिस्सेदारी मिली। उन्होंने जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने की नींव रखी। इस अवसर पर प्रति वर्ष दिल्ली स्थित उनकी समाधि 'वीर भूमि' पर देश के प्रमुख नेता और परिवार के सदस्य श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद, मेटल और बैंकिंग स्टॉक्स में हुई खरीदारी

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में करीब सपाट बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 3 अंक की मामूली बढ़त के साथ 77,540.83 और निफ्टी 20.15 अंक या 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,252.00 पर था।

सत्र के दौरान बाजार में खरीदारी को सहारा मेटल और बैंकिंग शेयरों ने दिया। सूचकांकों में निफ्टी मेटल 0.86 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके अलावा, निफ्टी बैंक (0.46 प्रतिशत), निफ्टी पीएसई (0.46 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (0.40 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया डिफेंस (0.32 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस (0.22 प्रतिशत) और निफ्टी इन्फ्रा (0.15 प्रतिशत) की तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए।

इसके अलावा निफ्टी एफएमसीजी (0.74 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (0.60 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (0.46 प्रतिशत), निफ्टी कंजम्शन (0.40 प्रतिशत) और निफ्टी हेल्थकेयर (0.25 प्रतिशत) की गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए।

लार्जकैप की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 64.20 अंक या 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 63,735.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 136.30 अंक या 0.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,977.75 पर था। सेंसेक्स पैक में पावर ग्रिड, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, टाइटन, टीसीएस, अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक गेनर्स थे। ट्रेंट, मारुति सुजुकी, इंडिगो, एचसीएल टेक, एचयूएल, इन्फोसिस, एमएंडएम, टेक महिंद्रा, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक और बजाज फाइनेंस लूजर्स थे।

बाजार के जानकारों ने कहा कि ग्लोबल बॉन्ड यील्ड का ऊंचा स्तर मार्केट में चिंता का कारण बना हुआ है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और लगातार महंगाई की आशंकाओं के बीच, बॉन्ड यील्ड को कम करने के लिए यूएस ट्रेजरी के हालिया कदम से कोई खास और लंबे समय तक रहने वाली राहत नहीं मिली। घरेलू स्तर पर, आरबीआई की सख्त रुख वाली मीटिंग के मिनट्स और स्थानीय महंगाई के जोखिम व कम लिक्विडिटी के कारण भारत की 10-साल की बॉन्ड यील्ड दो महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

उन्होंने आगे कहा कि हालिया सर्विस पीएमआई डेटा अनिश्चित ग्लोबल माहौल के बावजूद घरेलू मजबूती को दिखाता है। हालांकि, गिरावट के बाद आकर्षक वैल्यूएशन और मजबूत क्रेडिट ग्रोथ के दम पर फाइनेंशियल सेक्टर की बड़ी कंपनियों में अच्छी वैल्यू बाइंग से मार्केट सपाट कारोबार कर रहा है।

पीएम-आशा योजना से किसानों को मिल रहा बेहतर मूल्य

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने, मजबूरी में बिक्री को रोकने और कृषि बाजार को अधिक स्थिर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण तंत्र के रूप में उभरी है। शुक्रवार को सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, इस योजना ने कृषि खरीद, मूल्य स्थिरीकरण और बाजार हस्तक्षेप को अधिक प्रभावी बनाकर किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

फैक्टशीट के मुताबिक, पीएम-आशा के तहत दलहन, तिलहन और खोपरा की समय पर खरीद सुनिश्चित की गई है। इस कार्य में नाफेड यानी राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया-एनएएफईडी) और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया-एनसीसीएफ) जैसी एजेंसियां प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। किसानों को अपनी उपज बेचने में सुविधा देने के लिए अतिरिक्त खरीद केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, जिससे बाजार तक उनकी पहुंच मजबूत हुई है।

सरकार ने कहा कि पीएम-आशा देश की प्रमुख मूल्य समर्थन योजना है, जिसने डिजिटल सुधारों और बुनियादी ढांचे के विस्तार के साथ मिलकर खरीद व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, कुशल और व्यापक बनाया है, जिससे विभिन्न राज्यों में किसानों को बेहतर लाभ मिलने लगा है। बयान में कहा गया है कि योजना के तहत लागू किए गए डिजिटल सुधारों में आधार-आधारित प्रमाणीकरण, ई-एनएएम, ई-समृद्धि और ई-सम्युक्ति जैसे मंच शामिल हैं। इन पहलों ने खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने और भुगतान व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में मदद की है। इसके अलावा, कृषि अवसंरचना कोष (एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड) से मिले समर्थन और खरीद कवरेज के विस्तार ने भी योजना की प्रभावशीलता को बढ़ाया है।

टाटा मोटर्स 1 सितंबर से कारों और एसयूवी की कीमतों में 25,000 रुपए तक की करेगी बढ़ोतरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने अपनी यात्री वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि वह 1 सितंबर 2026 से अपने पूरे यात्री वाहन पोर्टफोलियो, जिसमें पेट्रोल-डीजल मॉडल और इलेक्ट्रिक वाहन दोनों शामिल हैं, की कीमतों में 25,000 रुपए तक की वृद्धि करेगी।

कंपनी के अनुसार, कीमतों में बढ़ोतरी का स्तर सभी मॉडलों और वेरिएंट्स के लिए अलग-अलग होगा। टाटा मोटर्स ने कहा कि यह निर्णय बढ़ती इनपुट लागत और लगातार बने हुए मुद्रास्फीति के दबावों के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए लिया गया है।

टाटा मोटर्स ने यह भी स्पष्ट किया कि वह लागत में आई बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा पहले से खुद वहन कर रही है, लेकिन लगातार बढ़ते खर्चों के कारण अब कीमतों में संशोधन करना आवश्यक हो गया है।

यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब अन्य प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियां भी अपने वाहनों की कीमतें बढ़ा चुकी हैं। हाल ही में हुंडई मोटर इंडिया ने बढ़ती कच्चे माल की लागत, ऊंचे परिचालन खर्च और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए अपने वाहन पोर्टफोलियो की कीमतों में 1 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की थी।

वहीं, मारुति सुजुकी ने भी अगस्त से अपने एरिना और नेक्सा मॉडल्स की कीमतों में वृद्धि की थी। कंपनी ने विभिन्न मॉडलों और वेरिएंट्स के अनुसार 2,500 रुपए से 30,000 रुपए तक कीमतें बढ़ाई थीं। कीमतों में लगातार हो रहे ये बदलाव ऑटोमोबाइल उद्योग पर पड़ रहे निरंतर लागत दबाव के बीच आए हैं, जिसमें कंपनियां कच्चे माल, पुर्जों, लॉजिस्टिक्स और परिचालन खर्चों में बढ़ोतरी के कारण लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालने के लिए मजबूर हो रही हैं। हालांकि वाहन निर्माता लागत अनुकूलन के जरिए ग्राहकों पर पड़ने वाले असर को सीमित रखने की कोशिश भी कर रहे हैं।

वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का शुद्ध लाभ घटकर 859 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 4,003 करोड़ रुपए था। यह सालाना आधार पर करीब 79 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। तिमाही आधार पर भी कंपनी का लाभ 85 प्रतिशत कम हुआ है। इस बीच, घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार के शुरुआती कारोबार के दौरान टाटा मोटर्स के शेयर 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 319.70 रुपए पर कारोबार करता दिखाई दिए। पिछले 6 महीने में स्टॉक 15.87 प्रतिशत तक टूटा है, वहीं पिछले एक साल में करीब 23 प्रतिशत गिरा है, जबकि इस साल अब तक कंपनी के शेयर 13 प्रतिशत से ज्यादा गिरे हैं।

भारत के ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के लिए मददगार होगी स्टारलिंक सेवा : एलन मस्क

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने शुक्रवार को कहा कि स्टारलिंक की उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा भारत में सबसे कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों, विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों के लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है, क्योंकि कंपनी भारत में अपनी व्यावसायिक सेवाएं शुरू करने की मंजूरी का इंतजार कर रही है।

मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'स्टारलिंक भारत के सबसे कम सेवाएं प्राप्त क्षेत्रों, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों की मदद करेगा।'

मस्क की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत में डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार के बावजूद ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच इंटरनेट पहुंच का अंतर अभी भी बना हुआ है।

एक्स पर साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, मई 2026 तक देश के 11,256 सूचीबद्ध गांवों में अभी भी चौथी पीढ़ी की मोबाइल सेवा (4जी) उपलब्ध नहीं थी। यह दर्शाता है कि देश के कई दूरस्थ क्षेत्रों तक पारंपरिक दूरसंचार ढांचा अभी पूरी तरह नहीं पहुंच पाया है।

उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2026 तक भारत में कुल 109.3 करोड़ इंटरनेट सब्सक्रिप्शन्स थीं, जिनमें से 44.08 करोड़ सब्सक्रिप्शन्स ग्रामीण क्षेत्रों से थीं। हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट सब्सक्रिप्शन घनत्व केवल प्रति 100 लोगों पर 48.31 था, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 126.80 प्रति 100 लोगों तक पहुंच चुका था। इससे स्पष्ट होता है कि डिजिटल पहुंच के मामले में ग्रामीण और शहरी भारत के बीच अभी भी बड़ा अंतर मौजूद है। इसी संदर्भ में पोस्ट में कहा गया कि भारत सरकार की भारतनेट परियोजना के तहत 8.5 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क बिछाया जा चुका है और लगभग 2.21 लाख ग्राम पंचायतों को सेवाओं के लिए तैयार किया गया है। इसके बावजूद जून 2026 तक केवल 80,472 ग्राम पंचायत उपस्थिति केंद्र ही पूरी तरह परिचालन में थे। पोस्ट में आगे कहा गया है कि उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवाएं उन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं जहां पारंपरिक मोबाइल टावर या फाइबर नेटवर्क पहुंचाना कठिन और महंगा है। इनमें दूरस्थ गांव, पर्वतीय क्षेत्र, द्वीपीय इलाके और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित क्षेत्र शामिल हैं।

इंडिगो की वेबसाइट में फिर आई तकनीकी खराबी, यात्रियों ने बुकिंग में परेशानी की शिकायत की

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इंडिगो की वेबसाइट में शुक्रवार को एक बार फिर तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण कई यात्री फ्लाइट टिकट बुकिंग, वेब चेक-इन और कुछ ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल भी नहीं कर सके। कुछ यूजर्स ने एयरलाइन के मोबाइल ऐप में लॉग-इन करने में भी परेशानी की शिकायत की।

एयरलाइन ने भी एक सर्विस एडवाइजरी जारी कर इस समस्या की पुष्टि की है।

इंडिगो ने बताया कि उसके मुख्य रिजर्वेशन प्लेटफॉर्म में रुक-रुककर तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं। इस समस्या के कारण कुछ ग्राहकों को उनकी ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंचने में परेशानी हो सकती है।

एयरलाइन ने कहा, 'हमारे मुख्य रिजर्वेशन प्लेटफॉर्म में फिलहाल रुक-रुककर तकनीकी समस्याएं आ रही हैं, जिससे कुछ ग्राहकों के लिए हमारी ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करना मुश्किल हो सकता है।'

एयरलाइन ने आगे कहा, 'हमारी टीमें अपने पार्टनर के साथ मिलकर प्राथमिकता के आधार पर काम कर रही हैं, ताकि इस समस्या को जल्द से जल्द दूर किया जा सके।'

तकनीकी खराबी के दौरान इंडिगो की वेबसाइट पर फ्लाइट बुकिंग सेवाओं को एक्सेस करने की कोशिश करने पर 'नो डेटा अवेलेबल' का संदेश दिखाई दे रहा था। कई यात्रियों ने एयरलाइन के आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट के जरिए भी शिकायतें दर्ज कराईं। यात्रियों ने बुकिंग फेल होने, वेब चेक-इन में समस्या और भुगतान की पुष्टि मिलने में देरी या पुष्टि न मिलने की शिकायत की।

एयरलाइन ने अभी तक इस तकनीकी खराबी के सटीक कारण का खुलासा नहीं किया है और न ही यह बताया है कि रिजर्वेशन प्लेटफॉर्म की समस्या को दूर करने में कौन-सा टेक्नोलॉजी पार्टनर मदद कर रहा है।

यह घटना इंडिगो द्वारा अपने मुख्य रिजर्वेशन सिस्टम में इसी तरह की समस्या की जानकारी दिए जाने के सिर्फ दो दिन बाद हुई है। बुधवार को एयरलाइन ने कहा था कि उसके प्लेटफॉर्म में 'रुक-रुककर समस्याएं' आ रही हैं, जिससे ग्राहकों की ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच प्रभावित हो सकती है।

एक ही सप्ताह में तकनीकी समस्या दोबारा सामने आने से उन यात्रियों में चिंता बढ़ गई है, जो बुकिंग, चेक-इन और भुगतान से जुड़ी सेवाओं के लिए इंडिगो के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं।

घरेलू बाजार हिस्सेदारी के लिहाज से इंडिगो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है। जुलाई में देश के घरेलू विमानन बाजार में उसकी हिस्सेदारी करीब 67 प्रतिशत थी। ऐसे में उसके रिजर्वेशन और बुकिंग सिस्टम में आने वाली तकनीकी खराबी से देशभर में बड़ी संख्या में यात्री प्रभावित हो सकते हैं।

एयरलाइन की ताजा एडवाइजरी में उसकी ऑनलाइन सेवाओं को पूरी तरह बहाल करने की कोई समयसीमा नहीं बताई गई है।

अगस्त में भारत के निजी क्षेत्र के उत्पादन की वृद्धि दर बढ़कर 54.6 हो गई : पीएमआई डेटा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के निजी क्षेत्र में कारोबारी गतिविधियों ने अगस्त में बेहतर प्रदर्शन किया है। शुक्रवार को जारी एचएसबीसी फ्लैश इंडिया पीएमआई आंकड़ों के अनुसार, सेवा क्षेत्र में सुधार और विनिर्माण क्षेत्र की निरंतर वृद्धि के चलते निजी क्षेत्र की समग्र गतिविधियों में तेजी दर्ज की गई, जिससे संकेत मिलता है कि घरेलू मांग और व्यावसायिक गतिविधियां अभी भी मजबूत बनी हुई हैं।

आंकड़ों के अनुसार, एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जुलाई के 54.3 से बढ़कर अगस्त में 54.6 पर पहुंच गया, जो यह दर्शाता है कि निजी क्षेत्र का विस्तार लगातार जारी है और आर्थिक गतिविधियां वृद्धि के क्षेत्र में बनी हुई हैं।

इस सुधार में सबसे बड़ा योगदान सेवा क्षेत्र का रहा। जुलाई में पिछले 53 महीनों की सबसे कमजोर वृद्धि दर्ज करने के बाद अगस्त में सेवा क्षेत्र में कारोबारी गतिविधियों और नए ऑर्डरों में फिर से तेजी देखने को मिली। इससे समग्र आर्थिक गतिविधियों को सहारा मिला। वहीं विनिर्माण क्षेत्र में भी विस्तार जारी रहा, हालांकि इसकी गति कुछ धीमी पड़ी। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अगस्त में 52.9 दर्ज किया गया। हालांकि यह अभी भी वृद्धि का संकेत देता है, लेकिन पिछले वर्षों की तुलना में विनिर्माण क्षेत्र की रफ्तार कुछ नरम रही।

रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय कंपनियों को अगस्त में नए ऑर्डरों में पहले की तुलना में थोड़ा अधिक बढ़ोतरी मिली। निर्यात ऑर्डरों में भी मजबूत वृद्धि बनी रही। कंपनियों ने अमेरिका, जर्मनी, चीन, सिंगापुर और जापान जैसे प्रमुख बाजारों से मांग मजबूत रहने की जानकारी दी। हालांकि निर्यात में वृद्धि जारी रही, लेकिन विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों में इसकी रफ्तार जुलाई की तुलना में कुछ धीमी रही। इसके बावजूद विदेशी मांग भारतीय कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बनी हुई है।

वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत का बड़ा फैसला, अपनी ऑयल रिफाइनिंग क्षमता को 300 एमएमटीपीए तक बढ़ाएगा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। युद्ध के चलते वैश्विक रिफाइनिंग क्षमता प्रभावित होने के बीच भारत अपनी ऑयल रिफाइनिंग क्षमता को 272 एमएमटीपीए (मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष) से 300 एमएमटीपीए तक बढ़ाने जा रहा है। यह बयान केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को दिया।

मौजूदा समय में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑयल रिफाइनर है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत-मॉरिशस एनर्जी पार्टनरशिप, भरोसेमंदता, स्थिरता और आपसी समृद्धि के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को दिखाती है।

केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, 'गुरुवार को हुआ समझौता दोनों देशों के बीच एनर्जी के क्षेत्र में संबंधों में एक अहम पड़ाव है और यह भारत और मॉरिशस के बीच गहरी दोस्ती का एक और सबूत है, जो पीढ़ियों तक बढ़ती रहेगी।'

केंद्रीय मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'ये जी2जी (सरकार से सरकार) और बी2बी (व्यापार से व्यापार) समझौते भारत-मॉरिशस ऊर्जा सहयोग में एक नया अध्याय शुरू करते हैं। इनसे मॉरिशस को स्थिर और भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्ति मिलेगी और इंडियनऑयल अगले तीन वर्षों के लिए एक भरोसेमंद मुख्य आपूर्तिकर्ता के तौर पर स्थापित होगा।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया के प्रमुख रिफाइनिंग हब में से एक बनकर उभरा है, जहां 23 रिफाइनरियां सालाना लगभग 270 मिलियन मीट्रिक टन की प्रोसेसिंग करती हैं। पुरी ने कहा, 'रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के शुद्ध निर्यातक के तौर पर, भारत इस क्षमता को सिर्फ एक संपत्ति नहीं, बल्कि दुनिया भर में, खासकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपने दोस्तों के लिए एक भरोसेमंद, पारदर्शी और स्थिर ऊर्जा भागीदार बनने की जिम्मेदारी के तौर पर देखता है। यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व है जिसकी दुनिया तारीफ और सम्मान करती है।' भारत और मॉरिशस ने गुरुवार को तेल और गैस क्षेत्र में सहयोग के लिए एक अहम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही, इंडियनऑयल और मॉरिशस की स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (एसटीसी) के बीच द्वीपीय देश को पेट्रोलियम उत्पादों की पक्की आपूर्ति के लिए पांच साल का समझौता भी हुआ।

लैपटॉप पर काम करते-करते दर्द करने लगा कंधा, टेक नेक के लिए बेस्ट 5 एक्सरसाइज, तुरंत मिलती है राहत

आज के समय में ज्यादातर लोग घंटों लैपटॉप, मोबाइल और टैबलेट का इस्तेमाल करते हैं. ऑफिस का काम हो, ऑनलाइन पढ़ाई या फिर सोशल मीडिया स्क्रॉल करना, स्क्रीन के सामने बिताया जाने वाला समय लगातार बढ़ता जा रहा है. लंबे समय तक गर्दन झुकाकर मोबाइल देखने या गलत पोस्चर में बैठकर काम करने से गर्दन और कंधों पर दबाव पड़ता है. जिससे दर्द, अकड़न और शॉल्डर में टेंशन महसूस होती है. इसी समस्या को 'टेक नेक' कहा जाता है

कई लोगों को इसके साथ सिरदर्द, खराब बॉडी पोस्चर और हाथों में झनझनाहट जैसी समस्याएं भी महसूस होने लगती हैं. अगर समय रहते इस पर ध्यान न दिया जाए तो रूटीन वर्क करना भी मुश्किल हो सकता है. अच्छी बात यह है कि कुछ आसान एक्सरसाइज की मदद से टेक नेक की परेशानी को काफी हद तक कम किया जा सकता है. यहां आप ऐसी ही 5 एक्सरसाइज के बारे में जो गर्दन और कंधों को राहत देने में मदद कर सकती हैं.

चिन रिट्रैक्शन एक्सरसाइज

जब आप मोबाइल या लैपटॉप देखते समय आगे की ओर झुक जाते हैं, तो गर्दन पर दबाव बढ़ जाता है. इस एक्सरसाइज में सीधे सामने देखते हुए अपनी ठुड्डी को धीरे-धीरे पीछे की ओर खींचें. ऐसा करने पर डबल चिन जैसा एहसास होगा. फिर सामान्य स्थिति में लौट आएं. इस प्रक्रिया को 10 बार दोहराएं। काम के दौरान हर 1-2 घंटे में इसे करने से फायदा मिल सकता है.

गर्दन और कंधों के पीछे मौजूद ट्रेपेजियस मांसपेशियों में तनाव होना आम बात है. इसे कम करने के लिए एक हाथ को कमर पर रखें और सिर को विपरीत दिशा में झुकाएं. दूसरे हाथ से सिर को हल्के से स्ट्रेच करें. 20 से 30 सेकंड तक इस स्थिति में रहें और फिर दूसरी तरफ भी यही प्रक्रिया दोहराएं.

थोरैसिक एक्सटेंशन

यह एक्सरसाइज लंबे समय तक कुर्सी पर बैठकर काम करने वालों के लिए उपयोगी हो सकती है. कुर्सी पर बैठकर थोड़ा आगे झुकें और दोनों हाथों को सिर के पीछे रखें. अब धीरे-धीरे छाती और ऊपरी पीठ को पीछे की ओर फैलाने की कोशिश करें. हर कुछ घंटों में इसे करने से पीठ और गर्दन के तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है.

प्रोन रिट्रैक्शन

फर्श पर पेट के बल लेट जाएं और हाथों को शरीर के पास रखें. गर्दन को सीधा रखें और ऊपर न देखें. अब ठुड्डी, हाथ और घुटनों को हल्का ऊपर उठाएं. 2 से 3 सेकंड तक रुकें और फिर वापस सामान्य स्थिति में आ जाएं. 10 बार दोहराते हुए 3 सेट करें.

प्रोन स्कैप्शन

पेट के बल लेटकर दोनों हाथों को सिर के आगे और थोड़ा बाहर की ओर फैलाएं. गर्दन को सीधा रखते हुए ठुड्डी, हाथ और घुटनों को जमीन से ऊपर उठाएं. 2 से 3 सेकंड तक रुकें और फिर नीचे आ जाएं. 10 बार के 3 सेट करें. यह एक्सरसाइज गर्दन, कंधों और ऊपरी पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करती है.

रक्षाबंधन की सुबह नाश्ते में क्या बनाएं? ट्राई करें ये 5 स्वादिष्ट और आसान डिशेज, हर कोई करेगा तारीफ

रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहनों के बीच प्यार के बंधन को मनाने और परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का एक खास मौका है. रस्मों और राखी की तैयारी के साथ-साथ घर पर स्वादिष्ट पकवान भी बनाए जाते हैं. अगर आप सोच रहे हैं कि रक्षाबंधन की सुबह नाश्ते में क्या बनाएं, तो आप ऐसी डिशेज़ चुन सकते हैं जो न सिर्फ़ स्वादिष्ट हों बल्कि बनाने में भी आसान हों. यहां नाश्ते के लिए 5 रेसिपीज दिए गए हैं जो आपके त्योहार की सुबह के नाश्ते को खास बना सकते हैं.

1. आलू पूरी

त्योहार के लिए आलू पूरी से बेहतर पारंपरिक नाश्ता और क्या हो सकता है? गेहूं के आटे से पूरी बनाएं और उन्हें मसालेदार आलू की करी के साथ परोसें. जीरा, हरी मिर्च, धनिया और हल्की सब्जियों का उपयोग करके करी के स्वाद को बढ़ाया जा सकता है. और भी स्वादिष्ट नाश्ते के लिए अचार और दही के साथ परोसें.

2. पनीर पराठा

यदि आप प्रोटीन से भरपूर नाश्ते का विकल्प चाहते हैं, तो आप पनीर पराठा बना सकते हैं. पनीर को कद्दूकस कर लें और उसमें हरी मिर्च, धनिया, नमक और अपने पसंदीदा मसाले मिलाएं. इस मिश्रण को आटे में भरें और पराठे पकाएं. दही या हरी चटनी के साथ परोसें.

3. पोहा

यदि आप हल्का और झटपट नाश्ता पसंद करते हैं, तो पोहा एक बढ़िया विकल्प है. भीगे हुए पोहे को मूंगफली, प्याज, हरी मिर्च और करी पत्ते के साथ तड़का लगाएं. नींबू के रस और धनिये से सजाएं. यह त्योहारी सुबह के लिए कम मेहनत वाला नाश्ता है.

4. सूजी का हलवा और पूरी

सूजी का हलवा और पूरी का संयोजन रक्षाबंधन जैसे त्योहारों के दौरान घर में उत्सव का माहौल बना सकता है. घी में सूजी भूनें और दूध या पानी, चीनी और इलायची डालकर हलवा तैयार करें. इसे पूरी के साथ गरमागरम परोसें. आप इसे कुछ कटे हुए सूखे मेवों से भी सजा सकते हैं.

5. वेज सैंडविच

अगर आप कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जो बच्चों को पसंद आए, तो वेज सैंडविच एक आसान विकल्प है. ब्रेड में खीरा, टमाटर, शिमला मिर्च, प्याज और पनीर भरें. अपनी पसंदीदा चटनी या हल्के मसाले डालें और इसे ग्रिल करें। छोटे टुकड़ों में काटें और बच्चों को परोसें.

नंबर के जरिए बोलती है लिवर की सेहत, जानें क्या है एएलटी टेस्ट, क्यों है जरूरी

नई दिल्ली। लिवर शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है, जो कई जरूरी कार्य एक साथ करता है। इसे शरीर की 'केमिकल फैक्ट्री' भी कहा जाता है, क्योंकि यह लगातार शरीर को स्वस्थ रखने में काम करता रहता है। ऐसे में लिवर की सेहत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय लिवर स्वास्थ्य को लेकर लोगों को जागरूक करते हुए एएलटी टेस्ट के बारे में जानकारी देता है।

लिवर न केवल भोजन को पचाने बल्कि शरीर से विषाक्त पदार्थ निकालने और कई जरूरी प्रोटीन बनाने का काम करता है, इसलिए लीवर को स्वस्थ रखना पूरे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है। स्वास्थ्य मंत्रालय का साफ संदेश है कि 'चेतावनी वाले संकेतों का इंतजार न करें। अपना एएलटी के साथ अपनी सेहत जानें। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं, खासकर वे लोग जो मोटापे से ग्रस्त हैं, डायबिटीज के मरीज हैं या ज्यादा शराब पीते हैं।

मंत्रालय के अनुसार, लिवर एक खास नंबर एएलटी के जरिए अपनी स्थिति बताता है। लक्षण दिखने से बहुत पहले ही यह नंबर लिवर की समस्या का संकेत दे सकता है। एएलटी का पूरा नाम एलेनाइन एमिनो ट्रांस्फरेज है। इसे एसजीपीटी भी कहा जाता है। यह लिवर में पाया जाने वाला एक एंजाइम है। जब लिवर में कोई समस्या होती है, जैसे फैट जमा होना, सूजन या कोई दबाव पड़ना, तो यह एंजाइम खून में बढ़ जाता है। सामान्य एएलटी लेवल आमतौर पर 7 से 56 यू/एल तक होता है। अगर यह स्तर बढ़ जाए तो यह लिवर स्ट्रेस या फैटी लीवर की शुरुआती चेतावनी हो सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, आजकल की व्यस्त और अनियमित लाइफस्टाइल की वजह से लिवर संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। मोटापा, ज्यादा शराब का सेवन, अनहेल्दी खान-पान और कम व्यायाम लिवर पर सबसे ज्यादा असर डालते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि लिवर की कई समस्याएं शुरुआत में कोई साफ लक्षण नहीं दिखातीं। जब लक्षण दिखते हैं, तब समस्या काफी बढ़ चुकी होती है। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि एक साधारण ब्लड टेस्ट से एएलटी लेवल आसानी से पता चल जाता है। यह टेस्ट सस्ता, आसान और हर जगह उपलब्ध है। समय पर एएलटी लेवल जानकर व्यक्ति अपनी डाइट, व्यायाम और लाइफस्टाइल में जरूरी बदलाव कर सकता है। इससे गंभीर बीमारियों जैसे फैटी लीवर, हेपेटाइटिस या सिरोसिस से पहले ही बचाव संभव हो जाता है।

घर में पड़े पके केले आएंगे काम, इस आसान रेसिपी से बनाएं नरम और स्वादिष्ट Banana Muffins

घर में रखे पके केले फेंकने के बजाय उनसे स्वादिष्ट केले के मफिन बनाए जा सकते हैं. कम सामग्री और आसान स्टेप्स वाली यह रेसिपी नाश्ते या शाम की चाय के लिए बढ़िया विकल्प है.

घर में पड़े पके केले आएंगे काम, इस रेसिपी से बनाएं नरम, टेस्टी Banana Muffins

केले के मफिन की खुशबू से महक उठेगा घर किचन में जब केले और मक्खन की खुशबू के साथ ताजा बेक होने वाले मफिन की महक फैलती है, तो माहौल ही बदल जाता है. खासकर वे केले जो ज्यादा पकने के कारण खाने में अच्छे नहीं लगते, उन्हें फेंकने की जरूरत नहीं है. इन्हीं पके केले से घर पर बेहद नरम और स्वादिष्ट मफिन तैयार किए जा सकते हैं. केले के मफिन की खास बात यह है कि इन्हें बनाने के लिए बहुत ज्यादा सामान की जरूरत नहीं पड़ती.

मैदा, केला, मक्खन, चीनी और कुछ सामान्य बेकिंग सामग्री से बैटर तैयार हो जाता है, अगर घर में बच्चे हैं, तो यह रेसिपी उनके लिए भी काफी पसंद की जा सकती है. शाम की चाय के साथ गर्म मफिन परोसें या सुबह के नाश्ते में रखें, दोनों ही तरह से इसका स्वाद अच्छा लगता है. सबसे जरूरी बात यह है कि बैटर को जरूरत से ज्यादा फेंटना नहीं चाहिए, वरना मफिन की मुलायम बनावट प्रभावित हो सकती है.

केले के मफिन बनाने के लिए जरूरी सामग्री

इस रेसिपी के लिए 2 से 3 पके केले, करीब आधा कप पिघला हुआ मक्खन, चीनी स्वाद के अनुसार, 1 अंडा, थोड़ा सा वनीला अर्क, मैदा, बेकिंग सोडा और एक चुटकी नमक चाहिए. केले जितने पके होंगे, मफिन में केले का स्वाद और प्राकृतिक मिठास उतनी ही अच्छी आएगी.

सबसे पहले ओवन को 175 डिग्री सेल्सियस पर गर्म होने के लिए रख दें. इसके बाद मफिन ट्रे में पेपर लाइनर लगा दें. इससे मफिन आसानी से बाहर निकलेंगे और ट्रे भी ज्यादा गंदी नहीं होगी.

केला और मक्खन मिलाएं

अब एक बड़े बाउल में पके केले डालकर अच्छी तरह मैश कर लें. इसमें पिघला हुआ मक्खन डालकर मिला दें. मिश्रण में केले के छोटे टुकड़े रह जाएं तो भी कोई परेशानी नहीं है. इससे मफिन में केले का स्वाद और अच्छा महसूस होगा.

बैटर तैयार करने का सही तरीका

अब केले और मक्खन के मिश्रण में चीनी, अंडा और वनीला अर्क डालें. सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाएं, ताकि मिश्रण एकसार हो जाए. इसके बाद बेकिंग सोडा और एक चुटकी नमक डालकर हल्के हाथ से मिलाएं. अब बारी है मैदा डालने की. मैदा धीरे-धीरे डालते जाएं और स्पैचुला की मदद से हल्के हाथों से मिलाएं. यहां एक छोटी सी बात काफी काम आती है बैटर को जरूरत से ज्यादा न मिलाएं. ज्यादा फेंटने से मफिन भारी और कम मुलायम हो सकते हैं. जैसे ही मैदा अच्छी तरह मिल जाए, बैटर तैयार है.

मफिन कप में कितना बैटर डालें?

तैयार बैटर को मफिन कप में बराबर मात्रा में डालें. हर कप को करीब दो-तिहाई तक भरना सही रहेगा. ऊपर थोड़ी जगह छोड़ने से बेक होने के दौरान मफिन को फूलने के लिए पर्याप्त जगह मिलती है.

हरा कांटेदार ककोरा, सेहत के लिये है बहुत ही फायदेमंद, जानिये इसकी क्रिस्पी रेसिपी

ककोरा, जिसे कंटोला भी कहते हैं, स्वाद और सेहत का खजाना है. यह विटामिन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है, जो इम्यूनिटी बढ़ाता है और पाचन सुधारता है. इसकी क्रिस्पी रेसिपी भी बताई गई है. इसे बनाकर जरूर ट्राई करें. इसका स्वाद भी लाजवाब होता है. बरसात के मौसम में बाजारों में मिलने वाला हरा कांटेदार ककोरा (कंटोला या ककोड़ा) स्वाद के साथ-साथ सेहत का भी खजाना माना जाता है. देखने में यह छोटी करेला जैसी सब्जी लगती है, लेकिन इसके पोषक तत्व इसे खास बनाते हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में इसे बड़े चाव से खाया जाता है और अब शहरों में भी इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है. यदि आप अपने भोजन में कुछ नया और पौष्टिक शामिल करना चाहते हैं, तो ककोरा एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है.

ककोरा में विटामिन सी, विटामिन ए, फाइबर, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करता है. इसमें कैलोरी कम होती है, इसलिए वजन नियंत्रित रखने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए भी यह फायदेमंद माना जाता है. फाइबर की अच्छी मात्रा के कारण यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में सहायक हो सकता है.

विशेषज्ञों के अनुसार, ककोरा में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं. इसके नियमित सेवन से त्वचा को भी लाभ मिल सकता है.

यही कारण है कि इसे एक पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक सब्जी के रूप में देखा जाता है.

मिनटों में चमकाएं बाथरूम के गंदे बाल्टी और मग, सफेद दाग-काली फंगस जड़ से साफ करने वाला उपाय

बाथरूम की सफाई वहां रखें सभी सामानों से जुड़ी होती है. अगर आपके बाथरूम की बाल्टी मग भी पुराने और गंदे नजर आने लगे हैं, तो इन्हें बदलने की जरूरत नहीं है. यहां जानिए इन्हे साफ करने के बेहतरीन तरीके जो इसमें दोबारा नई सी चमक ला देंगे. खासबात है कि आप इसका इस्तेमाल तभी भी कर सकते हैं जब आपकी बाल्टी बेरंग और सफेद नजर आने लगे.

ज्यादातर लोग बाथरूम की फर्श, टाइल्स और वॉशबेसिन की सफाई पर ध्यान देते हैं, लेकिन रोजाना इस्तेमाल होने वाली बाल्टी और मग को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं. लगातार पानी, साबुन और नमी के संपर्क में रहने के कारण इन पर धीरे-धीरे पीले दाग, सफेद परत और गंदगी जमने लगती है. खासतौर पर जिन एरिया में खारे या कठोर पानी की सप्लाई होती है, वहां बाल्टी और मग पर

सफेद निशान जल्दी दिखाई देने लगते हैं.

समय के साथ ये दाग इतने जिद्दी हो जाते हैं कि सामान्य पानी या साबुन से साफ नहीं होते. कई लोग इस समस्या से परेशान होकर नई बाल्टी और मग खरीद लेते हैं, जबकि कुछ लोग महंगे क्लीनिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं. हालांकि, घर में मौजूद कुछ साधारण चीजों की मदद से भी इन जिद्दी दागों को आसानी से हटाया जा सकता है. ये उपाय न केवल किफायती हैं, बल्कि इस्तेमाल करने में भी बेहद आसान हैं. आइए जानते हैं बाल्टी और मग को फिर से चमकदार बनाने के कुछ आसान घरेलू तरीके.

सफेद सिरका एक बेहतरीन प्राकृतिक क्लीनर माना जाता है. इसमें मौजूद एसिटिक एसिड गंदगी, साबुन की जमी परत और पानी के दागों को ढीला करने में मदद करता है. इसके लिए दो कप सफेद सिरके में थोड़ा पानी मिलाएं. अब इस मिश्रण को स्पंज या कपड़े की मदद से बाल्टी और मग पर अच्छी तरह लगाएं और रगड़ें. इसे लगभग 5 मिनट तक लगा रहने दें. इसके बाद साफ पानी से धो लें. इस तरीके से जमी हुई गंदगी और दाग काफी हद तक साफ हो सकते हैं. बेकिंग सोडा सफाई के लिए सबसे लोकप्रिय घरेलू उपायों में से एक है. यह दाग हटाने के साथ-साथ बदबू को भी कम करने में मदद करता है.इसके लिए एक बाउल में आधा चम्मच बेकिंग सोडा, थोड़ा बर्तन धोने वाला लिक्विड और कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर पेस्ट तैयार करें. इस पेस्ट को बाल्टी और मग पर लगाकर 5 से 10 मिनट तक छोड़ दें. फिर स्क्रबर या ब्रश की मदद से हल्के हाथों से रगड़ें और पानी से धो लें. इससे पीलेपन और जिद्दी दागों को हटाने में मदद मिल सकती है.

अगर दाग बहुत पुराने और गहरे हैं, तो ब्लीच पाउडर उपयोगी साबित हो सकता है. यह दागों के साथ-साथ दुर्गंध को भी कम करने में मदद करता है. इसके लिए एक कप ब्लीच पाउडर में थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को दाग वाली जगह पर लगाएं और 15 से 20 मिनट तक छोड़ दें. इसके बाद ब्रश से साफ करें और पानी से अच्छी तरह धो लें. इससे बाल्टी और मग की चमक काफी हद तक वापस आ सकती है.

अगर ये आपके समर्थक हैं... श्वेता तिवारी ने राज ठाकरे से पूछ दिया ऐसा सवाल, मचा बवाल

टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई पोस्ट साझा कर उन लोगों को जवाब दिया, जो महिलाओं से बात करते समय अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं। अभिनेत्री ने दावा किया कि उन्हें गंदे और आपत्तिजनक मैसेज भेजने वालों में कुछ लोग खुद को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे और उनकी पार्टी का समर्थक बता रहे थे। इस पूरे मामले पर श्वेता ने सीधे राज ठाकरे से सवाल किया। श्वेता ने अपनी बात की शुरुआत सोशल मीडिया पर महिलाओं के खिलाफ इस्तेमाल होने वाली अभद्र भाषा पर सवाल उठाते हुए की। उन्होंने कहा, ''यह समस्या सिर्फ कुछ लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि सोशल मीडिया पर यह व्यवहार दुर्भाग्य से काफी आम होता जा रहा है। किसी भी उम्र, किसी भी पेशे और किसी भी पृष्ठभूमि की महिला को लोग अपमानजनक शब्द कह देते हैं। ऐसे लोगों में सिर्फ अनपढ़ या गलत माहौल से आने वाले लोग ही नहीं हैं। कई ऐसे पुरुष भी महिलाओं को गालियां देते हैं, जो पढ़े-लिखे हैं और अच्छे परिवारों से आते हैं।''अभिनेत्री ने कहा, ''इन पुरुषों के अपने घरों में भी महिलाएं होती हैं। किसी की मां है, किसी की पत्नी है, किसी की बेटी है तो किसी की बहन। ऐसे में यह समझ नहीं आता कि कोई व्यक्ति किसी दूसरी महिला को इतनी घटिया भाषा में संबोधित करने के बाद अपने घरवालों के सामने किस तरह खड़ा होता होगा। मेरे लिए यह सिर्फ एक सोशल मीडिया कमेंट नहीं है, बल्कि महिलाओं के प्रति सोच का सवाल है।'' श्वेता ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, ''मैंने अपनी पूरी जिंदगी महाराष्ट्र में बिताई है। मेरे पिता की परवरिश भी मुंबई में हुई है। बचपन से मैंने महाराष्ट्र की संस्कृति को करीब से देखा है और हमेशा यह माना है कि मराठी संस्कृति महिलाओं की इज्जत, उनकी ताकत और उनकी गरिमा को महत्व देती है। ऐसे में जब मैं सोशल मीडिया पर खुद को 'मराठी माणूस' बताने वाले लोगों की ओर से महिलाओं के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए देखती हूं, तो मुझे और ज्यादा दुख होता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मुझे गालियां देने वाले कुछ लोग राज ठाकरे या उनकी पार्टी के समर्थक होने की बात कर रहे थे। मैं सीधे राज ठाकरे से पूछना चाहूंगी कि अगर ऐसे लोग आपके समर्थक हैं और महिलाओं के साथ इस तरह की भाषा में बात करते हैं, तो क्या आप इस व्यवहार को सही मानते हैं? सिर्फ मराठी बोलना या खुद को 'मराठी माणूस' कहना किसी व्यक्ति को सही साबित नहीं करता। महाराष्ट्र से प्यार करने का दावा करने के साथ वहां की महिलाओं की इज्जत करना भी जरूरी है।'' श्वेता ने कहा, ''किसी महिला की इज्जत इस बात से तय नहीं होती कि सामने वाला उसे जानता है या नहीं। अगर किसी व्यक्ति को किसी महिला की बात पसंद नहीं आती, वह उससे असहमत है या उसे वह महिला पसंद नहीं है, तब भी उसे गाली देने का अधिकार नहीं मिल जाता। किसी महिला के बारे में अपनी राय रखना अलग बात है, लेकिन उसके सम्मान को ठेस पहुंचाना बिल्कुल अलग बात है।'' अपनी बात के आखिर में श्वेता ने महिलाओं के सम्मान को लेकर एक सीधा संदेश दिया। उन्होंने कहा, ''सम्मान केवल उन महिलाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए, जिन्हें हम अपने परिवार में जानते हैं या जिनसे प्यार करते हैं। हर महिला सम्मान की हकदार है।''

राखी सावंत से बातचीत में सुनीता आहूजा का बड़ा दावा, कहा- 'गोविंदा शादी करने का प्लान बना रहे थे'

विश्व केसरी

मुंबई। गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। लंबे समय से दोनों की शादीशुदा जिंदगी को लेकर तरह-तरह की खबरें सामने आती रही हैं। अब इस मामले में राखी सावंत और सुनीता आहूजा की फोन पर हुई बातचीत का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस बातचीत में सुनीता ने अपने तलाक के मामले को लेकर अपनी तरफ की बात रखी और गोविंदा का नाम कोमल रानी स्वर्णकार के साथ जोड़ते हुए एक बड़ा दावा किया। मुंबई में पैपराजी से बात करते हुए राखी सावंत ने सुनीता आहूजा को फोन किया। उन्होंने फोन को स्पीकर पर रखा, जिससे वहां मौजूद लोगों को भी सुनीता की बातें सुनाई दीं। इस दौरान सुनीता ने राखी से कहा कि वह उनका साथ दें और लोगों के सामने उनकी बात रखें। सुनीता ने कहा कि राखी को इस पूरे मामले के बारे में काफी कुछ पता है और इसलिए उन्हें उनकी तरफ से बोलना चाहिए। सुनीता ने बातचीत में कहा, ''मैं ठीक हूं बेटा, आप कैसी है। मेरे सपोर्ट में आप सबको बोलना चाहिए। आपको सब मालूम है।

इसके बाद उन्होंने एयरपोर्ट से जुड़ी एक घटना का भी जिक्र किया। सुनीता ने राखी से कहा, ''आपने देखा था कि गोविंदा किसे एयरपोर्ट लेकर गए थे। मैं काफी समय से चुप थीं और अब मुझे ऐसा लग रहा है कि मेरी जगह कोई और लेने की कोशिश कर रहा है।'' इसके बाद सुनीता ने अपने तलाक के केस को लेकर सबसे बड़ा दावा किया। उन्होंने राखी से कहा, ''मैंने कल डिवोर्स केस वापस ले लिया, क्योंकि वो शादी करने के प्लान में थे।

हालांकि इस बातचीत में सुनीता ने जो आरोप लगाए, उसकी पुष्टि नहीं हुई है और गोविंदा या कोमल रानी का पक्ष इस बातचीत में सामने नहीं आया।

सुनीता की बात सुनने के बाद राखी ने उनका अपना पूरा समर्थन दिया। राखी ने कहा कि उन्होंने पहले भी कहा था कि तलाक का केस वापस लेना सही फैसला है।

इसके बाद राखी ने सुनीता को अपनी आर्थिक सुरक्षा को लेकर भी सावधान किया।

राखी ने सुनीता से कहा कि उन्हें करीब 200 करोड़ रुपए की संपत्ति पर ध्यान देना चाहिए और बाकी चीजों को फिलहाल छोड़ देना चाहिए। अगर भविष्य में कोई दूसरी या तीसरी महिला उनकी जिंदगी में आती है, तो वह संपत्ति पर दावा कर सकती है। इसलिए राखी ने सुनीता को सलाह दी कि वह पहले अपनी संपत्ति और आर्थिक हितों को सुरक्षित करें।

ऑडियंस से जुड़ना जरूरी, लेकिन लाइन पार नहीं करनी चाहिए : अमृता बागची

मुंबई। अभिनेत्री अमृता बागची इन दिनों वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में अपनी जबरदस्त परफॉर्मे को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री का मानना है कि जब आप कोई किरदार निभाते हैं, तो आप उसकी दुनिया को जीते हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि जब कोई एक्टर किरदार निभाता है, तो उस किरदार के हालातों के हिसाब से रिएक्ट करता है। उन्होंने कहा, 'जब आप किसी किरदार के कपड़े पहनते हो, तो उसके आर्थिक, सामाजिक, जेंडर, प्रोफेशन या बिल्कुल अलग दुनिया में पहुंच जाते हो। एक्टिंग से आपको नए मौके मिलते हैं। बड़े लेवल पर देखें तो एक्टिंग का एक्सपीरियंस फिल्ममेकिंग में भी बहुत मदद करता है।

उन्होंने कहा, 'जब आप एक एक्टर की तरह सेट को एक्सपीरियंस करते हो, तो समझते हो कि डायरेक्टर की बात एक्टर कैसे सुनता और समझता है। ये भी समझ आता है कि एक्टर को कैसे डायरेक्ट करना चाहिए। आपको समझ आता है कि क्या चीज मदद करती है, सेट के लेवल में डायरेक्टर को कहां खड़ा होना चाहिए और सेट पर कैसा बराबरी वाला माहौल होना चाहिए। ये भी समझ आता है कि जरूरी और कम समय वाले सीन में कंट्रोल कैसे रखना है और काम कैसे जल्दी निपटाना है। मैंने ये सारी चीजें एक्टर के तौर पर देखी हैं और अब डायरेक्टर के तौर पर उन्हें अपनाने की कोशिश करती हूं।'

अभिनेत्री ने बताया, 'पहले मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहती थी, लेकिन अब मुझे एक परफॉर्मर के तौर बहुत प्यार मिल रहा है। शॉर्ट समेत मैंने कई फिल्मों में काम किया, जिन्हें दर्शकों की तरफ से भरपूर प्यार मिला है।

6 साल बाद फिर चर्चा में आया 'क्लास ऑफ 83' का किरदार, अनूप सोनी बोले- 'सबसे दिलचस्प भूमिकाओं में से एक'

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता और टीवी होस्ट अनूप सोनी ने अपनी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'क्लास ऑफ 83' के छह साल पूरे होने पर फिल्म से जुड़ी यादें ताजा की हैं। उन्होंने इस फिल्म में निभाए किरदार को अपने करियर के सबसे दिलचस्प रोल्स में से एक बताया। अनूप ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी कुछ तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि इस फिल्म में काम करना उनके लिए क्यों यादगार रहा। इस दौरान उन्होंने निर्देशक अतुल सभरवाल का भी शुक्रिया अदा किया।

अनूप सोनी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ''क्लास ऑफ 83' को छह साल पूरे हो गए हैं। फिल्म में निभाया गया किरदार मेरे करियर का सबसे दिलचस्प रोल है। इस किरदार को निभाने के दौरान मुझे एक ही व्यक्ति की जिंदगी के अलग-अलग दौर को दिखाने का मौका मिला, जिसके चलते यह किरदार मेरे लिए बाकी किरदारों से थोड़ा अलग और खास बन गया।''

अनूप ने कहा, ''फिल्म में मुझे एक राजनेता का किरदार निभाना था, जिसकी जिंदगी करीब 20 साल के अलग-अलग समय में दिखाई गई। मेरे के लिए यह समझना जरूरी था कि समय के साथ उस व्यक्ति का व्यक्तित्व और उसका अंदाज किस तरह बदलता है। फिल्म ने मुझे एक राजनेता को कई पहलुओं से निभाने का मौका दिया। मैंने इस पूरी प्रक्रिया को काफी एन्जॉय लिया।''

उन्होंने आगे बताया, ''मैंने अपने किरदार के लुक और उसके अलग-अलग पड़ावों को तैयार करने में काफी मेहनत की। एक ही व्यक्ति को अलग उम्र और अलग परिस्थितियों में दिखाना मेरे लिए अभिनय के तरीके से काफी दिलचस्प अनुभव था।''

अनूप ने फिल्म के सेट से अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें वह अपने किरदार में नजर आए। एक तस्वीर में वह अभिनेता बॉबी देओल के साथ भी दिखाई दिए। इस फिल्म के अनुभव को याद करते हुए अनूप सोनी ने निर्देशक अतुल सभरवाल का खास तौर पर शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, ''अतुल सभरवाल के निर्देशन और पूरी टीम की वजह से यह प्रोजेक्ट मेरे लिए यादगार बन पाया। मैं फिल्म से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मेरा इतना सहयोग किया। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए एक यादगार अनुभव रहा।'' क्लास ऑफ 83' में अनूप सोनी ने मुख्यमंत्री मनोहर पाटकर का किरदार निभाया था। वहीं बॉबी देओल फिल्म में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय सिंह की भूमिका में नजर आए थे। फिल्म की कहानी पुलिस और अपराध की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है और इसमें कई ऐसे किरदार दिखाए गए हैं, जिनकी अपनी अलग कहानी है। गीतिका त्यागी ने बॉबी देओल के किरदार की पत्नी सुधा सिंह की भूमिका निभाई थी, जबकि भूपेंद्र जदावत प्रमोद शुक्ला के किरदार में नजर आए थे।

ब्लैक टी-शर्ट और सनग्लासेस में दिखीं प्रीति जिंटा, 'वाइब' के लिए दिया हिंट

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री प्रीति जिंटा जल्द ही हाई-स्टेक्स एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'वाइब' में नजर आएंगी। शुक्रवार को अभिनेत्री ने फिल्म की ओर इशारा करते हुए खास पोस्ट शेयर किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर शेयर की, जिसमें वह ब्लैक ओवरसाइज्ड टी-शर्ट के साथ चंकी सनग्लासेस पहने नज़र आ रही हैं। तस्वीर में, एक्ट्रेस फोटो के लिए पोज देते हुए लेंस की तरफ देखती हुई दिख रही हैं।

अभिनेत्री ने लिखा, 'एक पल थामने के लिए, एक पल सोचने के लिए, जिंदगी जीने के लिए और अब बिल्कुल नए वाइब के साथ डूब रही हूं। टिंग।' कुणाल खेमू द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म 'वाइब' को कुणाल खेमू और चिराग निहलानी ड्रेंगो फिल्म्स के बैनर तले रिलीज किया जाएगा।

फिल्म में प्रीति जिंटा, कुणाल खेमू, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर (डेब्यू) मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। वाइब इस साल 18 सितंबर को ऑडियंस के सामने आएगी। फिल्म की कहानी दो जिगरी दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी साधारण जिंदगी एक अप्रत्याशित और हाई-एनर्जी एडवेंचर में बदल जाती है। इस सफर में उनकी दोस्ती और जीने की जिद दोनों इम्तिहान में बदल जाती है।

इसके साथ ही, अभिनेत्री पीरियड ड्रामा फिल्म 'बंटवारा 1947' में नजर आ रही हैं, जिसे राजकुमार संतोषी ने को-राइट और डायरेक्ट किया है। फिल्म को आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है।

फिल्म की कहानी 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन के समय की पृष्ठभूमि पर आधारित बताई जा रही है। यह उन आम लोगों की जिंदगी को दिखाती है जो इस विभाजन से प्रभावित हुए थे। कहानी में एक हिंदू परिवार को दिखाया गया है जो भारत से लाहौर आता है और उन्हें एक हवेली मिलती है जो पहले एक हिंदू परिवार की थी। कहानी में मोड़ तब आता है जब उन्हें पता चलता है कि उस हवेली में एक बुजुर्ग हिंदू महिला अभी भी रह रही है। इसी स्थिति से इंसानी रिश्तों, भावनाओं और संघर्ष की एक गहरी कहानी पेश की जाएगी।

रक्षाबंधन और बलराम जयंती पर 28 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगी एनिमेटेड फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ'

विश्व केसरी

मुंबई। भगवान जगन्नाथ की भक्ति और उनकी अद्भुत दुनिया को बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए एक खास खबर सामने आई है। लंबे समय से चर्चा में रही एनिमेटेड फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' अब सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। खास बात यह है कि फिल्म को ऐसे अवसर पर रिलीज किया जा रहा है, जब देशभर में रक्षाबंधन और भगवान बलराम की जयंती का उत्साह देखने को मिलेगा। ऐसे में फिल्म की रिलीज को लेकर निर्माता भी उत्साहित हैं। महाप्रभु जगन्नाथ 28 अगस्त 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए इसकी घोषणा की। फिल्म की कहानी भगवान जगन्नाथ से जुड़ी आस्था, परंपराओं और उनकी दिव्य दुनिया को एनिमेशन के जरिए दर्शकों के सामने रखने की कोशिश करती है। खास तौर पर बच्चों और परिवारों को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार किया गया है, ताकि एक साथ बैठकर फिल्म देखी जा सके और धार्मिक कहानी को मनोरंजन के साथ समझा जा सके।

फिल्म के निर्माता दुर्गा प्रसाद दलाई ने रिलीज डेट को लेकर अपनी भावनाएं जाहिर कीं। उन्होंने कहा, ''जिंदगी में कुछ ऐसे मौके आते हैं, जब लगता है कि सब कुछ पहले से ही तय हो चुका है। फिल्म ने बनने से लेकर रिलीज तक काफी सफर तय किया है और अब रक्षाबंधन और बलराम जयंती जैसे विशेष पर्व पर इसे सिनेमाघरों तक पहुंचते देखना मुझे महाप्रभु जगन्नाथ का आशीर्वाद लगता है।''

दुर्गा प्रसाद दलाई ने आगे कहा, ''बलराम जयंती मेरे लिए बेहद खास अवसर है। मेरी टीम हमेशा से ऐसी फिल्म बनाना चाहती थी, जिसे बच्चे और परिवार साथ मिलकर देख सकें और महाप्रभु जगन्नाथ की दुनिया को करीब से महसूस कर सकें। इस फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए इससे ज्यादा अच्छा समय शायद नहीं हो सकता था। टीम ने अपनी तरफ से पूरी श्रद्धा और ईमानदारी के साथ फिल्म तैयार की है और अब वे इसे महाप्रभु जगन्नाथ के भरोसे छोड़ रहे हैं।''

बलराम जयंती भगवान कृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम के जन्मदिवस के रूप में मनाई जाती है। यह दिन श्रावण मास की पूर्णिमा को पड़ता है और धार्मिक रूप से काफी महत्वपूर्ण माना जाता है।

'महाप्रभु जगन्नाथ' का निर्माण ईएलई एनिमेशंस ने किया है। यह इस स्टूडियो की सनातन यूनिवर्स के तहत पहली ऐसी फिल्म है, जिसे सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। एनिमेशन के जरिए फिल्म में भगवान जगन्नाथ की दुनिया और उनसे जुड़ी पुरानी मान्यताओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की कोशिश की गई है।

फिल्म का संगीत भी अलग-अलग भाषाओं में तैयार किया गया है। इसका साउंडट्रैक हिंदी, उड़िया और तेलुगु में जारी किया गया है। फिल्म में अथर्व बक्शी, अविरल कुमार और अभय जोधपुरकर समेत कई कलाकारों ने अपनी आवाज दी है।

एआई-आधारित साइबर सुरक्षा को लेकर पीयूष गोयल ने चेक प्वाइंट के सीईओ से की चर्चा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सिंगापुर दौरे के दौरान वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी चेक प्वाइंट सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नादव जफरीर से मुलाकात कर भारत में कंपनी की बढ़ती भागीदारी, साइबर सुरक्षा सहयोग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित सुरक्षा समाधानों पर चर्चा की।

भारत में इजरायल के राजदूत रियुवेन अजार ने एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए बताया कि बैठक में भारत में चेक प्वाइंट की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के विस्तार और देश की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की सुरक्षा के लिए एआई-आधारित सुरक्षा प्रणालियों के उपयोग पर विचार-विमर्श किया गया।

अजार के अनुसार, दोनों पक्षों ने साइबर सुरक्षा, डिजिटल विश्वास और एआई-संचालित नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की, जिसका उद्देश्य भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और टेक्नोलॉजी-आधारित विकास को सुरक्षित और मजबूत आधार प्रदान करना है।

यह बैठक ऐसे समय हुई है जब भारत डिजिटल भुगतान, डिजिटल पहचान, ऑनलाइन सरकारी सेवाओं और डेटा आधारित सार्वजनिक सेवाओं के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो चुका है। ऐसे में बढ़ते साइबर खतरों से इन प्रणालियों की सुरक्षा एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता बन गई है। सिंगापुर यात्रा के दौरान पीयूष गोयल लगातार भारत और एशियाई देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर दे रहे हैं। भारत-सिंगापुर बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत की मजबूत आर्थिक प्रगति, निवेश के अवसरों और कारोबार सुगमता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे सुधारों को रेखांकित किया।

गोयल ने सिंगापुर की विदेश एवं व्यापार-उद्योग राज्य मंत्री गैन सियो हुआंग और अन्य अधिकारियों के साथ एक विशेष कार्यक्रम में भी भाग लिया, जिसका उद्देश्य भारतीय कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना था। उन्होंने बताया कि इस पहल के माध्यम से जैविक उत्पाद, ताजे फल एवं सब्जियां, जमे हुए फल एवं सब्जियां, दुग्ध उत्पाद, काजू, चावल और मोटे अनाज आधारित उत्पादों को सिंगापुर में प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे भारतीय किसानों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए सिंगापुर, आसियान देशों और ऑस्ट्रेलिया के बाजारों में नए अवसर खुलेंगे।

यूक्रेन का रूस पर बड़ा ड्रोन हमला, तेल रिफाइनरी और सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

विश्व केसरी

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के खिलाफ लंबी दूरी के हमलों को जारी रखने का दावा किया है। उन्होंने बताया कि गुरुवार रात यूक्रेनी हमलों में रूस की पर्म तेल रिफाइनरी, मैरिनोवका सैन्य हवाई अड्डे और अन्य सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हम युद्ध के परिणामों को वहीं वापस पहुंचाने के लिए अपनी लंबी दूरी वाली प्रतिबंध और जवाबी कार्रवाई की रणनीति जारी रखे हुए हैं, जहां से यह युद्ध शुरू हुआ था। बीती रात हमारे लंबी दूरी के हमलों ने सीमा से 1,600 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित 'पर्म' की तेल रिफाइनरी और रूस के वोल्गोग्राद क्षेत्र में मौजूद 'मैरिनोवका' सैन्य हवाई अड्डे को निशाना बनाया। काला सागर के क्षेत्र में भी हमें कुछ परिणाम मिले हैं।' उन्होंने बताया कि हमें पहले किए गए हमलों के भी पुष्टि किए गए नतीजे मिले हैं। 'अख्तुबिंस्क' हवाई अड्डे पर रूस का एक एसयू-34 लड़ाकू विमान क्षतिग्रस्त हुआ है। यह स्थान अग्रिम मोर्चे से लगभग 600 किलोमीटर दूर है।

जेलेंस्की ने कहा कि इसके अलावा, प्रिमोर्स्को-अख्तार्स्क में, जो लगभग 180 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, हमला करने वाले ड्रोन के भंडारण, तैयारी और लॉन्च केंद्र को निशाना बनाया गया। रूस इन्हीं ड्रोन का इस्तेमाल हमारे लोगों पर हमले करने के लिए करता है।

उन्होंने बताया कि रूस के घातक हमले लगातार जारी हैं। बुधवार देर रात भी रूस ने यूक्रेन में भारी तबाही मचाई। उन्होंने बताया कि रूस लंबे समय से इसकी तैयारी कर रहा था और उसने बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और ड्रोन जैसे अलग-अलग हथियारों का एक साथ इस्तेमाल किया, ताकि नागरिक बुनियादी ढांचे को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सके। कीव और उसके आसपास के इलाके, साथ ही ओडेसा और चेर्निहीव क्षेत्रों में काफी नुकसान हुआ है।

संक्षिप्त खबर

कैमरून-सीएआर सीमा पर सोने की खदान ढही, 100 से अधिक लोगों की मौत

विश्व केसरी

याउंडे। कैमरून और मध्य अफ्रीकी गणराज्य (सीएआर) की सीमा पर स्थित एक गांव में सोने की खदान ढहने से 100 से अधिक खनिकों की मौत हो गई। स्थानीय प्रशासन और मीडिया के मुताबिक, हादसा मंगलवार दोपहर हुआ और राहत-बचाव अभियान अब भी जारी है। कैमरून के पूर्वी क्षेत्र के गवर्नर ग्रेगोयर म्वोंगो ने बताया कि हादसा स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब दो बजे जाम्बोये गांव के पास हुआ। उन्होंने कहा कि गांव सीमा पर स्थित है, लेकिन खदान मध्य अफ्रीकी गणराज्य की तरफ थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तीन से पांच कैमरूनी नागरिकों की मौत हुई है और बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। कैमरून के सरकारी प्रसारक सीआरटीवी ने मृतकों की संख्या 100 से अधिक बताई है। वहीं, स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मलबे से अब तक 107 शव निकाले जा चुके हैं। हालांकि, मध्य अफ्रीकी गणराज्य के खान एवं भूविज्ञान मंत्री रूफिन बेनाम-बेलटूंगू ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद 49 लोगों की मौत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि मृतकों में 34 मध्य अफ्रीकी गणराज्य के नागरिक, 13 कैमरून के नागरिक और दो चाड के नागरिक शामिल हैं।

हौतियों का दावा : सऊदी अरब के नजरान एयरपोर्ट और अरामको तेल केंद्र पर ड्रोन हमला

विश्व केसरी

सना। यमन के हौती विद्रोही समूह ने गुरुवार को दावा किया कि उसने सऊदी अरब के दक्षिणी नजरान क्षेत्र में स्थित एक एयरपोर्ट और सरकारी तेल कंपनी अरामको की एक तेल सुविधा पर ड्रोन हमले किए हैं। हौती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि समूह ने दो ड्रोन हमले किए। इनमें एक ड्रोन ने नजरान एयरपोर्ट पर एक 'संवेदनशील लक्ष्य' को निशाना बनाया, जबकि दूसरे ड्रोन ने सऊदी अरामको की एक तेल सुविधा पर हमला किया। याह्या सरी ने दावा किया कि दोनों हमले अपने लक्ष्य हासिल करने में सफल रहे। हालांकि, उन्होंने किसी भी तरह के नुकसान या हताहतों की संख्या की जानकारी नहीं दी। हौती समूह के अनुसार, ये हमले सऊदी अरब की ओर से यमन के उत्तरी सादा प्रांत के हवाई क्षेत्र में ड्रोन घुसपैठ के जवाब में किए गए। सादा प्रांत हौतियों का प्रमुख गढ़ है और इसकी सीमा सऊदी अरब से लगती है। फिलहाल सऊदी सरकार या अरामको की ओर से हौतियों के इन दावों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह दावा ऐसे समय सामने आया है जब हौतियों और सऊदी अरब के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। इस बीच, यमन की सरकारी सेना ने भी गुरुवार को दावा किया कि उसने पिछले 24 घंटों में हौती ठिकानों के खिलाफ 81 सैन्य अभियान चलाए हैं। सरकारी सेना के प्रवक्ता माजिद अल-मुजैली ने कहा कि इन अभियानों में कई मोर्चों पर हौती लड़ाकों और उनके ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें कई लड़ाके और फील्ड कमांडर मारे गए या घायल हुए।

लोकतंत्र खत्म करने के लिए हुआ था बंगबंधु एवेन्यू पर हमला, देश के इतिहास का सबसे क्रूर अध्याय : शेख हसीना

विश्व केसरी

ढाका। ढाका के बंगबंधु एवेन्यू में अवामी लीग की रैली पर हुए 2004 के घातक ग्रेनेड हमले की 22वीं बरसी पर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस घटना को देश के इतिहास के सबसे 'क्रूर और शर्मनाक' अध्यायों में से एक बताया।

अवामी लीग के अनुसार, इस हमले में पार्टी और उससे जुड़े संगठनों के 24 नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौत हो गई थी, जबकि 300 से अधिक लोग ग्रेनेड के छर्रों से घायल हुए थे। मारे जाने वालों में उस समय की महिला अवामी लीग प्रमुख इवी रहमान भी शामिल थीं, जो बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जि ?ल्लुर रहमान की पत्नी थीं। उस समय विपक्ष की नेता रहीं शेख हसीना इस हमले में बाल-बाल बच गई थीं, हालांकि उनके कान में चोट लगी थी, जिसकी तकलीफ उन्हें आज भी है।

अवामी लीग ने आरोप लगाया कि 21 अगस्त 2004 को हुआ यह 'बर्बर हमला' आतंकवादी संगठन हरकत-उल-जिहाद (हूजी) ने उस समय की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी गठबंधन सरकार के इशारे पर किया था। अवामी लीग की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्?स' पर साझा किए गए एक बयान में हसीना ने कहा कि इस हमले का उद्देश्य बांग्लादेश की लोकतांत्रिक राजनीति को नुकसान पहुंचाना था। हसीना ने कहा, 'इस हमले का मकसद हमारी लोकतांत्रिक राजनीति को खत्म करना और फिर से टकराव की राजनीति को मुख्यधारा में लाना था। यह वही रास्ता था जिसकी शुरुआत 15 अगस्त को बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान और उनके परिवार की हत्या के बाद हुई थी। आज हमें यह कहकर बदनाम किया जाता है कि हमने बांग्लादेश में लोकतंत्र को नष्ट किया।' उन्होंने युवाओं से बांग्लादेश के इतिहास को निष्पक्ष रूप से समझने की अपील करते हुए कहा, 'मैं नई पीढ़ी से कहना चाहती हूं कि इतिहास को निष्पक्ष नजरिए से पढ़ें। देखें कि 15 अगस्त की हत्याएं किसने कराईं। सुरक्षित जेल के अंदर चार राष्ट्रीय नेताओं की हत्या किसने की? सैन्य शासन लागू कर गैरकानूनी तरीके से सत्ता पर कब्जा किसने किया? इंडेम्निटी ऑर्डिनेंस किसने लागू किया? तथाकथित 'किंग्स पार्टी' किसने बनाई? सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए राजनीतिक विरोधियों को ग्रेनेड हमलों के जरिए खत्म करने की कोशिश किसने की?'

पूर्व प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि स्वतंत्रता-विरोधी राजनीतिक सोच का समर्थन करने वाली ताकतों ने पांच अगस्त 2024 के बाद बांग्लादेश में फिर से अपनी पकड़ मजबूत कर ली है।

ग्रीस स्थित भारतीय दूतावास पहुंचीं इजरायली राजदूत बोलीं- हमारे सबसे अच्छे मित्रों में से एक भारत

विश्व केसरी

एथेंस। ग्रीस में भारत के राजदूत रवि शंकर ने इजरायल की नवनियुक्त राजदूत पनिनत यानाय से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच मजबूत होते रणनीतिक संबंधों पर चर्चा की। इजरायल की नई राजदूत ने गुरुवार को शिष्टाचार भेंट के तहत भारतीय दूतावास का दौरा किया, जहां राजदूत रवि शंकर ने उनका स्वागत किया। ग्रीस स्थित दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ये जानकारी साझा की। वहीं यानाय ने भी इस मुलाकात की झलक साझा करते हुए लिखा 'यरूशलम से नई दिल्ली तक सच्ची दोस्ती! जो सीमाओं से परे है।'

यानाय ने मुलाकात से पहले, दौरान और फिर बाद के पलों को 36 सेकंड की रील में संजोया। भारतीय दूतावास जाने से पहले उन्होंने कहा, 'आज हम इजरायल के बेहतरीन दोस्तों में से एक भारत के दूतावास जा रहे हैं।'

इसके बाद उन्हें भारतीय दूतावास का दौरा करते देखा जा सकता है। उनके साथ राजदूत भी दिख रहे हैं। भारत, इजरायल और ग्रीस के बीच पिछले कुछ वर्षों में रणनीतिक संपर्क बढ़ा है। तीनों देश भूमध्यसागरीय क्षेत्र और व्यापक पश्चिम एशिया में व्यापार, संपर्क, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी तथा समुद्री सहयोग जैसे क्षेत्रों में साझा हित रखते हैं। बदलते क्षेत्रीय समीकरणों के बीच इन देशों के बीच संवाद को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इजरायली एंबेसी ने राजदूत यानाय को कोट करते हुए लिखा कि इजरायल और भारत के बीच सिर्फ साझा हित ही नहीं हैं- बल्कि पिछले कुछ सालों में, हमारे दोनों देशों ने भरोसे, साझा मूल्यों और कई क्षेत्रों में व्यापक सहयोग पर आधारित एक मजबूत, गहरी और रणनीतिक दोस्ती बनाई है।

दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान ने प्योंगयांग के मिसाइल प्रक्षेपण पर की चर्चा

विश्व केसरी

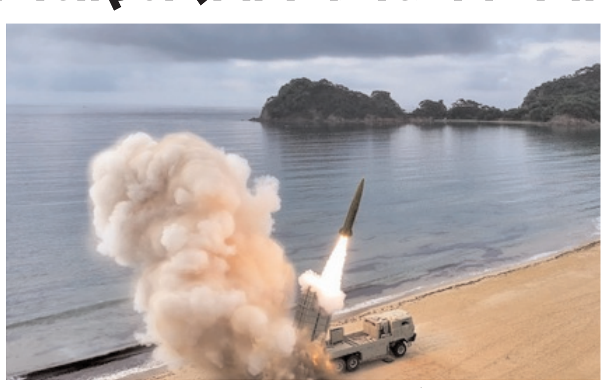

सोल। दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के वरिष्ठ राजनयिकों ने शुक्रवार को उत्तर कोरिया के बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण को गंभीर माना है। इस मामले को लेकर राजनयिकों ने फोन पर बातचीत की और स्थिति से जुड़ी सूचनाएं साझा करते हुए संभावित जवाबी कदमों पर भी चर्चा की। दक्षिण कोरिया के अनुसार, गुरुवार को प्योंगयांग की ओर से मिसाइलें दागी गई थीं।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया कि, कोरियाई प्रायद्वीप नीति के महानिदेशक बेक योंग-जिन ने अमेरिकी विदेश विभाग में पूर्वोत्तर एशिया मामलों के उप सहायक सचिव डेविड वाइनजोल और जापान के विदेश मंत्रालय के एशियाई एवं ओशिनियाई मामलों के ब्यूरो के उप महानिदेशक ताकाशी अरियोशी से बातचीत की।

मंत्रालय ने कहा कि तीनों अधिकारियों ने जरूरी और प्रासंगिक सूचनाएं साझा कीं और भविष्य में इस पर कैसे रिएक्ट करना है इस पर विचार-विमर्श किया। बता दें कि तीनों देशों के विदेश मामलों के अधिकारियों के बीच उत्तर कोरिया के बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण की स्थिति में तत्काल सूचनाएं और आकलन साझा करने के लिए एक नियमित चैनल मौजूद है।

दक्षिण कोरियाई सेना ने गुरुवार को बताया था कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की ओर कम दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। यह प्रक्षेपण ऐसे समय हुआ जब दक्षिण कोरिया और अमेरिका अपना संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहे थे। प्योंगयांग इस अभ्यास को युद्ध की तैयारी बताते हुए लगातार इसकी आलोचना करता रहा है।

बलूचिस्तान के सरनान कस्बे पर बीएलए लड़ाकों का कब्जा, पुलिस स्टेशन उड़ाया

विश्व केसरी

क्वेटा। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने बलूचिस्तान के पिशिन जिले के सरनान कस्बे पर 'पूरी तरह कब्जे' का दावा किया। संगठन के अनुसार, इस कार्रवाई में एक पुलिस स्टेशन को विस्फोट करके उड़ा दिया गया।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, सरकारी कार्यालयों में भी आग लगा दी गई और कई पुलिसकर्मियों को कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया था।

द बलूचिस्तान पोस्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया कि गुरुवार को हुए इस हमले के दौरान बीएलए के लड़ाकों ने पुलिस स्टेशन से हथियार और गोला-बारूद अपने कब्जे में ले लिए और बाद में विस्फोटकों से इमारत को नष्ट कर दिया। उन्होंने नेशनल डेटाबेस एंड रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी (एनएडीआरए) कार्यालय समेत कई सरकारी दफ्तरों में भी आग लगा दी। अभियान के बाद जारी एक बयान में बीएलए के प्रवक्ता जियांद बलूच ने कहा, 'आज बलूच लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने पिशिन के सरनान कस्बे पर पूरा नियंत्रण हासिल कर लिया। उन्होंने पुलिस स्टेशन, नादरा कार्यालय और अन्य सरकारी इमारतों को अपने कब्जे में लिया। इस दौरान कई पुलिसकर्मियों को हिरासत में लिया गया था, जिन्हें बाद में रिहा कर दिया गया। पुलिस स्टेशन से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त करने के बाद इमारत को विस्फोट से ध्वस्त कर दिया गया। बलूच लिबरेशन आर्मी इस कार्रवाई की जिम्मेदारी लेती है।' इस बीच, प्रमुख बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने शुक्रवार को दावा किया कि सरनान अभियान के बाद बलूच लड़ाकों ने बलूचिस्तान के बोलान क्षेत्र में स्थित कहातान पुलिस स्टेशन पर भी कब्जा कर लिया और पुलिस रिकॉर्ड, हथियार तथा गोला-बारूद जब्त करने के बाद उसे आग के हवाले कर दिया।

अमेरिका ने हिज्बुल्लाह तक नकदी पहुंचाने वाले दस लोगों पर प्रतिबंध लगाए

विश्व केसरी

न्यूयॉर्क। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) ने हिज्बुल्लाह तक नकदी पहुंचाने का काम करने वाले दस लोगों पर प्रतिबंध लगाए हैं।

ओएफएसी के मुताबिक, यह नेटवर्क लेबनान, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ईरान के बीच व्यावसायिक एयरलाइंस की उड़ानों से यात्रा करने वाले कुरियरों का इस्तेमाल करता है। दावा किया गया है कि इस नेटवर्क के जरिए विभिन्न देशों के बीच सैकड़ों मिलियन डॉलर तक की रकम पहुंचाई जाती है। इससे हिज्बुल्लाह को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से बाहर रहकर विदेशी मुद्रा हासिल करने और प्रतिबंधों से बचने का रास्ता मिलता है। अमेरिकी वित्त विभाग की ओर से कहा गया, 'अमेरिकी वित्त विभाग के ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) ने दस ऐसे लोगों को नामित किया है जो हिज्बुल्लाह को नकदी पहुंचाने वाले नेटवर्क का हिस्सा हैं। यह नेटवर्क लेबनान, तुर्किये, यूएई और ईरान के बीच यात्रा करने वाले कुरियरों का उपयोग करता है, जो विभिन्न देशों के बीच सैकड़ों मिलियन डॉलर तक की रकम ले जाते हैं। इससे हिज्बुल्लाह को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से बाहर विदेशी मुद्रा प्राप्त करने और प्रतिबंधों से बचने में मदद मिलती है।'

ग्रीन कार्ड के मुख्य फॉर्म में बदलाव, यूएससीआईएस 18 सितंबर से लागू करेगा आई-485 का नया फॉर्म

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) अगले महीने स्थायी निवास के लिए आवेदन करने वाले लोगों के लिए एक नया आवेदन फॉर्म लागू करने जा रही है। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि बदलाव लागू होने के बाद यदि पुराना फॉर्म जमा किया गया, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यूएससीआईएस ने आधिकारिक सूचना में कहा कि फॉर्म आई-485 का नया संस्करण (ऐप्लीकेशन टू रजिस्टर परमानेंट रेसिडेंस और अडजस्ट स्टेटस) 18 सितंबर को जारी किया जाएगा।

फॉर्म आई-485 का इस्तेमाल उन योग्य लोगों की ओर से किया जाता है जो पहले से अमेरिका में रह रहे हैं और कानूनी स्थायी निवासी दर्जा, यानी ग्रीन कार्ड, प्राप्त करना चाहते हैं। यह बदलाव खास तौर पर उन भारतीय नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है जो रोजगार या परिवार आधारित ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर रहे हैं। इनमें ऐसे लोग भी शामिल हैं जो वर्षों से इमिग्रेंट वीजा नंबर उपलब्ध होने का इंतजार कर रहे हैं। यूएससीआईएस के अनुसार, नए फॉर्म पर 18 सितंबर 2026 की संस्करण तिथि होगी और यह 20 जनवरी 2025 वाले पुराने संस्करण की जगह लेगा। एजेंसी ने आवेदकों और इमिग्रेशन वकीलों को नए फॉर्म और उससे जुड़े निर्देशों की झलक भी उपलब्ध कराई है। यूएससीआईएस ने साफ किया है इसमें कोई ग्रेस पीरियड नहीं होगा जिसमें दोनों संस्करणों को एक साथ स्वीकार किया जाए। इसलिए, आवेदकों को यह तय करना होगा कि वे किस तारीख को एप्लीकेशन पोस्ट कर रहे हैं या इलेक्ट्रॉनिक रूप से जमा कर रहे हैं और उसी के अनुसार ही फॉर्म का इस्तेमाल करना होगा। यूएससीआईएस 20 जनवरी 2025 वाले संस्करण को तभी स्वीकार करेगा जब उसे 18 सितंबर से पहले डाक द्वारा भेजा गया हो या ऑनलाइन जमा किया गया हो। लेकिन यदि वही पुराना फॉर्म 18 सितंबर या उसके बाद भेजा या ऑनलाइन जमा किया गया, तो उसे सीधे अस्वीकार कर दिया जाएगा।

दो करोड़ की लागत से बन रही मॉडल नाली से जनजीवन प्रभावित

खुदाई की मिट्टी सड़क पर डालने से बढ़ी परेशानी; बारिश के बाद फिर फैला कीचड़

विश्व केसरी

बीजापुर (के. संतोष)। नगर पालिका द्वारा दुर्ग रोड की ओर करीब दो करोड़ रुपए की लागत से मॉडल नाली का निर्माण कराया जा रहा है। नाली निर्माण के लिए की गई खुदाई से निकली मिट्टी को सड़क किनारे डालने के कारण बारिश में मुख्य सड़क दलदल में तब्दील हो गई है। डामरीकृत सड़क पर मिट्टी और पानी जमा होने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। स्थिति यह है कि सड़क से पैदल, साइकिल और दोपहिया वाहन लेकर गुजरना भी मुश्किल हो गया है। स्कूली बच्चों और ई-रिक्शा चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है।

बेमेतरा से दुर्ग की ओर जाने वाले इस मार्ग पर दिनभर हजारों छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही रहती है। भारी वाहनों के लगातार गुजरने से सड़क पर जमा कीचड़ और ज्यादा फैल गया है। इसके चलते सड़क के दोनों ओर फिसलन की स्थिति बनी हुई है। कार और मोटरसाइकिल चालकों को वाहन नियंत्रित करने में परेशानी हो रही है। वहीं ई-रिक्शा चालकों को भी कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है।

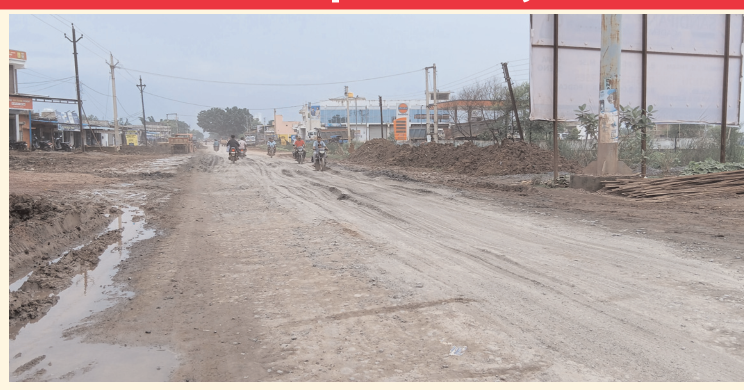

मंत्री के कार्यक्रम से पहले डाली गई थी गिट्टी, बारिश में फिर बिगड़ी स्थिति

बताया गया कि टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री के आगमन को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने आनन-फानन में सड़क के दलदली हिस्से में गिट्टी डलवाई थी। इससे कुछ समय के लिए आवागमन सुचारु हुआ, लेकिन बारिश होने के बाद गिट्टी के आसपास जमा मिट्टी फिर कीचड़ में बदल गई। अब सड़क पर दोबारा दलदल जैसी स्थिति बन गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाली निर्माण जरूरी है, लेकिन निर्माण एजेंसी को सड़क पर यातायात प्रभावित न हो, इसकी व्यवस्था भी करनी चाहिए। खुदाई से निकलने वाली मिट्टी को सड़क किनारे रखने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रखने या तत्काल हटाने की व्यवस्था की जाती तो बारिश के बाद ऐसी स्थिति नहीं बनती।

साइकिल से सड़क पार करना भी मुश्किल

सड़क पर कीचड़ अधिक होने के कारण साइकिल से आवागमन करने वाले लोगों को विशेष परेशानी हो रही है। स्कूल जाने वाले बच्चों को इसी मार्ग से गुजरना पड़ता है। कई स्थानों पर कीचड़ इतना अधिक है कि साइकिल निकालना मुश्किल हो जाता है। दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने का खतरा भी बना हुआ है। लोगों ने निर्माण कार्य के दौरान वैकल्पिक रास्ता या पैदल चलने के लिए सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने की मांग की है।

भारी वाहनों की आवाजाही से समस्या बढ़ी

दुर्ग मार्ग शहर के प्रमुख मार्गों में शामिल है। इस रास्ते से दिनभर ट्रक, बस, कार, मालवाहक वाहन और अन्य भारी वाहनों की आवाजाही होती है। सड़क पर मिट्टी और पानी जमा होने के कारण भारी वाहनों के गुजरने पर कीचड़ आसपास तक फैल रहा है। इससे सड़क का बड़ा हिस्सा प्रभावित हो रहा है। यदि बारिश का दौर जारी रहा तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर होने की आशंका है।

नगर पालिका बोली- मिट्टी एकत्र कर हटाई जाएगी

नगर पालिका के अनुसार नाली निर्माण के दौरान खुदाई से निकली मिट्टी को फिलहाल सड़क किनारे रखा गया है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद मिट्टी को एकत्र कर हटाया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान यातायात प्रभावित न हो, इसका ध्यान रखा जा रहा है।

मेंटेनेंस के बावजूद हर 10 मिनट में गुल हो रही बिजली, उपभोक्ता परेशान

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। शहर में बिजली व्यवस्था एक बार फिर लड़खड़ा गई है। लगातार मेंटेनेंस और नए ट्रांसफार्मर लगाने के बावजूद उपभोक्ताओं को नियमित बिजली सप्लाई नहीं मिल पा रही है। स्थिति यह है कि कई इलाकों में हर 10 मिनट के अंतराल में बिजली बंद और चालू हो रही है। बार-बार ट्रिपिंग से घरेलू कामकाज के साथ ही दुकानदारों और व्यापारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ता लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से विद्युत कंपनी से शिकायत कर समस्या के स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

शहर में बिजली की आंख-मिचौली से लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पिछले कुछ समय से विद्युत कंपनी द्वारा लगातार मेंटेनेंस कार्य किए जा रहे हैं। इसके बावजूद बिजली आपूर्ति व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। कई क्षेत्रों में बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली बंद हो जाती है और कुछ समय बाद चालू होने के बाद फिर से ट्रिप कर जाती है। इससे लोगों को यह समझना मुश्किल हो रहा है कि बिजली कटौती मेंटेनेंस के कारण है या तकनीकी खराबी की वजह से।

21 अगस्त को पांच घंटे बंद रहेगी 11 केवी लाइन

विद्युत कंपनी के मुख्य कर्मचारी की ओर से सोशल मीडिया पर दी गई जानकारी के अनुसार, गस्ती चौक में दो नए ट्रांसफार्मर डीपी का कार्य और अरोरा ट्रांसफार्मर में एबी स्विच लगाने का काम किया जाना है। इसके लिए 21 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक 11 केवी दुर्ग रोड फीडर की बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान मोहभट्ठा रोड, रेस्ट हाउस रोड, सिग्नल चौक, दुर्ग रोड, गंजपारा, पंजाबीपारा और नयापारा सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। कंपनी ने उपभोक्ताओं से कार्य अवधि में सहयोग करने की अपील की है।

220 हाई पावर लाइन में फाल्ट से भी परेशानी

शहर में बार-बार बिजली बंद होने के पीछे 220 हाई पावर लाइन में आ रही तकनीकी समस्या भी सामने आई है। विद्युत कंपनी के अनुसार लाइन चालू करने के दौरान बार-बार ट्रिपिंग हो रही है। अनावश्यक फाल्ट के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। फाल्ट का पता लगाकर आपूर्ति सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है।

वहीं उपभोक्ताओं की ओर से स्थानीय स्तर की खराबियों की शिकायतें भी सोशल मीडिया पर लगातार सामने आ रही हैं। वार्ड नंबर 13 सिंघौरी बस्ती में स्कूल के पास डीओ गिरने की शिकायत उपभोक्ता ने की है। शिकायत में बताया गया है कि डीओ गिरने के बाद क्षेत्र में बिजली नहीं आ रही है और विद्युत विभाग से मौके पर पहुंचकर समस्या दिखवाने का आग्रह किया गया है।

कुम्ही में 29 लाख रुपए के विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण और भूमिपूजन

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। समीपस्थ ग्राम कुम्ही में अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम उत्सव के रूप में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

इस अवसर पर कुल 29 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया गया जिसमें विधायक मद से निर्मित सरस्वती शिशु मंदिर सामुदायिक भवन लागत 08 लाख रुपये तथा वार्ड नं. 12 एवं 06 में पक्का नाली निर्माण कार्य लागत 06 लाख रुपये शामिल हैं। इसके अलावा कृषि एवं बीज विकास निगम लिमिटेड छत्तीसगढ़ की स्वीकृति से शीतला तालाब टीना शेड निर्माण कार्य लागत 15 लाख रुपये का भूमिपूजन भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू शामिल हुए, कार्यक्रम की अध्यक्षता छग बीज एक कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर ने की। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर,जनपद पंचायत अध्यक्ष इंद्राणी नेहरू साहू,जिला पंचायत सभापति नंदनी ओंकार साहू, भाजपा जिला मंत्री सुरेन्द्र सोनटेके,भाजपा मंडल अध्यक्ष रिकेश साहू, हरीश साहू जिलाअध्यक्ष सरपंच संघ गरियाबंद, पंकज निर्मलकर जनपद सदस्य एवं जिला महामंत्री भाजपा युवा मोर्चा, भाजपा मंडल महामंत्री जितेन्द्र पेंडरिया,श्रीमती रेणुका साहू आदि शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक रोहित साहू ने कहा कि ग्रामीण अंचल का सर्वांगीण विकास हमारी पहली प्राथमिकता है। सामुदायिक भवन और पक्की नालियों के निर्माण से गाँव के बुनियादी सुविधाओं का स्तर बेहतर होगा।

विद्युत दर बढ़ोत्तरी को वापस लेने की मांग शिवसेना ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। प्रदेश में बढ़ाई गई विद्युत दर को तत्काल वापस लेने की मांग को लेकर शिवसेना (उद्धव बाला ठाकरे) ने शुक्रवार को एसडीएम अंतागढ़ के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया। शिवसेना ने विद्युत दर में की गई वृद्धि को आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बताते हुए सरकार से इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है।शिवसेना पदाधिकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि प्रदेश की जनता पहले से ही महंगाई की मार झेल रही है।

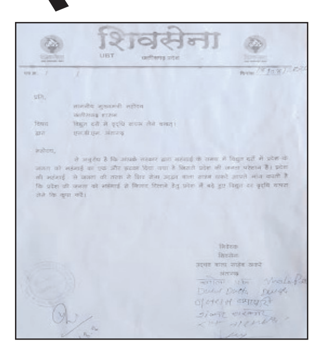

खाद्य सामग्री, दैनिक उपयोग की वस्तुओं सहित विभिन्न आवश्यकताओं के बढ़ते खर्च के बीच बिजली की दरों में वृद्धि किए जाने से आम उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ गई है। बिजली का बिल हर परिवार के मासिक बजट का महत्वपूर्ण हिस्सा है, ऐसे में दर वृद्धि का सीधा असर गरीब, मध्यमवर्गीय और मजदूर वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। शिवसेना ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार द्वारा विद्युत दरों में भारी वृद्धि कर प्रदेश की जनता पर अतिरिक्त आर्थिक भार डाला गया है। संगठन का कहना है कि एक ओर लोग लगातार बढ़ती महंगाई से परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर बिजली की दरों में वृद्धि से घरेलू बजट पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। इससे आम उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ रही है। ज्ञापन में शिवसेना ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि आम जनता की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए बढ़ी हुई विद्युत दर को तत्काल वापस लिया जाए।

संगठन ने कहा कि सरकार को जनता को राहत देने की दिशा में कदम उठाना चाहिए, न कि बिजली जैसी आवश्यक सेवा की लागत बढ़ाकर लोगों की परेशानी बढ़ानी चाहिए। शिवसेना ने चेतावनी दी कि यदि विद्युत दर वृद्धि वापस नहीं ली गई तो संगठन आम जनता के हित में आगे भी चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। संगठन ने सरकार से जनहित में तत्काल निर्णय लेते हुए बढ़ी हुई बिजली दरों को वापस लेने की मांग की है।

डोंगरीडीह के होनहार छात्र धनेश धृतलहरे का 'प्रयास' आवासीय विद्यालय में चयन

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। महानदी के तटीय गाँव डोंगरीडीह के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के होनहार छात्र धनेश धृतलहरे ने अपनी लगन और कठिन परिश्रम के बल पर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। धनेश का चयन राज्य के प्रतिष्ठित 'अनुसूचित जाति बालक प्रयास आवासीय विद्यालय, पाटन (जिला दुर्ग)' के लिए हुआ है।

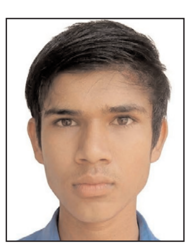

पिता हंसराज एवं माता राजेश्वरी धृतलहरे के सुपुत्र धनेश शुरू से ही मेधावी और अनुशासित छात्र रहे हैं। उन्होंने कक्षा 8वीं में अध्ययनरत रहते हुए प्रयास विद्यालय की कड़ी प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा में भाग लिया और उत्कृष्ट अंक हासिल कर अपना प्रवेश सुनिश्चित किया। इस चयन के बाद अब धनेश कक्षा 9वीं से लेकर 12वीं तक पाटन (दुर्ग) स्थित प्रयास आवासीय विद्यालय में रहकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण करेंगे, जहाँ उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की नि:शुल्क तैयारी का अवसर भी मिलेगा।

धनेश की इस शानदार उपलब्धि से न केवल उनका परिवार, बल्कि पूरे डोंगरीडीह गाँव और आसपास के अंचल में हर्ष का माहौल है। शासकीय माध्यमिक शाला डोंगरीडीह की प्रभारी प्रधान पाठक सुश्री रूकमणी सेन, शिक्षिका प्रेमलता ठाकुर, देवकी देवांगन और शिक्षक प्रकाश भारद्वाज ने धनेश को मिठाई खिलाकर बधाई दी। शिक्षकों ने कहा कि धनेश की यह सफलता अन्य ग्रामीण बच्चों को भी आगे बढ़ने और प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करेगी। गाँव के ग्रामीणों और गणमान्य नागरिकों ने भी धनेश की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना की है।

अंतागढ़ आईटीआई में रोजगार मेले का आयोजन, 222 पदों के लिए 150 अभ्यर्थियों ने कराया पंजीयन

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) अंतागढ़ में शुक्रवार, 21 अगस्त 2026 को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, कोड़ेजुंगा, उत्तर बस्तर कांकेर के माध्यम से आयोजित इस रोजगार मेले में विभिन्न निजी कंपनियों के नियोजकों ने पहुंचकर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए।रोजगार मेले में विभिन्न कंपनियों में रिक्त 222 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित की गई। रोजगार की तलाश में पहुंचे करीब 150 अभ्यर्थियों ने अपना पंजीयन कराया। पंजीयन के बाद अभ्यर्थियों की स्क्रूटनी की गई। चयन प्रक्रिया पूरी होने के उपरांत आगामी 10 दिनों के भीतर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए जाने की जानकारी दी गई है।

मेले में रोजगार प्रदाता कंपनियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इनमें अलर्ट प्लेसमेंट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड रायपुर, अग्रिम टैलेंट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड रायपुर, रिलायंस इंडस्ट्रीज कांकेर तथा एविडिटी एजुकेशन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड रायपुर के नियोजक शामिल रहे। इन कंपनियों द्वारा उपलब्ध रोजगार अवसरों के संबंध में अभ्यर्थियों को जानकारी दी गई और रोजगार प्राप्त करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। रोजगार मेले में बड़ी संख्या में युवाओं की सहभागिता से क्षेत्र के बेरोजगार एवं रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त करने का मंच मिला। आयोजन के माध्यम से युवाओं को उपलब्ध रिक्तियों, चयन प्रक्रिया और रोजगार से संबंधित आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई।

नगर पंचायत क्षेत्र में 580 फीट केबल वायर चोरी, थाने में शिकायत

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। नगर पंचायत छुरा क्षेत्र में अज्ञात चोरों द्वारा तीन दिनों के भीतर दो अलग-अलग स्थानों से कुल लगभग 580 फीट केबल वायर चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। चोरी की घटना के संबंध में नगर पंचायत कार्यालय द्वारा थाना छुरा में शिकायत दर्ज कराकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है। जानकारी के अनुसार मुक्तिधाम स्थित पंप हाउस में लगे 5 नग बोर से लगभग 500 फीट केबल वायर अज्ञात चोरों द्वारा काटकर चोरी कर लिया गया। वहीं राजा तालाब के पास स्थित सामाजिक भवन के बोर कनेक्शन से लगभग 80 फीट केबल वायर भी चोरी किया गया। बताया गया है कि दोनों घटनाओं को अज्ञात चोरों द्वारा महज तीन दिनों के भीतर अंजाम दिया गया। लगातार हो रही केबल चोरी से नगर पंचायत क्षेत्र में चिंता का माहौल है तथा सार्वजनिक जलस्त्रोतों और विद्युत उपकरणों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। नगर पंचायत द्वारा चोरी की घटना की सूचना थाना छुरा को दी गई है। पुलिस से अज्ञात आरोपियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कार्रवाई करने तथा चोरी गए केबल वायर की बरामदगी की मांग की गई है।

पीएम आवास की सूची पर बवाल, ग्रामीणों ने उठाए सवाल, प्रभावितों ने किया निष्पक्ष जांच की मांग

विश्व केसरी

अकलतरा (जयदास मानिकपुरी)। जनपद पंचायत अकलतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत कल्याणपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की पात्रता सूची में हुए 'Fact Change' को लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। मामले को लेकर ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराते हुए पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष और दस्तावेज आधारित जांच की मांग की है। शिकायतकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखी गई है।

जानकारी के अनुसार 18 अगस्त 2026 की ग्रामसभा कार्यवाही क्रमांक CH-3314005049 में कुल 531 लाभार्थियों का उल्लेख है। वहीं 13 हितग्राहियों के संबंध में 'Fact Change' दर्ज किया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि कुछ हितग्राहियों के पुराने सर्वे रिकॉर्ड और वर्तमान रिकॉर्ड में बदलाव दिखाई दे रहे हैं, जिससे पात्रता और अपात्रता निर्धारण की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

शिकायत में मांग की गई है कि Fact Change किस आधार पर किया गया, किस अधिकारी या कर्मचारी ने किया, कब किया और इसके लिए कौन-कौन से दस्तावेज या सत्यापन प्रक्रिया अपनाई गई, इसकी जांच की जाए। साथ ही संबंधित सरकारी रिकॉर्ड से तथ्यों का मिलान कराने की मांग भी की गई है।

समान परिस्थिति में अलग-अलग मापदंड क्यों?

ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत की PMAY-G सूची में शामिल अन्य हितग्राहियों की पात्रता की भी समान मापदंडों पर जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समान परिस्थितियों वाले लोगों में किसी को पात्र और किसी को अपात्र माना गया है, तो इसके पीछे के आधार की भी जांच होनी चाहिए। शिकायतकर्ताओं ने अधिकारियों से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक पात्र हितग्राहियों के साथ न्याय किया जाए और यदि जांच में किसी प्रकार की त्रुटि, मनमानी या अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदारी तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही जांच के निष्कर्ष और की गई कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग भी की गई है।

'वंदे मातरम' के सम्मान से खिलवाड़, देश की अस्मिता का अपमान : बोधन राम साहू

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजिम भक्तिन माता समिति के संरक्षक बोधन राम साहू ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय पर्व के दौरान राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान के प्रति कथित तौर पर किया गया असम्मानजनक व्यवहार देश के करोड़ों देशभक्तों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भावनाओं को आहत करने वाला है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को नमन करने का अवसर है। ऐसे पावन अवसर पर राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति पूर्ण सम्मान और मर्यादा प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए बोधन राम साहू ने आरोप लगाया कि 15 अगस्त को दिल्ली स्थित कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यालय में आयोजित ध्वजारोहण समारोह के दौरान 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान बजने के समय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का व्यवहार मर्यादानुकूल नहीं था। उन्होंने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम को लेकर देशभर में चर्चा हो रही है और इससे राष्ट्रभक्त नागरिकों की भावनाएं आहत हुई हैं। साहू ने कहा कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता चेतना, राष्ट्रभक्ति और बलिदान की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में इस राष्ट्रगीत ने करोड़ों भारतीयों में देशभक्ति की भावना जगाने का कार्य किया। ऐसे राष्ट्रगीत के प्रति किसी भी प्रकार की उपेक्षा अथवा असम्मान को सामान्य घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि देश की आजादी हजारों-लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान का परिणाम है। महात्मा गांधी, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद सहित असंख्य ज्ञात-अज्ञात वीरों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया।

पीएम मोदी ने 20 अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के प्रमुखों से की मुलाकात

भारत को वैश्विक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र बनाने का किया आह्वान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित सेवा तीर्थ में भारत के 20 प्रमुख अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और संस्थापकों (फाउंडर्स) के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने देश के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की तेजी से बढ़ती क्षमता की सराहना करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए अधिक सहयोग और नवाचार पर जोर दिया।

इस बैठक में उन स्टार्टअप्स के प्रतिनिधि शामिल हुए जो रॉकेट निर्माण, पुनः उपयोग योग्य अर्ध-क्रायोजेनिक प्रक्षेपण यान, उपग्रह तकनीक, वैमानिकी इलेक्ट्रॉनिक्स, उन्नत प्रणोदन प्रणाली, अंतरिक्ष एवं रक्षा खुफिया समाधान, अंतरिक्ष मलबा हटाने की तकनीक तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित मौसम और जलवायु पूर्वानुमान जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

स्टार्टअप संस्थापकों ने प्रधानमंत्री को भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में हुई तेज प्रगति के बारे में जानकारी दी और भविष्य के लिए अपनी योजनाएं साझा कीं। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनियों ने स्वदेशी तकनीक और क्षमताओं के विकास में वर्षों की मेहनत और निवेश किया है। साथ ही उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने और विभिन्न नीतिगत सुधारों के लिए केंद्र सरकार तथा प्रधानमंत्री का आभार भी व्यक्त किया।

उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार के सहयोग और कंपनियों के बीच बढ़ती भागीदारी के कारण एक मजबूत अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी टीमें बड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही हैं।

स्टार्टअप प्रमुखों ने याद किया कि जब सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी सहभागिता के लिए खोला था, तब इससे उद्योग जगत में नया उत्साह पैदा हुआ और भारतीय कंपनियों के लिए अनेक अवसर खुले। उन्होंने यह भी बताया कि अब कई उद्योग और संस्थान निजी अंतरिक्ष कंपनियों द्वारा विकसित तकनीकों को अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्टार्टअप संस्थापकों के साहस, नवाचार और पहल की सराहना करते हुए कहा कि निजी कंपनियों द्वारा प्रदर्शित आत्मविश्वास ने अंतरिक्ष क्षेत्र को उदारीकृत करने के निर्णय को और मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों के पास अंतरिक्ष कार्यक्रमों में बड़े निवेश करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं या वे ऐसे निवेश को प्राथमिकता नहीं देते। ऐसी स्थिति भारत के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करती है, जिससे वह वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग में अपनी स्थिति को तेजी से मजबूत कर सकता है।

प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष क्षेत्र की कंपनियों को अपनी तकनीकों के नए उपयोग तलाशने और ऐसे समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित किया जो आम लोगों के जीवन को आसान बना सकें। उन्होंने अंतरिक्ष स्टार्टअप्स और अन्य क्षेत्रों में काम कर रही कंपनियों के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि अंतरिक्ष मलबा प्रबंधन पर काम करने वाली कंपनियां पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं के साथ साझेदारी कर सकती हैं, ताकि उनकी तकनीक का व्यापक उपयोग हो सके। इसी तरह कृषि क्षेत्र से जुड़ी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनियां कृषि विश्वविद्यालयों और सरकारी विभागों के साथ मिलकर किसानों को बेहतर निर्णय लेने, मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करने और उत्पादकता बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।

कूल्हों की जकड़न और तनाव दूर करेगा 'एका पाद राजकपोतासन'

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्राचीन भारतीय परंपरा में योग एक ऐसी प्रभावशाली पद्धति है, जो तन और मन के बीच संतुलन बनाने में मदद करता है। योग के इन्हीं आसनों में 'एका पाद राजकपोतासन' एक महत्वपूर्ण उन्नत आसन है, जो कूल्हों और जांघों की जकड़न दूर करने में मदद करता है।

'एका पाद राजकपोतासन' संस्कृत के 'एका पाद' (पैर), 'राज' (अर्थात 'श्रेष्ठ'), 'कपोत' (अर्थात कबूतर) और 'आसन' (अर्थात मुद्रा) से मिलकर बना है। यह आसन कूल्हों, जांघों के आगे वाले हिस्से और ग्लूट्स (यानी नितंबों), पैरों और घुटने-टखने के आसपास की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, 'एका पाद राजकपोतासन' उन्नत स्तर का योगासन है, जो कूल्हों के जोड़ और रीढ़ को लचीला बनाने वाला बैकबेंड अभ्यास है। नियमित और सही विधि से इसका अभ्यास शरीर को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ मन को एकाग्र और शांत रखने में भी सहायक हो सकता है। इसलिए योगाभ्यास में एका पाद राजकपोतासन का विशेष महत्व माना जाता है।

यह आसन शरीर और मन का तालमेल बनाने में मदद करता है। आधुनिक जीवनशैली में जहां दफ्तर में घंटों बैठने से कूल्हों और रीढ़ की हड्डी में जो जकड़न हो जाती है, यह आसन उसे गहराई से मुक्त करने का काम करता है। कूल्हों को नकारात्मक भावनाओं और तनाव का संचय स्थल माना जाता है। ऐसे में एक पाद राजकपोतासन का अभ्यास न केवल पेल्विक रीजन को लचीला बनाता है, बल्कि भावनात्मक तनाव को हटाकर मन को एक नई ऊर्जा और शांति से भर देता है।

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पर्वतासन यानी सीधे खड़े हो जाएं। अब सांस भरते हुए अपना दाहिना पैर ऊपर छत की तरफ उठाएं। सांस छोड़ते हुए दाहिने घुटने को आगे लाकर नाक के पास तक ले जाएं। दाहिनी जांघ के बाहरी हिस्से, दाहिने नितंब और दाहिने पैर को चटाई पर टिकाएं और शरीर को सहज होने दें। दाहिने पैर का तलवा बाएं कूल्हे से लगा होना चाहिए। बाएं पैर को पीछे की तरफ सीधा फैला दें। दोनों कूल्हों को जमीन की तरफ नीचे दबाएं और सीधे आगे की तरफ रखें। बायां कूल्हा भी चटाई को छूना चाहिए। अगर आराम महसूस न हो तो एक ब्लॉक या तकिया दाहिने नितंब के नीचे रख सकते हैं। दोनों हाथों को कप के आकार में अपने पास जमीन पर रखें। अंत में रीढ़ की हड्डी सीधी रखें और सामने की तरफ देखें।

जबरदस्ती या झटके के साथ इस आसन को करने से बचें। यदि कूल्हे या घुटने में गंभीर चोट या दर्द हो, तो योग प्रशिक्षक की सलाह से ही अभ्यास करें। शुरुआत में संतुलन बनाने के लिए योग ब्लॉक या तकिए का सहारा लिया जा सकता है।

वेलनेस टूरिज्म का हब बना गुजरात, आयुर्वेद, पंचकर्म और 'लोक आयुर्वेद' कॉन्सेप्ट से हेल्थ टूरिज्म के मिल रहा बढ़ावा

विश्व केसरी ■

गांधीनगर। गुजरात की पहचान सिर्फ देश के प्रमुख औद्योगिक राज्य और कल्चरल या रिलीजियस टूरिज्म डेस्टीनेशन के तौर पर ही नहीं है, बल्कि आज गुजरात देश-दुनिया के प्रमुख आयुर्वेदिक, पंचकर्म, नेचुरोपैथी और वेलेनेस हब के रूप में भी उभर रहा है।

राज्य में ऐसे कई नेचुरल वेलनेस सेंटर हैं, जहां देश-विदेश से आए पर्यटक खुद को आराम और तरोताजा महसूस कर रहे हैं। कच्छ के पुनाडी पटिया गांव के पास 40 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला नवजीवन नेचर क्योर सेंटर महात्मा गांधी के 'नेचर क्योर' के विचार पर आधारित है। यहां आयुर्वेदिक और हर्बल उपचार से लेकर पंचकर्म, एक्यूपंक्चर, मेडिटेशन और योग के जरिए कई तरह की बीमारियों का इलाज किया जा रहा है।

नवजीवन नेचर क्योर सेंटर के चिकित्सक गवनी शाह ने बताया, 'जिस प्रकार की जरूरत मरीज को होती है, उसके अनुसार उनको आयुर्वेदिक फिजियोथेरेपी का ट्रीटमेंट दिया जाता है। मरीजों का सुबह से लेकर शाम तक एक शिड्यूल बनाया जाता है, जैसे कि सुबह उठकर मरीज को क्या खाना है, क्या पीना है, किस प्रकार का योगा करना है और किस प्रकार के उपचार की आवश्यकता है। मरीजों का स्वास्थ्य से लेकर खाने तक का पूरा ध्यान रखा जाता है।

इसी प्रकार खास तौर पर आयुर्वेद की पढ़ाई और रिसर्च के लिए प्रसिद्ध जामनगर के लखवाड़ा इलाके में करीब दो एकड़ में बना 'वेदगर्भ विहार वेलनेस रिसॉर्ट और इको विलेज' 'लोक आयुर्वेद' मॉडल पर आधारित है। यह वेलनेस सेंटर हमारे 5,000 साल पुराने प्रिवेंटिव और प्रोमोटिव हेल्थ के कॉन्सेप्ट को बढ़ावा दे रहा है।

जामनगर की मरीज पूजा डेर ने बताया, 'उसे प्रेग्नेंसी के समय कॉम्प्लीकेशंस थे। साथ ही, चिंता थी कि बच्चा कैसा होगा, उसके संस्कार कैसे होंगे और स्वास्थ्य कैसा होगा। मैंने वेदगर्भ विहार वेलनेस सेंटर से दवा ली थी। आज मेरा बच्चा स्वस्थ है और मेरी डिलीवरी भी नॉर्मल हुई थी।

वेदगर्भ विहार वेलनेस रिसॉर्ट के फाउंडर हितेश जानी ने कहा, 'मैंने एक वेलनेस रिसॉर्ट खोला, जिसका नाम वेदगर्भ विहार यानी रेस्ट एंड रीजेनरेट गर्भ संस्कार रखा। इस सेंटर की विशेषता है कि जन्म लेने वाला बच्चा सुंदर बने, तेजस्वी व बुद्धिमान बने और हाई आईक्यू वाला बने। यह सब हम पहले से कर सकते हैं। हम पहले भी ऐसे श्रेष्ठ बच्चों को जन्म देते थे। हमने हजारों सालों के इतिहास को फिर से जिंदा किया है। आज की भागदौड़ वाली जिंदगी में हर कोई प्राकृतिक वातावरण में रहकर स्वास्थ्य लाभ और मानसिक शांति पाना चाहता है। ऐसे में गुजरात सरकार राज्य में लगातार पंचकर्म, आयुर्वेद और नेचुरोपैथी को बढ़ावा देकर हेल्थ-टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने में जुटी है।

केंद्र ने टेलीकॉम कंपनियों को दिए निर्देश, प्रति ग्राहक 9 सिम की उच्चतम सीमा को न पार करें

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे प्रति ग्राहक नौ सिम की उच्चतम सीमा को किसी भी सब्सक्राइबर के लिए पार न करें। यह जानकारी गुरुवार को जारी आधिकारिक बयान में दी गई।

सरकारी की ओर से जारी सर्कुलर में कहा गया कि 24 अगस्त 2026 से, टीएसपी (टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर) ऐसे हर सब्सक्राइबर की पहचान करने के लिए जरूरी तकनीकी और संगठनात्मक उपाय करेंगे जो तय सीमा से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन लेना चाहता है। वे उसे सूचित करेंगे कि उसके पास पहले से ही किसी व्यक्ति के लिए अनुमत अधिकतम संख्या में मोबाइल कनेक्शन हैं और इसलिए, उसे नया मोबाइल कनेक्शन नहीं दिया जा सकता है।'

इन निर्देशों के तहत ग्राहकों को 'कस्टमर एप्लीकेशन फॉर्म' (सीएएफ) में यह जानकारी देनी होगी कि उनके नाम पर अलग-अलग टेलीकॉम ऑपरेटरों और लाइसेंस प्राप्त सर्विस एरिया में पहले से कौन-कौन से मोबाइल कनेक्शन हैं। डीओटी के सर्कुलर में बताया गया है कि जिन ग्राहकों ने तय सीमा से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन ले रखे हैं, उनकी जानकारी विभाग के द्वारा विकसित किए गए 'डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म' (डीआईपी) पर उपलब्ध है।

भारतीय कंपनियों के साथ सहयोग को लेकर उत्साहित हैं यूरोपीय कारोबार : फिनलैंड ट्रेड काउंसलर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। फिनलैंड दूतावास के व्यापार सलाहकार (ट्रेड काउंसलर) एंटी हेरलेवी ने शुक्रवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों पक्षों के व्यवसायों के लिए नए अवसर पैदा करेगा और भारत तथा यूरोपीय देशों के बीच व्यावसायिक सहयोग को नई ऊंचाई देगा। उन्होंने कहा कि यूरोपीय कंपनियां भारतीय उद्योगों के साथ अधिक निकटता से काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं और समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन का इंतजार कर रही हैं।

हेरलेवी ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'यह वर्ष बेहद महत्वपूर्ण है। जैसा कि आप जानते हैं, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर हो चुके हैं और यूरोपीय कंपनियां भारत तथा भारतीय उद्योगों के साथ अधिक गहराई से काम करने की इच्छुक हैं। इस समझौते को लेकर काफी उत्साह है और हमें उम्मीद है कि इसकी सभी व्यावहारिक प्रक्रियाएं जल्द पूरी हो जाएंगी।'

उन्होंने कहा कि व्यवसाय जगत इस समझौते के लागू होने का इंतजार कर रहा है, क्योंकि इससे दोनों पक्षों की कंपनियों को व्यापार विस्तार, निवेश और व्यावसायिक साझेदारी बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे। उनके अनुसार, यह समझौता वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत और यूरोप के बीच सहयोग को भी मजबूत कर सकता है। हेरलेवी ने आगे यह भी कहा कि भारत चक्रीय अर्थव्यवस्था के विकास में फिनलैंड के अनुभव से महत्वपूर्ण लाभ उठा सकता है। उन्होंने बताया कि फिनलैंड सहित कई यूरोपीय देशों ने लंबे समय से संसाधनों के पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और टिकाऊ उत्पादन प्रणालियों को अपनाने पर काम किया है। ऐसे में दोनों देशों की कंपनियां संसाधनों की खपत कम करने, उत्पाद डिजाइन को बेहतर बनाने और पुनर्चक्रण प्रणालियों को मजबूत करने के क्षेत्र में सहयोग कर सकती हैं।

अमेजन ने भारत में विक्रेताओं और ग्राहकों को सुरक्षित रखने के लिए नकली सामान रोकने वाली अपनी यूनिट का किया विस्तार: सीसीयू चीफ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अमेरिकी ई-कॉमर्स और टेक्नोलॉजी कंपनी अमेजन विक्रेताओं और ग्राहकों को सुरक्षित रखने के लिए भारत में अपनी नकली सामान से जुड़े अपराधों की इकाई (सीसीयू) का विस्तार कर रहा है। इससे देश में मौजूद उसके 17 लाख विक्रेताओं और ग्राहकों को नकली सामानों से बचने में मदद मिलेगी। यह बयान अमेजन के सीसीयू निदेशक केभारू स्मिथ ने शुक्रवार को दिया।

समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ एक इंटरव्यू में स्मिथ ने कहा कि जून 2020 में शुरू की गई यह यूनिट एक ग्लोबल टीम है जिसके सदस्य भारत सहित कई जगहों पर हैं। इस टीम ने सिविल केस और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को क्रिमिनल रेफरल के जरिए दुनिया भर में 32,000 से ज्यादा नकली सामान बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है।

स्मिथ ने देश में अमेजन के सेलर इकोसिस्टम के बड़े पैमाने के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, 'आज अमेजन भारत में 17 लाख से अधिक सेलर्स के साथ काम करता है और उनमें से आधे टियर-2 और टियर-3 शहरों से हैं।' स्मिथ ने कहा, 'हमारा मकसद इन गलत काम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है।' उन्होंने कहा कि सीसीयू के भारत में कामकाज को बढ़ाने का मकसद जमीनी स्तर पर कोशिशों को मजबूत करना और स्थानीय कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर और बेहतर ढंग से काम करना है।

स्मिथ ने आईएएनएस को बताया, 'हम यहां भारत में सीबीआई के साथ भी जांच कर रहे हैं।' कंपनी ने बताया कि 2025 में, उसने दुनिया भर में 1.5 करोड़ से अधिक नकली उत्पादों की पहचान करने, उन्हें जब्त करने और सही तरीके से नष्ट करने में मदद की। अमेजन ने इस दौरान अपने सहयोगियों के साथ मिलकर नकली सामान बनाने वालों, सप्लायरों और डिस्ट्रीब्यूटरों के खिलाफ 70 से ज्यादा छापे भी मारे।

सेफ हेवन डिमांड से चमका सोना-चांदी; गोल्ड में 0.75 प्रतिशत तो सिल्वर में करीब 3,000 रुपए की तेजी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, महंगाई की चिंताओं और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में मजबूत तेजी देखने को मिली। मुद्रा और बॉन्ड बाजारों में बढ़ती अस्थिरता के चलते निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर बढ़ा, जिससे दोनों कीमती धातुओं को मजबूती मिली। इसके अलावा केंद्रीय बैंकों, विशेष रूप से चीन के केंद्रीय बैंक की लगातार खरीदारी और मजबूत निवेश मांग ने भी सोने की कीमतों को समर्थन दिया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना पिछले बंद भाव 1,59,425 रुपए के मुकाबले 1,205 रुपए यानी 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,60,630 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जो दिन का उच्चतम स्तर रहा। वहीं दिन में एक समय इसने 1,59,601 रुपए का निचला स्तर छुआ। हालांकि कारोबार के दौरान इसमें हल्की मुनाफावसूली भी देखने को मिली, लेकिन कीमतें मजबूती के साथ बनी रहीं।

खबर लिखे जाने तक अक्टूबर गोल्ड फ्यूचर्स 1,124 रुपए यानी 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,60,549 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। हालांकि यह अभी भी अपने वार्षिक रिकॉर्ड उच्च स्तर 1,80,779 रुपए प्रति 10 ग्राम से नीचे बना हुआ है।

सोने के साथ-साथ चांदी में भी मजबूत खरीदारी देखने को मिली। एमसीएक्स पर सितंबर डिलीवरी वाली चांदी अपने पिछले बंद 2,43,243 रुपए से 1,745 रुपए यानी 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,44,988 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली।

वहीं, कारोबार के दौरान चांदी 2,986 रुपए यानी 1.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,46,229 रुपए प्रति किलोग्राम के उच्चतम स्तर तक पहुंच गई, जबकि एक समय इसने 2,44,251 रुपए का दिन का निम्नतम स्तर छुआ।

खबर लिखे जाने तक यह 2,054 रुपए यानी 0.84 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,45,562 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई। हालांकि यह अपने सालाना रिकॉर्ड स्तर 4,20,048 रुपए प्रति किलोग्राम से अभी भी काफी नीचे है।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं में तेजी का माहौल देखने को मिला। कॉमेक्स पर सोना 4,577 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में यह 4,604.40 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। हालांकि यह 40.60 डॉलर यानी 0.89 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,612 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता नजर आया।

वहीं, कॉमेक्स पर चांदी 68.29 डॉलर प्रति औंस पर खुली और एक समय 0.96 डॉलर की बढ़त के साथ 69.25 डॉलर प्रति औंस के हाई पर पहुंच गई। हालांकि यह 0.77 डॉलर यानी 1.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.88 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती नजर आई।

वैश्विक बाजार में सोना के 4,612 डॉलर और चांदी के करीब 69 डॉलर प्रति औंस के आसपास बने रहने से घरेलू बाजार को भी मजबूती मिली।

विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका द्वारा ईरान पर व्यापक प्रतिबंध लगाने की तैयारियों ने वैश्विक बाजारों में चिंता बढ़ा दी है। इससे ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है और महंगाई के दबाव बढ़ने का जोखिम भी सामने आया है।

अभी हम रुकने वाले नहीं हैं', बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल पक्का करने के बाद बोलीं त्रिसा-गायत्री

एजेंसी ■

नई दिल्ली। त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में विश्व की चौथे नंबर की जोड़ी जिया यी फैन और झांग शू जियान के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही वे सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं और टूर्नामेंट में भारत का पहला मेडल पक्का हो गया है।

चीनी जोड़ी के खिलाफ पहला गेम हारने के बाद, भारतीय जोड़ी ने यादगार वापसी करते हुए यह रोमांचक मुकाबला 16-21, 21-15, 21-13 से जीता। इस जीत ने 2011 के बाद से महिला डबल्स में भारत का पहला मेडल भी पक्का कर दिया। 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

चीनी खिलाड़ियों के खिलाफ 70 मिनट तक चले मुकाबले के बाद त्रिसा और गायत्री ने जिया और झांग को पहली बार हराने पर बात की और कहा कि उनका सफर अभी रुकने वाला नहीं है। जीत के बाद त्रिसा ने पत्रकारों से कहा, 'हम बहुत खुश हैं कि हमने इस जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई और मेडल पक्का किया, लेकिन सफर अभी यहीं खत्म नहीं हो रहा है। कल भी हमारे मैच हैं। उन्होंने कहा, 'जाहिर है कि मैं उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं जिन्होंने इसमें हमारी मदद की - यह हमारे लिए टीमवर्क था - और मैं सच में आभारी हूं।इसके साथ ही मैं घरेलू दर्शकों का भी शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि आज दर्शकों का सपोर्ट बहुत शानदार था। उनसे हमें सच में सकारात्मक ऊर्जा मिल रही थी।' इस जोड़ी ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में तनावपूर्ण मैच के दौरान चीफ नेशनल कोच और दिग्गज पूर्व शटलर पुलेला गोपीचंद द्वारा दिए गए संदेश के बारे में भी बात की।

त्रिसा ने आगे कहा, 'शुरुआत से ही वे कह रहे थे कि वर्तमान पल में रहें और शांत रहें, क्योंकि इससे हमें प्वाइंट स्कोर करने में मदद मिली, और आज यह तरीका सच में काम आया। हम बस धैर्य बनाए हुए थे और प्वाइंट स्कोर करने के लिए सही समय का इंतजार कर रहे थे। मुझे लगता है कि यह तरीका सच में काम आया। भारतीय जोड़ी ने इससे पहले इन चीनी खिलाड़ियों के खिलाफ खेले गए तीन मैचों में कभी जीत हासिल नहीं की थी, और जब वे पहला गेम हार गईं तो उन्हें एक बार फिर वैसी ही हार का डर सता रहा था। अपनी वापसी और चीन की टॉप सीड जोड़ी लियू शेंग शू / टैन निंग के खिलाफ मुकाबले पर बात करते हुए गायत्री ने जोर दिया कि आज शांत रहने से उन्हें मदद मिली और वे सेमीफाइनल में भी यही तरीका अपनाना चाहती हैं। गायत्री ने कहा, 'यह काफी मुश्किल मैच था। हम पीछे चल रहे थे, और दूसरे सेट में भी स्थिति काफी मुश्किल थी, लेकिन फिर हमने एक-दूसरे से शांत रहने को कहा और मुझे लगता है कि कल भी हम यही करेंगे। हम बस शांत रहना चाहते हैं, कोर्ट पर उतरकर अपना 100 प्रतिशत देना चाहते हैं और आज की तरह ही खेल का मजा लेना चाहते हैं।'

गायत्री के कोच उनके पिता ही हैं। वे शुरुआत से ही उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं। मैचों के दौरान पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और गायत्री के कोच और पिता पुलेला गोपीचंद के साथ होने पर गायत्री ने कहा, 'यह वाकई बहुत खास है। वे बहुत बड़ा सपोर्ट हैं, उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है, और मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि वे मेरे साथ यात्रा कर सकते हैं और हमारे मैचों के दौरान पीछे बैठ सकते हैं।

जब त्रिसा और गायत्री प्वाइंट नहीं बना पा रही थीं, तब भी दर्शकों ने उन्हें वापसी करने में पूरा सपोर्ट किया। गायत्री ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'यह अद्भुत है। आम तौर पर जब हम विदेश में होते हैं, तो हमें एक-दूसरे का हौसला बढ़ाना पड़ता है, लेकिन यहां दर्शक हमें आगे बढ़ा रहे हैं। जैसा कि मैंने कहा, पहले सेट के बाद भी वे बहुत सपोर्ट कर रहे थे, और फिर नारे वगैरह, मुझे लगता है कि इससे हमारा आत्मविश्वास बहुत बढ़ा। तो हां, मैं उनकी बहुत शुक्रगुजार हूं।

श्रीलंका ने कोलंबो टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम का किया ऐलान, अराचिगे और मिशारा को मौका

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने भारत के खिलाफ रविवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम की घोषणा कर दी है। 14 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सहन अराचिगे और बल्लेबाज कामिल मिशारा को शामिल किया गया है। पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हुए दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके रिप्लेसमेंट रहे पासिंदु सोरियाबंदारा को भी टीम से बाहर रखा गया है। दूसरे ओपनर निशान मदुश्का को जगह नहीं मिली, जबकि गेंदबाजी ऑलराउंडर रमेश मेंडिस और तेज गेंदबाज दिलशान मदुश्का भी टीम में जगह नहीं बना सके।

अराचिगे को भारत ए के खिलाफ उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। अराचिगे ने भारत ए के खिलाफ हाल ही में श्रीलंका ए क्रिकेट टीम की कप्तानी की थी और बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। अराचिगे ने पहले मैच में 72 और दूसरे मैच में 127 रन की पारी खेली थी। दो अनाधिकारिक मैचों की सीरीज में भारतीय साई सुदर्शन के बाद अराचिगे दूसरे श्रेष्ठ स्कोरर रहे थे। अराचिगे को टेस्ट डेब्यू का इंतजार है।

मिशारा लंका प्रीमियर लीग 2026 में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने हाल के सीजन में नौ पारियों में 411 रन बनाए थे। उन्होंने गॉल गैलेंट्स के खिलाफ शतक भी बनाया था। वे मेजर क्लब्स टी20 कॉम्पिटिशन में शानदार फॉर्म में थे और महज 72 गेंदों पर 145 रन की पारी खेली थी।

श्रीलंका पहला टेस्ट मैच हार चुकी है। सीरीज बचाने के लिए श्रीलंका को दूसरे टेस्ट में भारत के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी। पहला टेस्ट टीम इंडिया ने 165 रन से जीता था।

श्रीलंका टीम: लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पासिंदू सोरियाबंदारा, कामिंडू मेंडिस (उपकप्तान), धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सहन अराचिगे, सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला, केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, मिलन रत्नायके, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो।

मुझे थोड़ा और सब्र रखना चाहिए था', बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर होने के बाद बोलीं पीवी सिंधु

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में पीवी सिंधु का सफर गुरुवार को थम गया। सिंधु को महिला सिंगल्स के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में चीन की वांग झी यी ने 21-11, 15-21, 21-17 से हराया। सिंधु अपने प्रदर्शन से निराश नजर आईं और उन्होंने हार के बाद कहा कि उन्हें थोड़ा और सब्र रखने की जरूरत थी।

सिंधु ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, 'मुझे नहीं पता कि उन्हें कोई चोट लगी थी या क्या, शायद यह उनकी रणनीति थी या खेलने का तरीका। हालांकि, मुझे लगता है कि मुझे इस मैच को जीत में तब्दील करना चाहिए था क्योंकि लंबी रैलियां हो रही थीं, मैच अच्छा था और उस समय जब स्कोर 17-17 था, तो हर पॉइंट मायने रखता है। मेरे हिसाब से मुझे थोड़ा और सब्र रखना चाहिए था।' दरअसल, मैच के दौरान चीन की खिलाड़ी वांग झी कई बार दर्द की वजह से कोर्ट पर बैठीं, जिसके कारण मुकाबला को कई दफा रोकना पड़ा।

भारतीय स्टार शटलर ने आगे कहा, 'हां, इस तरह की हार से बहुत ज्यादा दुख होता है। इतने लंबे समय तक ट्रेनिंग और कड़ी मेहनत करने के बाद, ऐसे मैच हारने से सच में बहुत दुख होता है। हालांकि, मुझे लगता है कि यह खेल है। खेल ऐसा ही होता है। मेरे हिसाब से आप इस तरह से और मजबूत बनते हैं और शानदार वापसी करते हैं। इसके साथ ही आप ऐसे मैचों में की गई गलतियों से सीख भी लेते हैं। जो हो गया, सो हो गया। मुझे लगता है कि अब वापस जाने और जो जरूरी है, वह करने का समय है। सिंधु ने कहा कि उन्होंने मैच को अपने नाम करने की पूरी कोशिश की, लेकिन नतीजा उनके पक्ष में नहीं आ सका। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल, मुझे लगता है कि इस बार मैंने पूरी कोशिश की, लेकिन आखिर में जीत तो एक ही की होती है। हालांकि, मैं कोशिश करती रहूंगी। मुझे लगता है कि मैंने सब कुछ खेला और मुझे लगा कि लंबी रैलियां थीं, ऐसा कुछ नहीं था जिसे मैं बदल सकती थी, शायद थोड़ा अलग खेल सकती थी, शायद मुझे थोड़ा और सब्र रखना चाहिए था। अभी मैं बस यही देख पा रही हूं कि इस खेल में सबसे ज्यादा जरूरी क्या था।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में जालंधर वॉरियर्स हर चुनौती के लिए तैयार: कप्तान प्रभसिमरन सिंह

विश्व केसरी ■

चंडीगढ़। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग का पहला संस्करण 30 अगस्त से चंडीगढ़ के आई.एस. बिंद्रा स्टेडियम में शुरू होने वाला है। जालंधर वॉरियर्स के कप्तान प्रभसिमरन सिंह टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हैं। उनका मानना ??है कि लीग के लिए उनकी टीम अच्छी बनी है और चुनौती के लिए तैयार है।

प्रभसिमरन ने कहा, 'मैं शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में जालंधर वॉरियर्स का नेतृत्व करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। हमने नीलामी में एक अच्छी टीम चुनी है। सभी खिलाड़ी अभ्यास सत्र में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हर कोई अतिरिक्त मेहनत कर रहा है। हम टूर्नामेंट शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।'

दाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज ने लीग की अहमियत पर कहा, 'यह युवाओं के लिए एक बहुत अच्छा मंच है। उन्हें आईपीएल और भारत के खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने का मौका मिलेगा। वे उनके अनुभव से सीख सकते हैं। पेशेवर क्रिकेट की जरूरतों को समझ सकते हैं और अपने खेल को बेहतर बना सकते हैं। अनुभवी खिलाड़ियों के साथ खेलने से बहुत आत्मविश्वास मिलता है। प्रभसिमरन का यह भी मानना है कि फैन्स का सपोर्ट टूर्नामेंट के रोमांच को और बढ़ा देगा। पंजाब के क्रिकेट फैन्स अपने पैशन के लिए जाने जाते हैं, इसलिए उन्हें उम्मीद है कि लीग के दौरान स्टैंड भरे रहेंगे।

उन्होंने कहा, 'मैं सभी फैन्स से अनुरोध करूंगा कि वे बड़ी संख्या में आएं और अपनी पसंदीदा टीमों और खिलाड़ियों का समर्थन करें। समर्थन से हमें बहुत ऊर्जा मिलती है। हम सच में उनके सामने खेलने के लिए उत्सुक हैं। प्रभसिमरन सिंह को भारतीय टीम के लिए डेब्यू करने का मौका अबतक नहीं मिला है, लेकिन आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज वह नियमित तौर पर खेलते हैं और इस टीम के लिए 65 मैचों में 1 शतक और 13 अर्धशतक लगाते हुए 156.33 की स्ट्राइक रेट से 1,815 रन बना चुके हैं।

सीपीएल 2026: शादाब खान का ऑलराउंड प्रदर्शन, एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स ने सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स को हराया

विश्व केसरी ■

एंटीगुआ। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 में ऑलराउंडर शादाब खान के शानदार प्रदर्शन के दम पर एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स ने सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स को 3 विकेट से हरा दिया।

एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स के कप्तान मोईन अली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 187 रन बनाए।

दासुन शनाका ने सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए मात्र 17 गेंदों पर 4 छक्के और 5 चौकों की मदद से नाबाद 49 रन बनाकर टीम का स्कोर 187 रन तक पहुंचाया। इसके अलावा, काइल मायर्स ने 18 गेंदों पर 34, कप्तान जेसन होल्डर ने 27 और आंद्रे फ्लेचर ने 20 रन बनाए। एंटीगुआ की तरफ से शादाब खान ने किफायती गेंदबाजी की और 4 ओवर में 22 रन देकर 1 विकेट लिए। शामार स्प्रिंगर ने 2, जायडन सिल्स और मोईन अली ने 1-1 विकेट लिए।

एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स ने 19.3 ओवर में 7 विकेट 191 रन बनाकर मैच 3 विकेट से जीत लिया। टीम के लिए एविन लुईस ने सर्वाधिक 48 रन बनाए। 38 गेंदों की इस पारी में उन्होंने 5 छक्के लगाए। इसके अलावा, हसन नवाज ने 33, शादाब खान ने 12 गेंदों पर 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 30 रन बनाए। कप्तान मोईन अली ने भी 12 गेंदों पर नाबाद 25 रन बनाए। शामार स्प्रिंगर ने 15, करिमा गोरे ने 22 रन बनाए।

सेंट किट्स की तरफ से काइल मायर्स और कप्तान जेसन होल्डर ने 2-2 विकेट लिए। ओबेड मैकॉए और वकार सलामखेली ने 1-1 विकेट लिए।

अपनी किफायती गेंदबाजी और विस्फोटक बल्लेबाजी से एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स को जीत दिलाने वाले शादाब खान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स की सीजन के चौथे मैच में यह दूसरी जीत थी, जबकि सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स की चौथे मैच में तीसरी हार। प्वाइंट टेबल में एंटीगुआ और बारबुडा चौथे और नेविस पैट्रियट्स सातवें स्थान पर है।

लॉजेन डायमंड लीग: नीरज चोपड़ा को श्रीलंका के रुमेश पाथिरगे से फिर मिलेगी चुनौती

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में रजत पदक जीतने के बाद, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा शुक्रवार को लॉजेन डायमंड लीग में एक बार फिर से अपना दमदार प्रदर्शन दिखाने को तैयार हैं।

लॉजेन डायमंड लीग बेहद रोमांचक होगी। इस इवेंट में कई ओलंपिक, वर्ल्ड और यूरोपियन चैंपियन खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। पुरुषों की जैवलिन स्पर्धा में दक्षिण एशिया के दो सबसे बड़े स्टार भारत के नीरज चोपड़ा और श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरगे, एक बार फिर आमने-सामने होंगे।

नीरज चोपड़ा स्विट्जरलैंड के स्टेड ओलंपिक डे ला पोंटेस में होने वाली लॉजेन डायमंड लीग 2026 में टॉप पर पहुंचने की कोशिश करेंगे। लॉजेन में चोपड़ा चौथी बार उतरेंगे।

यह लीग चोपड़ा का 2026 एथलेटिक्स सीजन का तीसरा प्रतियोगी इवेंट है।

श्रीलंका के पाथिरगे ने जून में रोम में 92.62 मीटर के साथ ब्रुसेल्स में होने वाले फाइनल में अपनी जगह बुक कर ली है। वहीं, पूर्व ओलंपिक और डायमंड लीग चैंपियन चोपड़ा स्टैंडिंग में पीछे हैं। उन्हें लॉजेन में एक बड़े करिश्माई थ्रो की जरूरत है। नीरज कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 जैसे ही एक मजबूत फील्ड में यूरोपियन स्टार्स के साथ मुकाबला करेंगे। पिछले चार ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीतने वाले पांच जेवलिन सुपरस्टार्स 21 अगस्त को एक दूसरे को कड़ी टक्कर देंगे।

इवेट में नीरज चोपड़ा और पाथिरगे के अलावा त्रिनिदाद एंड टोबैगो के वालकॉट और ग्रेनाडा के पीटर्स हिस्सा ले रहे हैं। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने इवेंट से अपना नाम वापस ले लिया था।

मैच भारतीय समयानुसार शुक्रवार रात 11:52 से शुरू होगा।

लॉजेन डायमंड लीग 2026 की भारत में डायमंड लीग की आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारित होगी।

भारतीय दर्शक स्पोर्ट्स18 पर लॉजेन डायमंड लीग देख सकते हैं, जबकि जियोसिनेमा पर लाइव स्ट्रीमिंग उपलब्ध है।

सिनसिनाटी ओपन: आर्थर फिल्स ने थियागो अगस्टिन टिरेंटे को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

विश्व केसरी■

सिनसिनाटी। आर्थर फिल्स ने सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। फिल्स ने 64 मिनट तक चले मुकाबले में थियागो अगस्टिन टिरेंटे को 6-3, 6-2 से हराया। फिल्स ने इस सीजन के तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

22 साल के फिल्स एक सीजन में तीन मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले फ्रांसीसी बन गए। उनसे पहले गाइ फॉरगेट ने 1991 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

फरवरी में आठ महीने की चोट के बाद वापसी करते हुए फिल्स का शानदार सीजन रहा है। एटीपी जीत/हार इंडेक्स के मुताबिक, इस साल फ्रेंचमैन का टूर-लेवल रिकॉर्ड 30-10 रहा है, जिसमें बार्सिलोना में एक खिताब और मियामी और मैड्रिड में मास्टर्स 1000 इवेंट्स के सेमीफाइनल में पहुंचना शामिल है।

पहले सेट में 4-3 पर एक अहम ब्रेक हासिल करने के बाद, फिल्स ने लगातार जबरदस्त फोरहैंड लगाए, जिससे टिरांटे लगातार बैकफुट पर रहे। एटीपी के मुताबिक, 22 साल के खिलाड़ी ने दूसरे सेट में अर्जेंटीना के खिलाड़ी की सर्विस दो बार तोड़ी और पूरे मैच के दौरान उन्हें कभी भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा।

अब वह टाइटल मैच में जगह बनाने के लिए फ्लेवियो कोबोली से भिड़ेंगे, दोनों खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचना चाहते हैं।

कोबोली ने घरेलू पसंदीदा टॉमी पॉल के खिलाफ 2-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल की और ओहियो में अपने पहले मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए।

24 साल के खिलाड़ी अब जून में रोलैंड गैरोस चैंपियनशिप मैच में पहुंचने के बाद अपने पहले सेमीफाइनल की तैयारी करेंगे। वह 2024 और 2025 में जैनिक सिनर के बाद सिनसिनाटी में अंतिम चार में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे इटैलियन खिलाड़ी हैं।

पॉल के खिलाफ जीत के साथ, कोबोली ने यह भी पक्का कर लिया कि वह सोमवार को एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। वह अभी लाइव रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 6 पर हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415